दिल्ली की फिजा में तीसरे दिन भी घुला जहर वायु गुणवत्ता बेहद गंभीर - 12

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान : आरबीआई बुलेटिन - 12

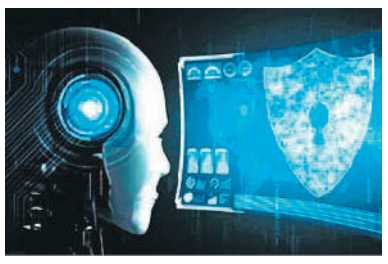

दुनिया की कई प्रमुख हस्तियां एआई सुपर इंटेलिजेंस के खिलाफ एकजुट - 13

न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगा भारत- 14

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.12
सूर्यास्त 05.33

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया 10:47 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 62, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

गड्ढे में फंसा राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर

पथनमथिट्टा (केरल)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिए बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड में धंस गए। पुलिसकर्मियों और अग्निशमन बल के जवानों ने धक्के देकर उसे गड्ढों से बाहर निकाला। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने इसे सुरक्षा चूक करार दिया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। • एजेंसी

अखिलेश को राम मंदिर ही नहीं दिवाली से भी नफरत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख के अयोध्या दीपोत्सव को लेकर दिए गए बयान पर योगी का पलटवार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दीपोत्सव पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की टिप्पणी पर पलटवार किया है। योगी ने कहा कि अखिलेश यादव के बयान से साफ हो गया है कि उनको अयोध्या में प्रभु राम के भव्य मंदिर और देवी-देवताओं से ही नहीं, दिवाली से भी नफरत है।

मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि गद्दी विरासत में मिल सकती है पर बुद्धि नहीं। बिना विवेक वाले लोग ही दिवाली का विरोध कर सकते हैं। दरअसल, अखिलेश यादव ने लखनऊ की एक प्रेसवार्ता में दीपोत्सव को फिजूलखर्ची करार देते हुए भाजपा सरकार को निशाने पर लिया था। उन्होंने अयोध्या में दीयों पर होने वाले खर्च को फिजूल बताते हुए क्रिसमस से तुलना की थी। इसी बयान की भाजपा और विहिप जैसे संगठनों ने कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने भी ऐसी प्रतिक्रिया पर नाराजगी प्रकट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के तहत गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में मंगलवार को आयोजित कुटुम्ब स्नेह मिलन और दीपोत्सव में सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला किया। खासकर सपा प्रमुख पर कहा कि बबुआ ने प्रजापति समाज के लोगों का अपमान किया है।

उन्हें नहीं मालूम है कि दो करोड़ लोग मिट्टी के दीयों से लेकर बर्तन के कारोबार से जुड़े हुए हैं। मिट्टी के उत्पाद आर्थिक निर्भरता व स्वावलंबन का प्रतीक हैं।

नाक रगड़वाने, गंदगी चटवाने पर योगी सख्त

लखनऊ। मेरठ में एक व्यापारी से नाक रगड़वाने और लखनऊ में एक बुजुर्ग से गंदगी चटवाने के प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने नाराजगी प्रकट की है। ऐसे प्रकरणों पर दोषियों पर जीरो टॉलरेंस के तहत कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। इसके बाद लखनऊ के काकोरी नगर पंचायत के शीतला देवी मंदिर के परिसर में बुजुर्ग से जबरन गंदगी चटवाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल भी बुजुर्ग से मिला। वहीं, मेरठ में व्यापारी से सड़क पर नाक रगड़वाने के मामले में भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने पार्टी नेता विकुल चपराणा को पद से हटा दिया है।

भैया दूज व चित्रगुप्त जयंती की दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भैया दूज व चित्रगुप्त जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भैया दूज भाई-बहन के पारस्परिक प्रेम, स्नेह व विश्वास का त्योहार है।

ब्रीफ न्यूज

राम मंदिर में सुबह सात बजे से मिलेगा प्रवेश

अयोध्या। राम मंदिर में शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने के साथ ही रामलला के दर्शन अवधि में बदलाव कर दिया गया है। गुरुवार से श्रद्धालुओं को सुबह 7 बजे से मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। इसके पूर्व मंगला आरती 4.30 बजे और श्रृंगार आरती 6.30 बजे होगी, ज़बकि पहले मंदिर परिसर में 6.30 बजे से सभी श्रद्धालुओं के लिए पट खोल दिया जाता था। अब दर्शन सुबह 7 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक कर सकेंगे। दोपहर 12:30 से 1 बजे तक पट बंद रहेगा। बिरला धर्मशाला के सामने स्थित गेट से 8:30 बजे तक और रात 9 बजे सुरक्षा क्रॉसिंग से प्रवेश रोक दिया जाएगा।

अंतरिक्ष वैज्ञानिक चिटनिस का निधन

पुणे। प्रसिद्ध भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक एकनाथ वसंत चिटनिस का बुधवार को उनके आवास पर निधन हो गया। चिटनिस के परिवार के सदस्यों ने बताया कि 100 वर्ष पूरे कर चुके डॉ. चिटनिस पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और सुबह के समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. चिटनिस ने भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति के शुरुआती वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो बाद में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में परिवर्तित हुआ।

छात्रों को प्रवेश नहीं देने पर संस्थानों को चेताया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने संस्थानों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रमाणपत्र रखने वाले छात्रों को प्रवेश देने से इनकार करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि ऐसी योग्यताएं उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में प्रवेश के लिए पूरी तरह से मान्य हैं। तकनीकी शिक्षा नियामक ने कहा है कि इस तरह के कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों का उल्लंघन करते हैं और छात्रों के उच्च शिक्षा के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। एआईसीटीई ने कहा कि कुछ उच्च शिक्षा संस्थानों ने एनआईओएस के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को प्रवेश देने से इनकार कर दिया है।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे भारत और अमेरिका : मोदी

ट्रंप ने प्रधानमंत्री से फोन पर की बातचीत, दिवाली की दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और अमेरिका दोनों ही दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहेंगे और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे। ट्रंप की ओर से यह फोन ऐसे वक्त में किया गया है जब कुछ दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा है कि भारत, रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद भारत ने कहा था कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान पर चर्चा नहीं हुई। मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गई है। दोनों नेताओं के बीच फोन पर यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने और अन्य मुद्दों को लेकर अमेरिका-भारत संबंधों में तल्खी है। ट्रंप ने मंगलवार रात को व्हाइट हाउस में दिवाली समारोह का आयोजन किया जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए।

टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिकी संबंधों में है तनाव

ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव है। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अपारदर्शी और अविवेकपूर्ण बताया है। अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर ने दो सप्ताह पहले नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। बैठक के बाद गोर ने कहा था कि अमेरिका, भारत के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। गोर ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी से भी बातचीत की थी।

अंधकार पर विजय का प्रमाण है दीपावली : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का शाश्वत स्मरण है। यह अज्ञान पर ज्ञान की विजय है, और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। ट्रंप ने कार्यक्रम में आए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि यहां आने के लिए शुक्रिया! बहुत शुक्रिया! क्या शानदार संस्कृति है और क्या शानदार लोग हैं। उन्होंने भारतीयों को दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी और गंभीर लोगों का समूह बताया और कहा कि हम आपकी संस्कृति, आपकी भावना का जश्न मनाते हैं और हम भारत से मित्रता को और मज़बूत करते रहेंगे।

मेहुल चौकसी की भारत वापसी का रास्ता खुला

- बेल्जियम की अदालत में मुकदमा हारा

नई दिल्ली। बेल्जियम में एंटवर्प की एक अदालत ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चौकसी की अपील खारिज कर दी है और उसे भारत भेजने के फैसले को बरकरार रखा है।

हीरा कारोबारी चौकसी 13,000 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में एक प्रमुख आरोपी है। अदालत ने मामले पर गौर करने के बाद पाया कि उसके प्रत्यर्पण के लिए सभी कानूनी शर्तें पूरी होती हैं। अदालत ने 2018 और 2021 के भारतीय गिरफ्तारी वारंटों को लागू करने योग्य बताया। चौकसी ने अदालत से अपनी दलील में कहा था कि भारत में उसके जीवन और स्वतंत्रता को खतरा होगा।

उसने यह भी दावा किया कि उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी। अपनी खराब सेहत का भी हवाला दिया। लेकिन अदालत ने चौकसी की दलीलों को अपर्याप्त बताया और कहा कि वह भारत में किसी तरह के अमानवीय व्यवहार की आशंका या इंसाफ नहीं मिलने के वास्तविक जोखिम को साबित नहीं कर सका है।

धर्मांतरण हमारी राष्ट्रीय पहचान के लिए खतरा

नागपुर, एजेंसी

- संघ के दिवाली मिलन समारोह में बोले भैयाजी जोशी
- कहा-देश में धर्मांतरण पर लगाया जाए पूर्ण प्रतिबंध

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने बुधवार को धर्मांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसी प्रथाएं राष्ट्रीय और सांस्कृतिक पहचान के लिए गंभीर चुनौती हैं।

जोशी ने नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान अपने संबोधन में देश में धर्मांतरण की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण के मुद्दों पर भी बात की। इज़राइल का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत को अपनी आंतरिक और बाह्य अखंडता की रक्षा के लिए इसी तरह का दृढ़ रुख अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आंतरिक और बाह्य खतरों का सामना करने के लिए भारत को आत्मनिर्भर, मजबूत और सतर्क बनना होगा। आज दुनिया भारत की ओर आशा भरी नज़रों से देख रही है। हमारी संस्कृति वैश्विक स्तर पर भारतीयों के लिए गौरव का स्रोत है। देश की आजादी के बाद के कालखंड का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा राष्ट्रीय विकास बुनियादी ढांचे और अर्थशास्त्र से आगे तक फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि हम स्वतंत्र भारत में जन्म लेने के लिए भाग्यशाली हैं। इस स्वतंत्रता को बनाए रखना एक साझा ज़िम्मेदारी है। विकास में मानसिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास भी शामिल होना चाहिए। आरएसएस के पूर्व सरकार्यवाह ने इस दौरान राम जन्मभूमि अभियान और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने सहित प्रमुख संगठनात्मक निर्णयों और वैचारिक का जिक्र किया।

मीडिया मंचों की जवाबदेही का मसौदा पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीपफेक, कृत्रिम सामग्री के नुकसान से बचाने की तैयारी

कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाए गए डीपफेक और कृत्रिम सामग्री से होने वाले नुकसान से उपयोगकर्ताओं को बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियम, 2021 में संशोधन का मसौदा पेश किया है।

प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य 'एआई के जरिए कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री' (सिंथेटिक कंटेंट) की स्पष्ट पहचान करना और बड़े सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि जनरेटिव एआई टूल का इस्तेमाल बढ़ने से अब गलत जानकारी पेश करना और नकली वीडियो एवं ऑडियो क्लिप तैयार करना आसान हो गया है। ऐसी स्थिति में इन पर नियंत्रण पाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में कुछ बदलावों का मसौदा पेश किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में डीपफेक वीडियो के बहुप्रचारित होने की घटनाओं ने दिखाया है कि जनरेटिव एआई की मदद से ऐसे व्यक्ति के कथन या कृत्य दिखाए जा सकते हैं जो वास्तव में उनके नहीं थे। ऐसा होने से गलत सूचना फैल सकती है, प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है, चुनावों को प्रभावित किया जा सकता है या धोखाधड़ी भी हो सकती है। प्रस्तावित नियमों के तहत, 50 लाख या उससे अधिक उपयोगकर्ताओं वाले बड़े सोशल मीडिया मंचों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपलोड की गई सामग्री कृत्रिम तो नहीं है।

स्टिंग ऑपरेशन : 3 थानाध्यक्ष, 1 एसआई निलंबित

चित्रकूट कार्यालय

- एसपी ने तीन पुलिसकर्मियों को भी निलंबित किया

अमृत विचार : एक मीडिया ग्रुप के डिजिटल एप के पत्रकार के स्टिंग ऑपरेशन का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने तीन थानाध्यक्षों, एक एसआई और तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। जांच एएसपी सत्यपाल सिंह को सौंपी गई है।

पत्रकार ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में बालू आदि के ओवरलोड ट्रक निकलवाने के संबंध में स्टिंग ऑपरेशन किया था। आरोप है कि वाहन निकलवाने के एवज में ये पुलिसकर्मी घूस लेते थे। स्टिंग ऑपरेशन के बाद तीनों जिलों में ओवरलोड ट्रक निकालने की रेट लिस्ट भी जारी की गई। पुलिस अधीक्षक ने इसकी जांच कराई। एसपी ने बुधवार को सीओ सिटी अरविंद कुमार वर्मा और सीओ राजापुर राजकमल की प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर राजापुर थाना प्रभारी पंकज तिवारी, भरतकूप थाना प्रभारी मनोज चौधरी, पहाड़ी थाना प्रभारी अनुपमा तिवारी को निलंबित कर दिया। इनके अलावा भरतकूप के आरक्षी रणवीर सिंह, पहाड़ी के शुभम द्विवेदी, राजापुर के एसआई इमरान खां और आरक्षी अजय कुमार पर भी निलंबन की गाज गिरी है। एसपी ने बताया कि जांच अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह को सौंपी गई है। विभागीय और अनुशासनात्मक कार्रवाई भी जारी है।

बांदा, कौशांबी में भी थानाध्यक्ष और आरक्षी निलंबित

चित्रकूट। सीमावर्ती बांदा और कौशांबी जिले में भी स्टिंग ऑपरेशन किया गया। बांदा में भी एसपी ने थानाध्यक्ष बदौसा कुलदीप कुमार तिवारी और आरक्षी अनुराग यादव को निलंबित किया है। मामले की जांच सहायक पुलिस अधीक्षक को सौंपी गई है। इसके अलावा कौशांबी जिले के महेवाघाट थाने का भी स्टिंग किया गया है। कौशांबी एसपी ने थानाध्यक्ष महेवा घाट प्रभुनाथ सिंह और आरक्षी शिवम सिंह परिहार को निलंबित कर दिया है।

बैंकों के गिरवी अधिकार को नहीं रोक सकते एससी/एसटी कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

- भूमि से संबंधित एक मामले की सुनवाई में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय के लोगों की भूमि पर गलत कब्जे या बेदखली से संबंधित एससी/एसटी अधिनियम के प्रावधानों का इस्तेमाल किसी बैंक को उसके वैध गिरवी अधिकारों का इस्तेमाल करने से रोकने के लिए नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने एक्सिस बैंक, उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर रोक लगाते हुए प्रथम दृष्टया यह टिप्पणी की। न्यायाधीश ने 16 अक्टूबर के आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया, वर्तमान मामले के तथ्यों के संदर्भ में, एससी-एसटी अत्याचार रोकथाम अधिनियम की धारा 3(1)(एफ) और (जी) लागू नहीं होती, क्योंकि याचिकाकर्ता के गिरवी अधिकार के प्रयोग को रोकने के लिए इनका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

आयोग ने एक्सिस बैंक के एमडी और सीईओ को उपस्थित होने का आदेश दिया था, क्योंकि एक व्यक्ति ने एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(एफ) और (जी) के तहत उल्लंघन का आरोप लगाया था।

देशव्यापी धोखाधड़ी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

- ऑनलाइन सफारी बुकिंग

अहमदाबाद। गुजरात सीआईडी ने देश के कई राज्यों में थोक बुकिंग के माध्यम से जंगल सफारी परमिट की कृत्रिम कमी पैदा करने और फिर इस परमिट को 'काला बाजार' में ऊंचे दामों पर बेचने का गिरोह चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया गया कि मामले की जांच के बाद अजयकुमार चौधरी व अरविंद उपाध्याय नाम के दो लोगों को दिल्ली से गिरफ्तार किया। दोनों ने गिर जंगल सफारी, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभयारण्य, उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट उद्यान, असम के काजीरंगा और मप्र के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के ऑनलाइन परमिट की भारी बुकिंग की थी।

बड़ी उपलब्धि | संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने जारी की रिपोर्ट, वार्षिक वनक्षेत्र वृद्धि में तीसरा स्थान भी बरकरार रखा

वन क्षेत्र के मामले में विश्व में नौवें स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर पहुंच गया है और वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि में अपना तीसरा स्थान भी बरकरार रखा है।

पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के बड़े पैमाने पर वनरोपण और आम लोगो की अगुवाई में हुए वन संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत का 10वें स्थान से नौवें स्थान पर पहुंचना सतत वन प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण के मामले में एक बड़ी उपलब्धि है। मंत्री ने कहा कि विशेष रूप से एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण अभियानों में बढ़ती जन भागीदारी और बड़े पैमाने पर राज्य सरकारों के अभियानों ने इस प्रगति में योगदान दिया है।

यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि यह सभी भारतीयों के लिए बहुत खुशी की बात है। हमने वैश्विक स्तर पर वन क्षेत्र के मामले में नौवां स्थान प्राप्त किया है जबकि पिछली बार हम 10वें स्थान पर थे। वार्षिक वृद्धि के मामले में भी हमने वैश्विक स्तर पर अपना तीसरा स्थान बनाए रखा है। एफएओ ने बाली में वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (जीएफआरए) 2025 शुरू किया है। एफएओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 4.14 अरब हेक्टेयर है, जो पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि पर है। मूल्यांकन से पता चला है कि एशिया एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां 1990 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें चीन और भारत का योगदान सबसे अधिक है। एफएओ ने कहा कि एशिया में वन क्षेत्र विस्तार ने वैश्विक वनों की कटाई को धीमा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जबकि दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में वनों की सबसे अधिक कटाई हुई है।

आधे से अधिक वनक्षेत्र सिर्फ पांच देशों में

रिपोर्ट के अनुसार आधे से अधिक वन क्षेत्र (54 प्रतिशत) सिर्फ पांच देशों – रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। ऑस्ट्रेलिया, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन–समृद्ध देशों में शामिल है। चीन में 2015 से 2025 के बीच वन क्षेत्र में सबसे अधिक वार्षिक शुद्ध वृद्धि 1.69 मिलियन हेक्टेयर प्रति वर्ष दर्ज की गई, उसके बाद रूसी संघ 9,42,000 हेक्टेयर और भारत 1,91,000 हेक्टेयर के साथ दूसरे स्थान पर है। महत्वपूर्ण वन विस्तार वाले अन्य देशों में तुर्किये (1,18,000 हे.), ऑस्ट्रेलिया (1,05,000 हे.), फ्रांस (95,900 हे.), इंडोनेशिया (94,100 हे.), दक्षिण अफ्रीका (87,600 हे.), कनाडा (82,500 हे.) और वियतनाम (72,800 हे.) शामिल हैं।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

लखनऊ में दीपावली मनाते लोग।

ब्रह्मोस मिसाइल के इंजीनियर की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के आलमबाग क्षेत्र में स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में कार्यरत ब्रह्मोस मिसाइल के सिस्टम इंजीनियर की मृत्यु हो गई। उनकी पहचान आकाशदीप गुप्ता (30) के रूप में हुई है। घटना मंगलवार रात की है। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें परिजन तत्काल लोकबंधु अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची आलमबाग पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जहां प्रथमदृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया। स्थानीय थाना इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने भी यही प्रतिक्रिया दी है। वहीं, सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने विसरा सुरक्षित रखने की जानकारी दी है।

रेजीडेंसी में लाइट एंड साउंड शो की शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लखनऊ रेजीडेंसी परिसर में लाइट एंड साउंड शो की शुरुआत की गई है। शुरुआती दिनों में लोग शो का नि:शुल्क आनंद ले सकेंगे। इससे लखनऊ की धरोहर, पारंपरिक खानपान, स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई भूमिका, वीर क्रांतिकारियों के साहस तथा शहर से जुड़े विविध ऐतिहासिक प्रसंगों से दर्शक रूबरू होंगे। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से दर्शक रेजीडेंसी के इतिहास से परिचित होंगे, उस दौर की संघर्ष गाथा और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान साहसिक घटनाओं का भी अनुभव कर सकेंगे। यह शो रोजाना शाम को आयोजित किया जा रहा है।

भैया दूज व चित्रगुप्त जयंती की दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : चित्रगुप्त जयंती एवं भाई दूज के अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि चित्रगुप्त जयंती का यह पावन पर्व ज्ञान, बुद्धि और कर्म के संतुलन का प्रतीक है। इस दिन पूजा कर हम संकल्प लें कि अपने कर्मों से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाई दूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और एकता का प्रतीक है। यह त्यौहार हमारे परिवार और समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता का संदेश देता है। कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लेकर आए। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इन पावन पर्वों को आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएं तथा प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान दें।

दीपावली पर बिजली की खपत का बना नया रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक ही दिन में सर्वाधिक 149 मिलियन यूनिट की खपत दर्ज

अमृत विचार : दीपावली पर प्रदेश ने बिजली खपत का अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड बना दिया। राज्य में रविवार की रात कुल 149 मिलियन यूनिट (1.49 करोड़ यूनिट) बिजली की आपूर्ति की गई, जो ऊर्जा खपत के नए शिखर को दर्शाती है। यह पहली बार है, जब प्रदेश में एक ही दिन इतनी अधिक बिजली की खपत दर्ज की गई।

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दीपावली की जगमगाहट ने बिजली की मांग को चरम पर पहुंचा दिया। इस दौरान राज्य में बिजली आपूर्ति की अधिकतम मांग 31,230 मेगावॉट तक पहुंची, जिसे ऊर्जा निगमों ने बिना किसी बड़े व्यवधान के पूरा किया।

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर और नोएडा जैसे बड़े शहरों में बिजली खपत में सर्वाधिक उछाल दर्ज किया गया।

शिकायतों का तय समय में निस्तारण करें : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान योगी ने समस्याओं के प्रभावी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी फरियाद का तय समय में निस्तारण करें। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में लगभग 250 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। फरियादी अवैध कब्जा से लेकर पीएम आवास की समस्याएं लेकर पहुंचे थे।

यूपी ने पंजाब भेजे गेहूं के एक हजार क्विंटल बीज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए भेजे जा रहे गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कृषि विभाग और उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की ओर से ढाई हजार बोरे यानी 1000 क्विंटल गेहूं का बीज पंजाब भेजा जा रहा है। ये बीज बीबी-327 प्रजाति का है। जिसे करण शिवानी के नाम से भी जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, बायो-फोर्टीफाइड और पोषणयुक्त प्रजाति है, जो केवल 155 दिनों में तैयार होती है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी पीड़ित को जोड़कर उसकी सहायता के लिए खड़े हों। इसी भावना के साथ सरकार पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है। आपदा का सामना पंजाब के किसान अकेले नहीं करेंगे। इस मौके पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ित पंजाब के किसानों के लिए लखनऊ से गेहूं बीज सहायता वाहनों को हरी झंडी दिखाते मुख्यमंत्री योगी।

कर्तव्यनिष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म

मुख्यमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस पर किया शहीदों के शौर्य को सलाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर वीरों के शौर्य को नमन करते लोगों को संबोधित हुए कहा कि कर्तव्य के प्रति निष्ठा ही सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। कहा कि यह केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि उन आदर्शों को याद करने का क्षण है, जिन्होंने वर्दी की मर्यादा और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। शहीद स्मारक उनकी अमर गाथा का साक्षी है और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी।

सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन परिसर उस समय देशभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस 2025 पर उत्तर प्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर तीन वीर सपूतों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से भेंट कर उन्हें सम्मानित किया और कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हर कदम उठा रही है।

इस दौरान शोक शस्त्र और सलामी शस्त्र की कार्यवाही पर पूरा परिसर देशभक्ति के स्वर से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी, सबसे अनुशासित और सबसे सक्षम फोर्स है। यह हमारे सुरक्षा, विश्वास और व्यवस्था की रीढ़ है।

लखनऊ में शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में महापौर व पुलिस अधिकारी।

अदम्य साहस और बलिदान के प्रतीक बने तीन वीर पुलिसकर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच कर्तव्य पालन के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूत निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह और आरक्षी सौरभ कुमार ने अपने प्राणों की आहुति देकर पुलिस बल का मस्तक ऊंचा किया।

- निरीक्षक सुनील कुमार (एसटीएफ) : 20 जनवरी 2025 को एक लाख के इनामी अपराधी की तलाश में ऑपरेशन के दौरान गोलियों की बौछार झेलते हुए वीरता से मोर्चा संभाला। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी साथियों का नेतृत्व किया और 22 जनवरी को वीरगति प्राप्त की।

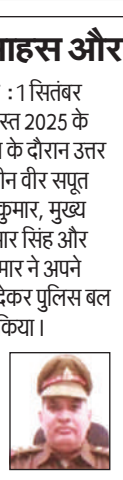

- मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) : 17 मई 2025 को गो-तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन से कुचले जाने पर शहीद हुए। दुर्गेश ने अपने कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देकर जौनपुर पुलिस का गौरव बढ़ाया।

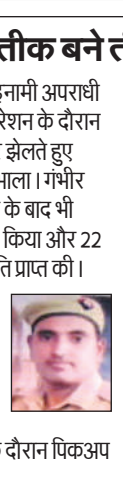

- आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्धनगर) : 25 मई 2025 को वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के दौरान भीड़ और फायरिंग के बीच साहसपूर्वक डटे रहे। सिर में गोली लगने के बावजूद अंतिम सांस तक कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए।

शिक्षकों और कर्मचारियों की संबद्धता खत्म, मूल तैनाती स्थल पर होंगे वापस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 दिनों के भीतर आख्या प्रस्तुत करने का आदेश

अमृत विचार : प्रदेश के बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत ऐसे शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी जो अपने मूल तैनाती स्थल से इतर, अन्यंत्र कार्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं, उनकी संबद्धता खत्म होगी और उन्हें पुनः मूल तैनाती स्थल पर कार्य करना होगा। ऐसा बदलाव 10 दिनों के अंदर होगा, यह निर्देश अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) पार्थ सारथी सेन शर्मा ने जारी किये हैं।

अपर मुख्य सचिव द्वारा मंगलवार को महानिदेशक स्कूल शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा विभाग के सचिव और निदेशक माध्यमिक शिक्षा को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि गैर-मूल तैनाती पर कार्यरत सभी शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की संबद्धता तत्काल निरस्त की जाए। उन्हें तत्काल उनके मूल तैनाती स्थल पर वापस भेजा जाए। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि भविष्य में शासन की अनुमति के बिना किसी भी कर्मचारी की अन्यत्र तैनाती नहीं की जाएगी। साथ ही उक्त आदेश को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा को निर्देशित किया कि उक्त आदेश का अनुपालन कराते हुए 10 दिनों के भीतर आख्या प्रस्तुत करें।

शिक्षक नेता विधान परिषद उप्र., ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने इस संबंध में बताया है कि जिन राजकीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां आसपास के राजकीय विद्यालय व एडेड विद्यालय के शिक्षक संबद्ध हैं। जिनकी संख्या अधिक नहीं है। मगर विद्यालयों के तमाम कर्मचारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय या अन्यंत्र तैनात हैं, वापस आएंगे। इस आदेश से शिक्षा व्यवस्था पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रयागराज में दलित की हत्या पर बसपा ने सरकार को घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में मुंडेरा चुंगी के पास दो पक्षों में विवाद के बाद एक दलित व्यक्ति की हत्या को लेकर बसपा ने योगी सरकार समेत अन्य राज्यों की सरकारों को घेरा है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों में भी होने वाली ऐसी अमानवीय घटनाएं अति-निन्दनीय व चिन्तनीय हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि ऐसे बेलगाम हो रहे आपराधिक, अराजक व सामंती तत्वों के खिलाफ उप्र. तथा अन्य राज्यों की सरकारें सख्त कार्रवाई कर अपने-अपने राज्यों में कानून के राज को जरूर स्थापित करें,ताकि इस प्रकार की शर्मनाक व हिंसक घटनाओं की बढ़ती प्रवृति पर रोक लग सके।

मथुरा में ब्रज रज उत्सव 26 से तैयारियों का लिया जायजा

अमृत विचार, लखनऊ : दीपावली के पांच दिवसीय उल्लास के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा एक बार फिर सांस्कृतिक रंगों में रंगने जा रही है। 26 अक्टूबर से ब्रज रज उत्सव की शुरुआत होने जा रही है। उत्सव को भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

बुधवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्याम बहादुर सिंह ने अधिकारियों के साथ धौली प्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड पर तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव अरविंद कुमार द्विवेदी के साथ पंडाल निर्माण की तकनीकी बारीकियों का जायजा लिया और निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों को निर्देश दिए। उन्होंने मंच निर्माण में कुछ सुधार करने, झूलों को सुदृढ़ रूप से लगाने तथा पेड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इंडिया गठबंधन से कार्यक्रम तय होने का हो रहा इंतजार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिहार में ओबीसी, यादव और मुस्लिम गठजोड़ को मजबूत करेंगे अखिलेश यादव

अमृत विचार : बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के परिणामों को उत्तर प्रदेश में 2027 को होने वाले चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है। यही वजह है कि पीडीए मतदाताओं को एकजुट करने वाले अखिलेश यादव के बिहार जाना चाहते हैं, उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके पहुंचने से ओबीसी, यादव और मुस्लिम गठजोड़ को ऊर्जा मिलेगी, नतीजे प्रभावित हो सकते हैं। मगर, अभी तक बिहार में उनका कार्यक्रम तय नहीं है।

बिहार चुनाव को लेकर सपा प्रमुख उप्र. में लगातार बयान दे रहे हैं। उन्होंने हिन्दुत्व की अलख जगाने बिहार जा रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की धार को कम करने के लिए तैयारी भी कर ली है। बिना नाम लिए बोल चुके हैं कि वह स्टार प्रचारक नहीं, विभाजक बनकर बिहार जा रहे हैं। साथ ही बोले कि बिहार से कार्यक्रम तय होने पर प्रचार के लिए पहुंचेंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि अखिलेश यादव की सभाओं से बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और सपा गठबंधन को मजबूती मिलेगी। इसके पहले वह सितंबर में संपन्न वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हो चुके हैं।

छठ पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के ऊर्जा मंत्री ने दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार दीपावली बाद छठ पर्व पर व्यवस्थाओं को और दुरुस्त करेगी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने छठ पर्व की तैयारियों के मद्देनजर अपने कैंप कार्यालय पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। इस दौरान एके शर्मा ने छठ पर्व सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर लेने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां इस कदर हों कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था, फॉगिंग, कीटाणुनाशक दवा के छिड़काव, घाटों का समतलीकरण तथा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नगर के प्रमुख मार्गों एवं घाटों तक जाने वाले रास्तों की मरम्मत एवं गड्ढामुक्ति तत्काल पूरी की जाए।

विशेषज्ञ डॉक्टर बनने को एमडी और एमएस की 230 सीटें बढ़ीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में परास्नातक सीटें (एमडी-एमएस) की 230 नई सीटें बढ़ी हैं, इनमें सबसे ज्यादा संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में 31 और सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में 30 पीजी सीटों को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने मंजूरी दी है। कुल बढ़ी सीटों में 189 एमडी और 41 एमएस की हैं। सीटें बढ़ने से न केवल एमबीबीएस छात्रों के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टर अधिक बनने लगेंगे।

प्रदेश में बढ़ने वाली पीजी सीटों में एसजीपीजीआई लखनऊ में इमरजेंसी मेडिसिन, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, इम्यूनो हीमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन, माइक्रोबायोलॉजी, एनेस्थीसियोलॉजी की चार-चार एमडी, आथ्रलमोलॉजी व हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में दो-दो और में आर्थोपैडिक की तीन एमएस सीटें बढ़ी हैं। नोएडा स्थित सुपर स्पेशलिटी पीडियाट्रिक अस्पताल में मानक के निरीक्षण के बाद कुल नौ सीटें बढ़ाई गयी हैं।

इसी प्रकार केजीएमयू में स्पोर्ट्स मेडिसिन, डर्मेटोलाजी, एनेस्थीसियार, पैथोलॉजी, रेडियोथेरेपी में चार-चार सीटें (कुल 20 सीटें) बढ़ी हैं। लखनऊ के लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में केवल एनेस्थीसिया की चार सीटें बढ़ी हैं। जिम्स नोएडा में आथ्रलमोलॉजी की दो सीटें बढ़ी हैं। इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सिद्धार्थनगर, फतेहपुर, हरदोई और मीरजापुर में छह-छह सीटें बढ़ाई गई हैं। बांदा में चार, बस्ती में 10 और फिरोजाबाद में विभिन्न विषयों में 24 एमडी सीटें बढ़ी हैं। इसके अलावा मेरठ के एलएलआर मेडिकल कॉलेज में रेस्पिरेटरी मेडिसिन की दो सीटें बढ़ी हैं। अंबेडकर नगर में 20 सीटें बढ़ाई गई हैं, वहीं झांसी, प्रयागराज, बहराइच, आगरा और जौनपुर में भी विभिन्न विषयों में सीटें बढ़ाई गई हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पीजी सीटें बढ़ने से विशेषज्ञ बनने के लिए अवसर बढ़े हैं, जिससे प्रदेश के मेडिकल छात्रों को बेहतर विकल्प मिलेंगे और राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या भी बढ़ेगी।

महादेवी और संपूर्णानंद पर छात्र करेंगे शास्त्रार्थ

अमृत विचार, लखनऊ : माध्यमिक शिक्षा परिषद ने हिंदी साहित्य पर प्रतिवर्ष आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता की तिथियां घोषित कर दी हैं। इस बार मंडलीय प्रतियोगिता लखनऊ में और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अयोध्या में आयोजित होगी। महादेवी वर्मा प्रतियोगिता का विषय वर्तमान जीवन प्रणाली और पनपते अवसाद है, जबकि डॉ. संपूर्णानंद प्रतियोगिता का विषय "नारी सशक्तिकरणः भ्रम या यथार्थ" तय किया गया है। मंडलीय स्तर पर डॉ. संपूर्णानंद प्रतियोगिता 15 नवंबर और महादेवी वर्मा प्रतियोगिता 20 नवंबर को आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय डॉ. संपूर्णानंद प्रतियोगिता 5 दिसंबर को कानपुर और महादेवी वर्मा प्रतियोगिता 10 दिसंबर को अयोध्या में होगी। प्रतियोगिता में कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थी महादेवी वर्मा और कक्षा 11-12 के छात्र-छात्राएं डॉ. संपूर्णानंद प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

तैयारी

उप्र. सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में उठाया एक और कदम

पांच महानगरों में खुलेंगे इन्वेस्ट यूपी के सैटेलाइट ऑफिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में खुलेंगे इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस
- कुल 12 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान

अमृत विचार : उप्र. सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में एक और कदम उठाया है। देश के पांच प्रमुख महानगरों- मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में इन्वेस्ट यूपी के सैटेलाइट इन्वेस्टमेंट प्रमोशन ऑफिस खोले जाने की तैयारी है। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है।

हर ऑफिस की होगी अलग कार्य विशेषता

सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। उदाहरण के तौर पर मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक और ईएसजी फंड पर ध्यान देगा। बेंगलुरु ऑफिस जीसीसी, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर, ईवी और डीपटेक सेक्टर पर फोकस करेगा। हैदराबाद ऑफिस फार्मा, डेटा सेंटर, हेल्थटेक और एंटरप्राइज सास (Software-as-a-Service) उद्योगों पर केंद्रित रहेगा। वहीं, चेन्नई ऑफिस ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और हार्डवेयर निर्माण उद्योगों में निवेश आकर्षित करेगा, जबकि नई दिल्ली ऑफिस समर्पित इन्वेस्ट यूपी एवं एशिया-यूरोपीय संघ सुविधा कार्यालय के रूप में कार्य करेगा।

यूपी को निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बनाने को सेतु बनेंगे ऑफिस : राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार का यह कदम निवेशकों से नजदीकी संवाद बढ़ाने और राज्य की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की छवि को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि उत्तर प्रदेश अब केवल उपभोक्ता राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों का पसंदीदा गंतव्य बन चुका है। सैटेलाइट ऑफिस इस दिशा में सेतु का काम करेंगे। इन सैटेलाइट ऑफिसों के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश के शीर्ष औद्योगिक केंद्रों में अपनी स्थायी मौजूदगी दर्ज करेगा और वैश्विक निवेश मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा।

लखनऊ में जमघट पर पतंगबाजी के दौरान पेंच लड़ाते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, साथ में अन्य।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्मी-गणेश पूजा का क्रम देर रात तक चला

रसूलाबाद। 14 वर्ष के वनवास के उपरांत भगवान राम के अयोध्या लौटने पर मनाया जाने वाला दीपोत्सव पर्व रसूलाबाद कस्बे व तहसील क्षेत्र के लगभग दो सैकड़ा ग्रामों में धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने पूजन का समय 7 .10 होते ही नहा धोकर स्वच्छ कपड़े पहन कर मां लक्ष्मी गणेश व कुबेर जी का पूजन किया। इसके साथ ही विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं दुकानों में गणेश लक्ष्मी के साथ-साथ बही आदि का भी पूजन किया गया। दीपावली महोत्सव पर लोगों ने बाजार से पंच मिठाइयां खरीदी और घर में लक्ष्मी गणेश का विधिवत पूजन कर उन्हें मिष्ठान व खीर का भोग लगाया ।पूजन के उपरांत लोगों ने घरों को दीपों से सुसज्जित किया और इसके बाद बच्चों ने पटाखे आदि दाग कर हर्ष मनाया। इस अवसर पर आतिशबाजी के दुकानदारों ने भी मनमाने पैसे वसूले और बच्चों ने उत्साह पूर्वक पटाखे दागे। दुकानों पर सायं कालीन बेला में ही गणेश लक्ष्मी व बही बसने का पूजन किया गया।

ट्राली की चपेट में आकर तीन घायल

रसूलाबाद। कछवाहेन निवादा से रसूलाबाद आ रहे एक बाइक पर सवार तीन युवक रसूलाबाद बिसधन तिराहे पर सड़क के किनारे ईंटों से भरी ट्राली से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाया गया है जहां तीनों की गंभीर दशा के चलते डॉक्टर ने उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया है। गांव के पंकज पाल 22 पुत्र विश्वनाथ, आकाश 24 पुत्र प्रताप पाल अपने साथी बृजेश 20 पुत्र सेवाराम हाल मुकाम अलीगढ़ मूल निवासी बोखरा ठेका गाजियाबाद एक बाइक से सवार होकर रसूलाबाद आ रहे थे। बिसधन तिराहे पर सड़क के किनारे बिक्री के लिए ईंटा भरी खड़ी ट्रालियों में एक ट्राली से टकरा गए। इससे तीनों ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी रसूलाबाद निजी वाहन से ले जाया गया। डॉक्टर एन चंद्रा ने उनकी गंभीर दशा के चलते उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया है।

करंट लगने से युवक झुलसा,हालत गंभीर

रसूलाबाद। बिरिया गढ़ेवा निवासी सोनू 28 वर्ष पुत्र भजन लाल घर के विद्युत उपकरण में प्लग लगाते समय विद्युत करंट की चपेट में आकर झुलस गए। उन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाया गया है जहां उनकी गंभीर दशा के चलते उन्हें डॉक्टर सौरभ शाक्य ने हैलट कानपुर रेफर किया है। अब उनकी हालत ठीक है और वह घर लौट आए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध हुआ गायब

राजपुर : राजपुर थाना क्षेत्र के देवनपुर गांव से 68 वर्षीय वृद्ध संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गए। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चल सका। नाती ने थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। देवनपुर गांव निवासी आदर्श अवस्थी ने बताया कि उसके बाबा रामबाबू अवस्थी उम्र लगभग 68 सोमवार सुबह 5 बजे घर से कहीं बिन बताए चले गए। आस पास के गांव में काफी खोजबीन की रिश्तेदारी में पता किया लेकिन कोई पता नहीं चल सका। इससे परिवार के लोग काफी परेशान हैं। मंगलवार को नाती आदर्श अवस्थी ने थाने पहुंचकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। उन्होंने ने बताया कि बाबा सिक्योरिटी गार्ड की काही कलर की शर्ट व नीला लोवर पहने हुए है। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। वृद्ध की तलाश की जा रही है।

गौरव की हत्या के बाद बिलख पड़ीं महिलाएं। अमृत विचार

एसपी ने दी सांत्वना। अमृत विचार

करंट की चपेट में आने से एलआईसी एजेंट की मौत

संवाददाता, रसूलाबाद

- रसूलाबाद के मक्का निवादा गांव की घटना, पुलिस कर रही जांच
- गांव में अकेले रहते थे साहब सिंह बेटे दूसरे शहरों में आवासित

अमृत विचारः मक्का निवादा गांव में मंगलवार की सुबह घर से बाइक निकलते समय बिजली टूटे की चपेट में आने पर एलआईसी एजेंट की मौत हो गई। पारिवारिक पौत्र ने गेट के पास पड़े देखा तब डंडे की सहायता से तार हटाकर उन्हें अलग किया। मृतक अपने घर में अकेले रहते थे। उनका एक बेटा एयर फोर्स चंडीगढ़ में एवं दूसरा बेटा सपरिवार कानपुर में रहता है। पत्नी का लगभग 3 वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। घटना की सूचना उनके पुत्रों को दी गई है। पुलिस को अभी सूचना नहीं दी गई है। उनके चंडीगढ़ में एयरफोर्स में कार्यरत पुत्र के आने पर ही जानकारी दिए जाने की चर्चा है।

मक्का निवादा निवासी एलआईसी अभिकर्ता साहब सिंह (65) पुत्र स्वर्गीय भंवर सिंह अपने घर में अकेले रहते थे । उनकी पत्नी उर्मिला का 3 वर्ष पूर्व बीमारी से निधन हो चुका है जबकि पुत्र रोहित कानपुर में सपरिवार रहता है और दूसरा पुत्र मोहित एयरफोर्स चंडीगढ़ में कार्यरत है। मंगलवार सुबह वे अपनी बाइक घर से निकाल रहे थे। इसी दौरान गेट खोलने में बिजली का कोई तार गेट खोलने से टूट गया और वे तार के करंट की चपेट में आकर वहीं गिर पड़े उनके बाएं हाथ

साहब सिंह का फाइल फोटो।

में तार चिपका मिला है।

सुबह उनके पारिवारिक नाती चतुरी पुत्र राम सिंह ने उन्हें गेट के पास पड़े देखा और तार से चिपके होने से उसे किसी प्रकार तार हटाकर उन्हें अलग किया। इसकी सूचना उनके पुत्रों को दी गई है। एलआईसी में कार्यरत के दौरान उनके अच्छे कार्य के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया था। सभी लोग उनके चंडीगढ़ एयरफोर्स में कार्यरत पुत्र के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनकी असामायिक मौत पर उनके पुत्र रोहित, मोहित, विवाहित पुत्रिया संगीता ,रंजू व किन्नू का रो रो कर बुरा हाल है।

ननिहाल में रह रहे युवक की गोली मारकर हत्या

दीपावली की शाम से गायब था शिब्बू, हत्यारों ने मारीं चार गोलियां ,गांव शेरपुर तरौंदा की घटना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- घटना के खुलासे को गठित की गई तीन टीमें
- सीओ ने कहा, जल्द होगी हत्यारों की गिरफ्तारी

अमृत विचारः जनपद के गजनेर थाना क्षेत्र में दीपावली की रात युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। उसे चार गोलियां मारी गई। उसका शव शेरपुर तरौंदा मोड़ पर फेक दिया गया। मंगलवार की सुबह इलाकाई लोग उधर से गुजरे तो शव देख हल्ला मचा दिया। इसके बाद मजमा लग गया। पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लिया। घटना को लेकर इलाके में दहशत नजर आई।

मृतक गौरव अवस्थी उर्फ शिब्बू

गौरव उर्फ शिब्बू का फाइल फोटो।

24 वर्ष थाना नौबस्ता के गांव न्यूरी का रहने वाला था। यहां शेरपुर तरौंदा गांव में उसका ननिहाल था। नाना शिव कुमार तिवारी व नानी मुन्नी देवी की सेवा-सुश्रुवा के लिए करीब 15 वर्षों से यहां रह रहा था। पास स्थित एक फैक्ट्री में वह कार्यरत था। बताया गया कि शिब्बू काफी मिलनसार था। बीती शाम घर से निकलने के बाद उसके बारे में कोई जानकारी नहीं लगी। त्योहार में किसी के घर गया होगा, यह सोच कर ननिहाल के लोगों ने बहुत अधिक चिंता नहीं की। मंगलवार की सुबह तरौंदा मोड़ के पास उसका शव मिला। सिर जमीन की तरफ औंधा था। शरीर पर गोलियों के चार निशान दिख रहे थे। मौके पर बहुत अधिक खून नहीं मिला। इससे आशंका है कि उसे मारा दूसरी जगह गया और शव यहां फेक दिया गया।

शिब्बू की इस तरह हत्या के बारे में जानकारी लगी तो कई गांवों के लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना पर थाना पुलिस पहुंची। इसके बाद एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय भी आ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। सड़क के पास से कारतूस के दो खोखे मिले हैं। मौके पर आई फारेंसिक टीम ने सैंपल कलेक्ट किए। घटना के बाद शिब्बू के परिवारी जनों में कोहराम मच गया। महिलाओं का रोकर बुरा हाल हो गया। एसपी ने महिलाओं को सांत्वना प्रदान की। गांव के लोगों ने दबी जुबान से शिब्बू की कुछ युवकों से रंजिश होने की बात कही है। सीओ सदर ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए टीमें गठित की गई हैं।

अधेड़ ने फांसी लगाकर दी जान, मचा कोहराम

संवाददाता, पुखरायां

- हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस, तीन घंटे में फंदे से उतारा जा सका शव

अमृत विचारः भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के देवीपुर गांव में अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों द्वारा हंगामा किए जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया। परिजनों से जांच के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

देवीपुर गांव के रमेश ने बताया कि भतीजे दीप सिंह पुत्र रामचन्द्र 37 वर्ष ने मंगलवार सुबह घर के पास एक बल्ली से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की। मृतक के ताऊ रमेश ने बताया कि मृतक की भाभी ममता पत्नी अजय कुमार ने सोमवार शाम को मृतक दीप सिंह और मिलन पुत्र रामचन्द्र के खिलाफ अभद्रता करने का आरोप लगाकर देवीपुर पुलिस को शिकायत की थी। पुलिस ने दीप सिंह और मिलन सहित रामचन्द्र तीनों को देवीपुर पुलिस चौकी लाकर को समझा बुझाकर त्यौहार करने की हिदायत देकर छोड़ दिया था। ताऊ ने आरोप लगाया कि पुलिस के उत्पीड़न से मंगलवार सुबह दीप सिंह ने घर के पास फांसी लगाकर आत्म हत्या की है। इसे लेकर परिजनों ने हंगामा किया।

शव को फंदे से तीन घंटे के बाद उतारा गया। वहीं सूचना मिलने पर सीओ संजय कुमार सिंह सहित कोतवाल अमरेन्द्र बहादुर सिंह और देवीपुर से अभिषेक सिंह चौहान और दरोगा अवधेश पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। फिर लोगो को समझा बुझाकर मामला शांत कराया गया। शव को फंदे से उतार कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

हादसों में बाइक व ई रिक्शा सवार तीन लोग हुए घायल

रसूलाबादः बुधवार की शाम करीब 6 बजे सिंहपुर मोड़ पर गाय को बचाने में हादसा हो गया। अचानक गाय के बीच में आ जाने से मोटर साइकिल बेकाबू हो पलट गई। एक अन्य हादसे में ई रिक्शा भी पलटा। इससे तीन घायल हो गए।

बिरहुन निवासी बाइक सवार गजराज (30 वर्ष) पुत्र कमलेश निवासी अपनी रिश्तेदारी भरथू से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। मिंडा कुआं-रूरा मार्ग पर सिंहपुर मोड़ के समीप गाय को बचाने में उनकी बाइक फिसल गई, जिससे वे घायल हो गए। मझपटिया निवासी सुनील (45 वर्ष) पुत्र राजाराम निवासी अपने गांव ई-रिक्शा से जा रहे थे। ई-रिक्शा में राम श्री(45 वर्ष) पत्नी पृथ्वीराज निवासी बहादुरपुर सवार थीं, जो भैया दूज पर्व पर अपने मायके अपौना जा रही थीं। गाय को बचाने में चालक ने अचानक ई-रिक्शा मोड़ा , जिससे वह पलट गया और दोनों घायल हो गए।

अंगदपुर बस स्टॉप पर स्थित परचून की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग।

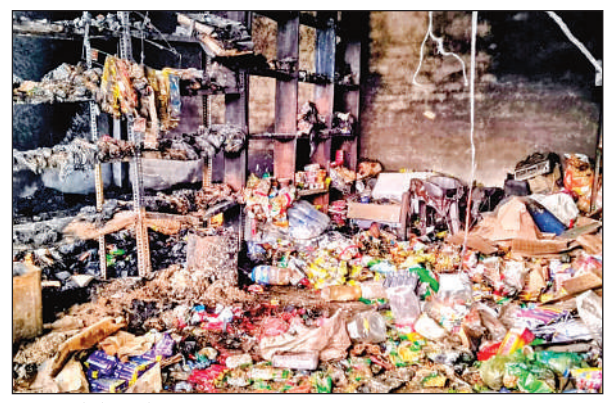

आग लगने के चलते जला सामान। अमृत विचार

शॉर्ट सर्किट से दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

संवाददाता, रसूलाबाद

- बस स्टॉप पर स्थित परचून की दुकान में हुई घटना
- एंबुलेंस चालक के जरिए दुकानदार को मिली जानकारी

अमृत विचार। अंगदपुर बस स्टॉप स्थित एक परचून की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पाकर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया। अग्निकांड की सूचना दुकान मालिक ने लेखपाल व पुलिस को दी है।

रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत अंगदपुर बस स्टॉप स्थित राजू राठौर पुत्र गेंदालाल की दुकान में मंगलवार की रात शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने के कारण करीब 6 से 7 लाख की कीमत सामान जलकर राख हो गया। आकस्मिक सेवा के लिए वहां पर ठहरने वाली एम्बुलेंस के ड्राइवर ने दुकान से करीब 20 मीटर की दूरी पर बने मकान के विश्वनाथ सिंह यादव को इसकी सूचना दी। तब उन्होंने जाकर दुकान मालिक को आग लगने की सूचना बताई ।

मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद शटर तोड़कर दुकानों में लगी आग को बुझाया । तब तक दुकान में रखा सारा माल जलकर राख हो चुका था। घटना की सूचना दुकान मालिक ने यूपी 112 डायल पर और नजदीकी पुलिस चौकी कहिंजरी में दी। दुकान में आग लगने की जानकारी मिलने पर हल्का लेखपाल मुस्तफा मौके पर पहुंचे उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना उन्हें प्राप्त हुई थी वह मौके पर पहुंचे थे। रिपोर्ट बनाकर तैयार कर ली है । दो दिन की छुट्टी होने के कारण शुक्रवार को शासन स्तर पर रिपोर्ट भेज दी जाएगी। ग्रामीणों ने बताया आकस्मिक हुई घटना के कारण दुकानदार राजू की तबीयत बिगड़ गई है।

कार की टक्कर से पति-पत्नी घायल, हालत गंभीर

संवाददाता, मुगीसापुर

- मुगीसापुर पुल के ऊपर हुआ हादसा
- पत्नी को कानपुर और पति को इलाज के लिए भेजा अकबरपुर

अमृत विचार। मुगीसापुर कस्बे में कानपुर की ओर जाने वाली लेन पर ओवर ब्रिज के ऊपर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपति वह बुरी रौंद दिया। इससे दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

भरसौल जनपद औरैया निवासी शिवबीर सिंह त्योहार पर पत्नी चांदनी व पुत्री सान्वी को लेकर ससुराल कानपुर जा रहे थे। मुंगीसापुर फ्लाईओवर के ऊपर जैसे ही पहुंचे हैं कि तेज रफ्तार से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर लगने के बाद दंपत्ति सड़क पर गिरे। पीछे से आई कार ने उन्हें रौंद दिया। इससे वह बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे के बाद शिवबीर सिंह कार के नीचे फंस गया। मौके पर एकत्र भीड़ ने कार को उठाकर उन्हें बाहर निकाला और पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में एनएचएआई की एंबुलेंस द्वारा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। चौकी इंचार्ज अरविंद तिवारी ने बताया कि कार चालक को कब्जे में लिया गया है। घायल महिला को कानपुर भेजा ।

कार की टक्कर से क्षतिग्रस्त मोटर साइकिल। हादसे के बाद मौके पर जमा भीड़। अमृत विचार

शांतिभंग में 14 लोगों को किया गिरफ्तार

शिवली। दीपावली के पर्व व उसके बाद शांतिभंग करने में विभिन्न गांवों में 14 लोगों को को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जगुराजपुर के मजरा कल्यानपुर के राजू, मनोज, विनोद बाघपुर के सर्वेश, शिवशंकर, कस्बा शिवली के राहुल तिवारी, विकास तिवारी, भीखर नौबस्ता गांव के सत्यप्रकाश, सुनीलकुमार, कुर्मीनिवदा गांव के नागेश, कृपाशंकर, कल्याण सिंह, आजाद नगर शिवली के अंकित गुप्ता व बालेश गुप्ता को शांतिभंग करने में गिरफ्तार किया गया है।

महिला ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर दे दी जान

संवाददाता, पुखरायां

अमृत विचारः भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव में सोमवार देर शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली।

देवीपुर गांव के विनय कुमार ने बताया कि पत्नी लक्ष्मी 27 वर्ष अपने घर के छत के पंखे के कुंडे से दुपट्टा के सहारे फांसी लगाकर आत्म हत्या की परिजनों को जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। देवीपुर चौकी इंचार्ज अभिषेक सिंह चौहान ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच की। परिजनों से जानकारी लेने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बताया गया कि 25 मई 2020 को लक्ष्मी की शादी हुई थी। मृतका अपने परिवार के साथ सांस और ससुर से अलग रहते थे। डेरापुर क्षेत्र के संदलपुर गांव मृतिका का मायका पक्ष में सूचना मिलने पर जहां से मृतका का भाई रोहित मौके पर आया हुआ था। बताया कि मृतका हमेशा तनाव में रहती थी। लक्ष्मी के चार वर्ष का लड़का आदित्य सहित अन्य परिजन रो रोकर बेहाल हो गए।

परंपरा | रसूलाबाद और आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम से मना त्योहार

गोवर्धन पूजा कर लगाया कढ़ी चावल का भोग

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः बुधवार को लोगों ने घरों में गोवर्धन पूजा की पूजा कर गोवर्धन जी का कढ़ी चावल व अन्नकूट की सब्जी का भोग लगाकर आशीर्वाद मांगा। पूजन के बाद अन्नकूट के प्रसाद का वितरण भी किया गया।

रसूलाबाद के सुभाष नगर केशव नगर आदि विभिन्न मोहल्लों में रहने वाली महिलाओं ने अपने घरों के आंगन व घर के बाहर परंपरागत गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत जैसा आकार बनाया। महिलाओं ने इस गोवर्धन को फूल मालाओं आदि से सजाया। वही रीति रिवाज के अनुसार दोपहर के समय बनाए गए गोवर्धन पर चारपाई डालकर बिस्तर लगाया गया ताकि गोवर्धन जी आराम कर सके। महिलाओं ने लोगों को बताया कि एक बार गोकुल वासी कार्तिक शुक्ला पक्ष की परिवा को इंद्र देव का पूजन करने के लिए अपने घरों में पकवान बना रहे थे। श्री कृष्ण ने पकवान बनाने का कारण पूछा तो गोकुल वासियों ने बताया कि भगवान इंद्र की पूजा से ही वर्षा होती है इसलिए इंद्रदेव की पूजा करने के लिए पकवान बना रहे हैं। श्री कृष्ण ने गोकुल वासियों को इंद्र की पूजा करने के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का सुझाव दिया तो गोकुल वासियों ने इंद्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की। इस बात से नाराज होकर इंद्रदेव ने गोकुल पर पर तेज वर्षा करना शुरू कर दिया तेज वर्षा से गोकुल के चारों ओर पानी भर गया किंतु इंद्र के इस पानी का गोकुल वासियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। तभी से लोग गोवर्धन की पूजा करते हैं। कार्तिक शुक्ल पक्ष परेवा को लोग धूप दीप फूल गंगाजल आदि लेकर गोवर्धन भगवान की विधिवत पूजन अर्चन करते हैं।

घरों में गोवर्धन जी की पूजा करतीं महिलाएं। अमृत विचार

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

पुखरायां। भोगनीपुर क्षेत्र में रेलवे लाइन पर युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। लोगो के द्वारा पुलिस को सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचकर जांच के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

कस्बा के रेलवे आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक राम स्वरूप ने बताया कि हलधरपुर गांव के छोटे पुत्र स्व राम स्वरूप 35 वर्ष,मंगलवार की रेलवे लाइन हलधरपुर के पास खंभा नंबर 1286/6 के निकट मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना मिलने पर भोगनीपुर के उपनिरीक्षक अतेंद्र कुमार आदि लोग घटना स्थल पर पहुंचे। जांच के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

सरदार पटेल को लेकर गौरीकरन गांव से निकली जनहित संकल्प यात्रा

संवाददाता, मुंगीसापुर

अमृत विचारः सरदार सेना संगठन की ओर से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के तहत भोगनीपुर के गौरीकरन से जनहित संकल्प यात्रा निकाली गई। बताया गया कि संगठन की संकल्प यात्रा विभिन्न जनपदों का भ्रमण करते हुए लखनऊ पहुंचेगी।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरएस पटेल की अगुवाई में बुधवार को कस्बे से निकल रही यात्रा को जगदीश पटेल के प्रतिष्ठान पटेल ट्रेडर्स पर पर रोक लिया गया। यात्रा में शामिल लोगों ने यहां सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भोगनीपुर विधानसभा क्षेत्र के नन्हुवांपुर गांव में सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा को वर्तमान सरकार ने कैद कर रखा है। उनकी प्रतिमा को स्थापित कराने के लिए वह रामस्वरूप वर्मा के गांव से जनहित संकल्प यात्रा निकाल रहे हैं। भ्रमण करते हुए यात्रा वाराणसी पहुंचेंगी। यात्रा में अभी संगठन द्वारा 20 जनपद शामिल किए गए हैं। आरएस पटेल ने जगदीश पटेल को जिला अध्यक्ष कानपुर देहात नियुक्त किया।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

कानपुर

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने की आत्महत्या

शिवराजपुर। क्षेत्र के कस्बे मे बने रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी । घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों के हल्ला मचाने पर जीआरपी के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की । शव को रेलवे ट्रैक से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है । थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है अभी तक युवक के ट्रेन के आगे कूदने का कारण और युवक की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है ।

गैस सिलेंडर में आग लगने से वृद्धा की मौत

शिवराजपुर। कुंवरपुर कुकरी गांव में मंगलवार की रात चाय गरम करने के दौरान गैस सिलेंडर में आग लगने से वृद्धा उसकी चपेट में आ गई और गंभीर रूप से झुलस गई और इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई कुंवरपुर कुकरी गांव निवासी सुशीला देवी के पति धर्मेंद्र की मृत्यु हो चुकी है। वह परिवार के साथ रहती है। मंगलवार की रात वह चाय गरम कर रही थी। तभी गैस सिलेंडर में आग लग गई। आग लगने से सुशीला देवी गंभीर रूप से झुलस गई। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी के बाद जिला अस्पताल भेजा गया। जहां बुधवार की सुबह उनकी मौत हो गई।

बिजली गिरने से दो गायों की मौत

मौदहा(हमीरपुर)। मंगलवार सुबह से क्षेत्र में गरज के साथ हो रही हल्की बारिश के बीच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करहिया गांव के बाहर बजरंग बली के स्थान पर आकाशीय बिजली गिरने से गजराज पुत्र मुन्नू श्रीवास और शिवलाल पुत्र भगू खंगार की एक एक पालतू गायों की मौत हो गई। राहत की बात यह रही कि पानी के चलते चरवाहे बजरंगबली के स्थान पर सुरक्षित बैठे हुए थे। अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

गाड़ी से टकराया बाइक सवार, गंभीर

मौदहा(हमीरपुर)। कस्बे निवासी अंकित साहू (29) पुत्र छोटेलाल बाइक से जा रहा था। रफ्तार अधिक होने के कारण अंकित बैंक ऑफ बड़ौदा के निकट सड़क किनारे खड़ी चार पहिया वाहन से टकरा गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल को इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है।

सिंघाड़ा तोड़ते समय नाव पलटी, एक बच्चे की मौत

ग्रामीण तालाब में कूदे तब बची तीन बच्चों की जान, परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता, बिल्हौर

हादसे की जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया।

हादसे की जानकारी पर पीड़ित परिवार के घर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अमृत विचार

अमृत विचार। बिल्हौर थाना क्षेत्र के सुजालपुर भढ़िया गांव में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब में सिंघाड़ा तोड़ने गए चार मासूम बच्चे नाव पलटने से गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला। एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। दो बच्चों को सामान्य स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उनको घर वापस भेज दिया गया। हादसे में एक परिवार के तीन बच्चे नाव पर सवार थे जबकि पड़ोसी सोनू का बेटा कन्हैया भी उन्हीं के साथ मौजूद था। सोनू के बेटे कन्हैया की मौके पर ही मौत हो गई।।

गांव निवासी श्याम बाबू कश्यप ने पट्टे पर तालाब लेकर उसमें सिंघाड़े की फसल बोई थी। मंगलवार सुबह उनकी बेटियां तान्या (15 वर्ष), मनु (12 वर्ष), बेटा कृष्णा (10 वर्ष) और पड़ोसी सोनू का बेटा कन्हैया (15 वर्ष) तालाब पर पहुंच गए। बच्चों ने तालाब किनारे रखी दो नावों में बैठकर सिंघाड़ा तोड़ने की कोशिश की। नाव चलाने का अनुभव न होने के कारण बीच तालाब में पहुंचते ही

- बिल्हौर थाना क्षेत्र के सुजालपुर भढ़िया गांव में हुआ हादसा

एक नाव डगमगाने लगी और उसमें पानी भरने लगा। घबराहट में नाव पर बैठे बच्चों ने दूसरी नाव पर छलांग लगा दी, जिससे वह नाव भी पलट गई। देखते ही देखते चारो बच्चे पानी में डूबने लगे। तालाब के पास मौजूद परिजन बच्चों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ तालाब में कूद गए। काफी प्रयास के बाद सभी बच्चों को बाहर निकालकर सीएचसी बिल्हौर लाया गया। डॉक्टरों ने तान्या और कन्हैया की हालत गंभीर देख उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। रामा अस्पताल मंधना पहुंचने पर डॉक्टरों ने कन्हैया को मृत घोषित कर दिया। वहीं तान्या को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया है। घटना में कुल 4 बच्चे शामिल थे जिसमें एक परिवार के तीन बच्चे शामिल थे जबकि पड़ोसी के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से गांव में शोक का माहौल है। हर कोई इन चार मासूमों की मस्ती को दर्दनाक अंत में बदलते देख स्तब्ध है। घटनास्थल पर तहसीलदार अनुभव चंद्र ने पहुंचकर पारिवारिक जनों से वार्ता करते हुए दुख की घड़ी में ज्ञान दास बनाया इस दौरान शान द्वारा मिलने वाली आर्थिक सहायता के बारे में भी जानकारी दी।

गंगा स्नान को आया बीटेक का छात्र डूबा

संवाददाता,शिवराजपुर

अमृत विचार। खेरेश्वर सरैया घाट पर बुधवार को गंगा स्नान के लिए माता- पिता के साथ आया बीटेक का छात्र डूब गया । गोताखोरों ने देर शाम तक युवक को गंगा नदी में ढूंढने का काफी प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली घटना के बाद परिजन देर शाम तक घाट पर ही मौजूद रहे।

बुधवार की सुबह बिल्हौर तहसील के बक्खूपुरवा गांव निवासी किसन पाल अपने परिवार पत्नी बेटी और बेटा के साथ शिवराजपुर के खेरेश्वर सरैया गंगा घाट पर स्नान करने आये थे । पूरा परिवार गंगा स्नान करने लगा तभी बेटी का पैर फिसलने से वह गहरे जल में डूबने लगी । बेटी के चिल्लाने पर पास स्नान कर रही मां ने बचाने का प्रयास किया लेकिन बेटी गहरे जल मे चली गई यह देख बेटा 22 वर्षीय हर्ष गंगा मे डूबती बहन क़ो बचाने के लिए कूद गया। लेकिन बहन के बचाने के जगह खुद भवर मे फंस गया । घाट पर मौजूद लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद मां बहन को तो बचा लिया लेकिन हर्ष कहीं दिखाई नहीं दिया । जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी लेकिन सूचना के दो घंटे बाद तक घटनास्थल पर पुलिस और गोताखोरो के न पहुंचने पर उन्होंने खुद खोजबीन शुरू की । वहीं थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि पिता की सूचना पर डूबे युवक की तलाश की जा रही है । एसडीएम बिल्लौर संजू दीक्षित और एसीपी अमरनाथ यादव ने गोताखोरों की कई टीम लगाकर देर शाम तक युवक को ढूंढने का काफी प्रयास किया अधिकारियों ने मौके पर मौजूद होकर कई घंटे तक युवक को जाल डालकर गोताखोरों की मदद से बनवाने का प्रयास करते रहे लेकिन देर शाम तक कोई सफलता नहीं मिली।

मानसिक रूप से बीमार युवक ने फंदा लगा दी जान

चौबेपुर। क्षेत्र के अबाबकरपुर (बजरहापुरवा) गांव में मंगलवार रात मानसिक रूप से बीमार युवक ने घर के अंदर कमरे में कुंडे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जानकारी पर परिजनों ने घटना की सूचना थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

अबाबकरपुर निवासी राजीव (21) पुत्र बलवीर यादव लंबे समय से मानसिक बीमारी से परेशान था। जिसका उपचार भी चल रहा था। मंगलवार रात मौका पाकर राजीव ने कमरे के अंदर पंखे के कुंडे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर न निकलने पर परिजनों ने मौके पर जाकर देखा, तो उनके होश उड़ गए। घटना से घर वालों में कोहराम मच गया।

पुलिस पूछताछ में पिता बलवीर ने बताया कि राजीव उसका इकलौता बेटा था और मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। रात मौका पाकर उसने यह कदम उठा लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि मानसिक रूप से परेशान युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है।

भाई से बंटवारे को लेकर था विवाद युवक ने कर लिया आत्मदाह

संवाददाता, कानपुर देहात

- रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गांधी नगर मोहल्ले की घटना

अमृत विचारः रसूलाबाद कस्बा के गांधीनगर निवासी एक राजमिस्त्री ने संदिग्ध हालत में आग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पड़ोसी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राजमिस्त्री का घर में भाई से बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद राजमिस्त्री ने पेट्रोल उड़ेल कर आग लगा ली।

कस्बा के गांधीनगर निवासी राजमिस्त्री जगरूप कमल 40 को मंगलवार सुबह परिजन संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से झुलसा हुआ लेकर सीएचसी पहुंचे। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों को जगरूप ने घर में भाई ओमप्रकाश से हुए विवाद के बाद पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात बताई। ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने तत्काल प्राथमिक इलाज के बाद उसकी हालत बेहद नाजुक देखते हुए उर्सला अस्पताल कानपुर नगर के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बुधवार दोपहर को उर्सला में जगरूप की मौत हो गई।

त्योहार के दौरान हुई अनहोनी घटना से पत्नी गायत्री देवी ,बेटा सनी व सत्यम समेत परिजन बिलखने लगे।

पड़ोसियों के अनुसार जगरूप का उसके भाई ओमप्रकाश के साथ मंगलवार सुबह बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था इसके बाद घर के अंदर जगरूप ने खुद के ऊपर बोतल में रखा पेट्रोल डालकर आग लगा ली । वहीं परिजनों ने खेत में इंजन सुधारते समय बीड़ी पीने के दौरान हादसा होने की बात बताई है। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें इस आशय की कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जगरूप के शव का पोस्टमार्टम परिजनों द्वारा कानपुर नगर में कराया गया है।

बिल्हौर में खलिहान की भूमि से कब्जा हटाया

संवाददाता, बिल्हौर

राजस्व विभाग की टीम ने जमीन को कब्जामुक्त कराकर चेतावनी बोर्ड लगाया।

अमृत विचार। डीएम ने अवैध कब्जों के खिलाफ अपनी मुहिम तेज करते हुए बुधवार को बिल्हौर तहसील में एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसील बिल्हौर के राजस्व विभाग की टीम ने लगभग पांच दशक से अधिक समय से चली आ रही कब्जे की समस्या का समाधान किया। यह कार्रवाई तहसील बिल्हौर, ग्राम बिल्हौर देहात में की गई।

जिस भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, वह आराजी संख्या 1592 है, जिसका कुल रकबा 0.5670 हेक्टेयर है। यह भूखंड राजस्व अभिलेखों में सार्वजनिक उपयोग, विशेषकर खलिहान (फसल की मड़ाई का स्थान) के लिए दर्ज है। बुधवार को नायब तहसीलदार बिल्हौर की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की एक टीम बुधवार को मौके पर पहुंची। इस टीम ने ग्राम बिल्हौर देहात की सार्वजनिक खलिहान की भूमि पर लगभग 52 साल पुराने अवैध कब्जे को सख्ती से हटाया। यह पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न की गई, जिसमें किसी प्रकार का कोई व्यवधान नहीं हुआ।

अतिक्रमण पूरी तरह से हटाए जाने के बाद, राजस्व विभाग की टीम ने कब्जामुक्त कराई गई इस भूमि को तत्काल ग्राम प्रधान को सुपुर्द कर दिया। भविष्य में दोबारा कब्जा न हो सके, इसके लिए मौके पर एक चेतावनी बोर्ड भी लगवा दिया गया है।

नायब तहसीलदार बिल्हौर ने मौके पर मौजूद डॉ. आफताब अहमद, राजेश कुमार, मैकू आदि को चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि यदि भविष्य में किसी ने भी इस खलिहान की भूमि पर पुनः अतिक्रमण करने का प्रयास किया, तो दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

5 अक्टूबर को घटा और 22 को बढ़ गया टोल टैक्स!

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः टोल टैक्स में रियायत की खुशी बहुत दिनों तक नहीं टिकी। महज 17 दिनों में टोल की पुरानी दरें फिर से बहाल कर दी गई हैं। पहले जनहित याचिका में टोल टैक्स घटा था। अब टोल वसूलने वाली कंपनी ने अदालत के जरिए दरों को फिर पुरानी जगह वापस ला दिया। मंगलवार की रात 12 बजे से बदलाव वाली दरें टोल प्लाजा पर प्रभावी हो गई हैं।

हाई-वे पर संचालित टोल प्लाजा पर वसूली की दरों को लेकर जनहित याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता के पक्ष को सही माना और अलग-अलग टोल बैरियर पर टोल की दरें घटाने का आदेश जारी कर दिया। 5 अक्टूबर से आदेश प्रभाव में आया इसके बाद अलग-अलग

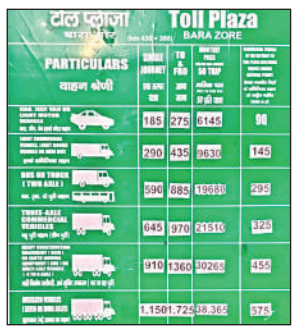

बारा टोल प्लाजा पर लगी टैक्स में बदलाव की नई सूची।

- जनहित याचिका से घटी टोल टैक्स की दरें मात्र 17 दिन तक ही प्रभावी रहीं
- टोल कलेक्शन करने वाली कंपनी ने अपील कर बहाल कराई पुरानी व्यवस्था
- मंगलवार की रात 12 बजे से बदलाव वाली दरें टोल प्लाजा पर प्रभावी हो गई हैं

कैटेगरी के वाहनों का टोल टैक्स घटा दिया गया। कार, जीप और वैन की सिंगल जर्नी के लिए पांच रूपए तो ओवर साइज्ड वाहनों के लिए 35 रूपए घटे थे। यह बचत सिर्फ 17 दिन रही। 20 किलोमीटर के रेडियस वाले वाहनों का मंथली पास 340 का हुआ था। अब फिर से 350 रूपए देने होंगे। इसी तरह, कार, जीप और वैन की सिंगल जर्नी के लिए 185 ही चुकाने होंगे। रिटर्न जर्नी 275 में होगी। टैक्स घटा तो ऐसे वाहनों का मंथली पास 5965 में बनने लगा था। अब फिर से 6145 रूपए अदा करने होंगे। बस-ट्रक का एक तरफा टैक्स अब 590 हो जाएगा। बीच में यह 575 रूपए हो गया था।

बस-ट्रक के मंथली पास फिर से 19680 में बनेंगे। 5 अक्टूबर को यह शुल्क 19100 हो गया था। इसी तरह, एलसीवी, श्री एक्सेल, एचसीएम 4-6एक्सेल और ओवर साइज्ड वाहनों का भी टोल टैक्स इस साल 4 अक्टूबर तक रही दरों के अनुसार वसूल किया जाएगा। बताया गया कि पांच अक्टूबर से प्रभावी हुई दरों के कारण अकेले बारा टोल प्लाजा को रोजाना करीब डेढ़ लाख रूपए का नुकसान हो रहा था। यह प्राप्त होने वाले राजस्व का 2.05 प्रतिशत था। अब इसकी भरपाई हो जाएगी। टोल के संयुक्त महाप्रबंधक मनोज शर्मा ने बताया कि टोल कलेक्शन करने वाली एक कंपनी की अपील पर उच्चतम न्यायालय ने 4 अक्टूबर तक प्रभावी रही दरों को ही पुनः प्रभावी करने का आदेश जारी किया है। मंगलवार की रात 12 बजे से पुरानी दरों के अनुसार टोल टैक्स की वसूली प्रारंभ हो गई है।

जुताई करते रोटावेटर में फंसे किसान की मौत

हमीरपुर। मुस्करा थानाक्षेत्र के गहरौली गांव में खेत की जुताई कर रहे युवा किसान की हादसे में मौत हो गई।

मंगलवार की दोपहर गहरौली गांव निवासी किसान अभिषेक उर्फ अप्पू (26) ट्रैक्टर में रोटावेटर फंसाकर खेत पहुंचा। उसने खेत में जुताई शुरू की तो कुछ देर बाद रोटावेटर का हाइड्रोलिक पिन निकल गयी। इस पर अभिषेक ने बगैर ट्रैक्टर को बंद किए पिन लगाने की कोशिश की, इसी दौरान वह रोटावेटर की चपेट में आकर उसी में फंसकर रह गया। आसपास खेतों में भी किसान नहीं थे। जिससे उसकी चीखें भी कोई नहीं सुन सका। रोटावेटर के मजबूत ब्लेड से उसका शरीर कई टुकड़ों में बंट गया।

शार्ट सर्किट से मेले में लगी दुकानों में आग

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। रामलीला मेले के पास ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट से आस पास लगी दुकानों में आग लग गई। कुछ ही देर में आग की चपेट में आने से पांच दुकानें जलकर खाक हो गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर पानी डाल काबू पाया।

कस्बे में रामलीला का मेला करीब एक माह तक चलता है। मेले में दूर दराज और बाहर से विभिन्न प्रकार के सामान बेचने के लिए दुकानदार आते हैं। रामलीला मैदान के पास खुशीपुरा मोहल्ले में पिछले कई सालों से एक ट्रांसफार्मर लगा है। बुधवार की तड़के करीब 6 बजे अचानक से ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट हो गया। जिससे ट्रांसफार्मर से उठी चिंगारी दुकानों के ऊपर गिर गई। चिंगारी गिरते ही दुकानों में आग लग गई। आग से राघवेंद्र बेलाताल महोबा, मैकू चरखारी, राकेश पुत्र गौरीशंकर, शरीफ खरेला और बबलू पुत्र इस्लाम की दुकानें जलकर खाक हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जिससे अन्य दुकानें आग की चपेट से बच गई। दुकानदारों ने बताया कि आग से लाखों का नुकसान हो गया है। आग की जानकारी लगते ही नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, समिति के मंत्री सुरेश खेबरिया, बसंत नगाइच, अक्कू अग्रवाल, तहसीलदार, लेखपाल आरती गुप्ता मौके पर पहुंच गईं।

बाइक से उछलकर महिला गिरी, मौत

पौथिया(हमीरपुर)। ललपुरा थानाक्षेत्र के पौथिया गांव निवासी परवीन खातून (45) पति जाकिर शाह अपने बेटे फिरोज के साथ मंगलवार को राठ कस्बे अपनी ननद के यहां रिश्तेदारी में गई थी। बुधवार को राठ से बाइक से वापस गांव आ रही थी। तभी करीब सुबह 9 बजे मुस्करा पेट्रोल पंप के पास स्पीड ब्रेकर में बाइक से उछलकर सड़क में जा गिरी।

108 एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। बेटे फिरोज ने बताया एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जहां इलाज दौरान पांच घंटे बाद मां परवीन की मौत हो गई। वह अपने पीछे दो बेटे दो बेटी को रोता बिलखता छोड़ गई। सूचना पर पहुंचे सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।

खेलकूद | परगही ग्राम में जूनियर और सीनियर के बीच हुआ रोमांचक क्रिकेट मैच

रोमांचक मुकाबले में जूनियर ने सीनियर टीम को दी मात

संवाददाता, बिठूर

विजेता टीम को ट्राफी सौंपतीं ग्राम प्रधान पूनम सिंह।

ट्राफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी।

अमृत विचार। परगही ग्राम में बुधवार को जूनियर और सीनियर टीमों के बीच मित्रता क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें रोमांच और उत्साह का भरपूर माहौल देखने को मिला। मैच की शुरुआत सुबह 9 बजे ग्राम प्रधान पूनम सिंह की उपस्थिति में टॉस किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जूनियर टीम ने निर्धारित ओवर में 207 रन बनाए।जूनियर टीम के उपकप्तान रोहित पाण्डेय ने 72 रनों की पारी खेली और टीम के कप्तान अमन अवस्थी ने नाबाद 45रन बनाए। जवाब में सीनियर टीम 176 रनों पर सिमट गई। सीनियर टीम के सुभाष पांडे और सूर्या परिहार ने अच्छी पारी खेली।

जूनियर टीम के उपकप्तान रोहित पाण्डेय ने 72रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच देखने के लिए ग्रामवासियों की भारी भीड़ जुटी। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित किया। आयोजन में ग्राम पंचायत के सदस्यों सहित खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया गायों का पूजन

संवाददाता, बिल्हौर

गोवर्धन पर्व पर एसडीएम संजीव दीक्षित ने ककवन गोशाला में गायों का पूजन किया।

अमृत विचार। गोवर्धन पूजा पर उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने ककवन गोशाला पहुंचकर गायों का पूजन किया। इसके साथ ही गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना की। एसडीएम संजीव दीक्षित के साथ स्थानीय ग्राम प्रधान राजू स्वर्णकार और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज पटेल भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर गोवर्धन पर्वत के प्रतीक का विधि-विधान से पूजन किया।

गोपूजन के उपरांत, उपजिलाधिकारी ने गोशाला के प्रबंधन और गोवंश के रखरखाव का जायजा लिया। उन्होंने हरा चारा, सूखा चारा (भूसा) की पर्याप्त उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से, उन्होंने परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए और अधिकारियों को दैनिक रूप से इसकी निगरानी करने को कहा ताकि गोवंश स्वस्थ रह सकें और संक्रमण से बचे रहें। एसडीएम ने कहा कि गोशालाओं का संचालन बेहतर ढंग से हो और गोवंश की सेवा में कोई कमी न रहे, यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रधान और पशु चिकित्सा अधिकारी को गोशाला के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत अवगत कराने का निर्देश दिया। प्रधान राजू स्वर्णकार और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज पटेल ने एसडीएम को गोशाला के बेहतर संचालन का आश्वासन दिया और उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने की बात कही।

मानसिक बीमारियों से बचने का एक ही उपाय है कि हृदय को घृणा से और मन को भय व चिन्ता से मुक्त रखा जाय।

- आचार्य श्रीराम शर्मा

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

कानपुर के प्रमुख समाचार

- बहुमंजिली इमारत समेत 20 से अधिक क्षेत्रों में भीषण आग- II
- रिंग रोड पैकेज तीन : अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण- III
- छठ पूजन के दौरान बनेगा इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

कूड़ा उठान धड़ाम, सड़कों पर जमा गंदगी के पहाड़

शहर में दीपावली पर सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई, सफाई कर्मचारियों के साथ अधिकारियों ने भी मनाई परेवा की छुट्टी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सफाई कार्य में लगे नगर निगम के 5 हजार से अधिक कर्मचारियों ने बुधवार को झाड़ु नहीं उठाई। कूड़ा उठान भी लगभग पूरी तरह से प्रभावित रहा। दीपावली की परेवा पर्व को लेकर सफाई कर्मचारी छुट्टी पर रहे। इससे करीब 1 हजार मीट्रिक टन से अधिक कूड़ा सड़कों और कूड़े अड्डों पर आ गया। कई सड़कों पर तो इतना कूड़ा दिखा कि गाड़ियां तक फंस गई। वहीं, शहर के अलग-अलग हिस्सों में कूड़ा जलता भी रहा। सफाई कार्य की मॉनीटरिंग में लगे अधिकारी भी नदारद रहे।

दीपावली के दिन से ही शहर की प्रमुख सड़कों और मोहल्लों में सफाई कार्य प्रभावित हो रहा था। लेकिन, बुधवार को पूरे शहर में सफाई व्यवस्था धड़ाम हो गई। सुबह की सफाई के बाद घरों का कूड़ा फिर से सड़कों पर आ गया। मुख्य मार्गों, अवैध कूड़ाघरों में कूड़ा एकट्ठा हो गया। परेवा की वजह से सफाई कर्मचारी बीट पर नहीं पहुंचे। इस वजह से छोटी-बड़ी गलियों में कूड़े के ढेर दिखाई दिए। पॉश इलाके सर्वोदय नगर के आस-पास गंदगी देख तो राहगीर भी भौंचक रह गए। यहां विश्वकर्मा चौक पर विधायक सुरेंद्र मैथानी के घर के पास मुख्य मार्ग पर कूड़े का पहाड़ लग गया। जिससे गाड़ियां निकलने में दिक्कत हुई। देर शाम तो यहां की स्थिति और बिगड़ गई। पास में ही टूटी पेयजल लाइन की वजह से बहता पानी कूड़े से सन गया। जिससे भीषण बदबू और सडांध आने लगी। शास्त्री नगर में छोटा सेंटर पार्क के पास, जूही में अधिकतर मोहल्ले कूड़े से पटे दिखे। जीटी रोड और कालपी रोड के साथ ही पनकी में हालत बद से बदतर हो गई। किदवई नगर, शारदा नगर, सर्वोदय नगर, जीटी रोड और कालपी रोड के आस-पास कूड़ा देखा गया। कई मोहल्लों में सफाई कर्मचारियों के न पहुंचने की वजह से लोगों ने अवैध रूप से बने कूड़ा घरों और ट्रांसफर स्टेशन के बाहर भी कूड़ा फेंक दिया।

विश्वकर्मा चौक पर विधायक सुरेंद्र मैथानी के घर के पास मुख्य मार्ग पर कूड़ा जमा है। अमृत विचार

नौबस्ता हाईवे सीओडी के पास बड़ी मात्रा में कूड़े में आग लगा दी गई।

कूड़े का हाल

रोज कूड़ा निकलता	1350 मीट्रिक टन
रोज उठता	1250 मीट्रिक टन
सड़क पर पड़ा	1 हजार मीट्रिक टन
सफाई के लिए लगे कर्मचारी	5500
उठाने को लगे वाहन	65

इन सड़कों पर भी पड़ी रही गंदगी

- जीटी रोड पर नौ नंबर क्रासिंग के पास, सर्वोदय नगर में नरेंद्र मोहन सेतु के नीचे, सीएल मेमोरियल से मरियमपुर की ओर जाने वाली सड़क, सिविल लाइंस, मसवानपुर वाली सड़क, आवास विकास की कई गलियां, पनकी, विजय नगर, किदवईनगर, गोविंदनगर, डिफेंस कालोनी, जाजमऊ कल्याणपुर समेत कई जगह गंदगी फैली रही।

रात-दिन कार्य करने का प्लान

- नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय कुमार संखवार और डॉ. अमित सिंह ने बताया कि परेवा की छुट्टी की वजह से समस्या हुई है। आने वाले दो दिनों में सुबह और रात रात दिन कार्य होगा। जहां भी समस्या है उसे दूर कर लिया जाएगा। अवैध कूड़ाघरों को पूरी तरह समाप्त करेंगे। डॉ. अजय कुमार संखवार ने बताया कि सुबह की सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने को अफसरों की टीम लगाई गई है। गुरुवार से निगरानी तेज होगी।

यहां जलता दिखा कूड़ा

- नौबस्ता हाइवे सीओडी के पास बड़ी मात्रा में कूड़े में आग लगा दी गई। श्याम नगर-यशोदा नगर बाईपास के पास तो बड़ी-बड़ी लपटें उठती रहीं। कूड़े में दोपहर बाद लगाई गई आग देर शाम तक धधकती रही। कल्याणपुर आवास विकास में हाईटेंशन लाइन के नीचे भी कूड़े के ढेर में आग लगा दी गई। इससे प्रदूषण भी फैलता रहा।

तीन दिनों से डगमगाई हुई है सफाई व्यवस्था

- दीपावली के पहले से ही शहर में सफाई व्यवस्था डगमगाई है। घरों से बड़ी मात्रा में कूड़ा निकलने की वजह से समस्या है जिसे नगर निगम का अमला पूरी तरह उठा नहीं पा रहा। डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली कंपनी जेटीएन और दीक्षांक के कर्मचारी भी ड्यूटी से नदारद हो जा रहे हैं। इससे समस्या बढ़ गई है।

विजय नगर से पनकी पड़ाव मार्ग चौड़ा होगा

कानपुर। विजय नगर से पनकी पड़ाव मार्ग 35 करोड़ रुपये से चौड़ा किया जायेगा। राज्य सरकार से सांसद रमेश अवस्थी द्वारा प्रस्तावित 80 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को संवैधानिक मंजूरी दे दी। जिसमें यह योजना भी शामिल है। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से प्रस्तुत इन परियोजनाओं में प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण और संपर्क मार्गों का निर्माण शामिल किया गया है। रमेश अवस्थी ने बताया कि कानपुर की यातायात व्यवस्था, शहरी सौंदर्य और आधारभूत संरचना जल्द और मजबूत होगी। शीघ्र ही वित्तीय स्वीकृति के पश्चात टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

रमेश अवस्थी ने बताया कि पीडब्लूडी के माध्यम से योजना का प्रस्ताव दिया था। जिसमें विजयनगर से पनकी पड़ाव मार्ग के चौड़ीकरण के साथ ही बारादेवी से नंदलाल चौराहा मार्ग का चौड़ीकरण भी शामिल है। चावला मार्केट से परम पुरवा होते हुए जूही खलवा मार्ग का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण 10 करोड़ रुपये, घंटाघर से डिप्टी पड़ाव मार्ग का चौड़ीकरण 6 करोड़ रुपये, विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण 3 करोड़ रुपये और श्याम नगर 56 भोग चौराहा से हाईवे तक मार्ग का चौड़ीकरण होगा।

सिटी ब्रीफ

किदवई नगर चौराहे का होगा सुंदरीकरण

कानपुर। केडीए किदवई नगर चौराहे का रेनोवेशन करेगा। इसके लिए करीब 27 लाख रुपये खर्च होंगे। साथ ही इंदिरा नगर में स्थित आदर्श पार्क में ओपेन जिम, गीता नगर स्थित विश्नोई पार्क में सौंदर्यीकरण, जवाहरपुरम स्कीम में सेक्टर 13 और 14 में प्लांटेशन और शताब्दी नगर स्थित सीवी रमन स्कूल के पास स्थित पार्क का सौंदर्यीकरण भी होगा। केडीए इन सभी कार्यों के लिए 27 अक्टूबर को टेंडर कराएगा।

रामगंगा हाउसिंग इन्क्लेव में गंदगी

कानपुर। केडीए की रामगंगा हाउसिंग इन्क्लेव में बने फ्लैट में रहने वाले लोग परेशान हैं। घरों के सामने सीवर बह रहा है। साथ ही कूड़े का उठान भी नहीं हो रहा है। क्षेत्र के प्रतीक ने बताया कि नगर निगम सफाई नहीं करता है। न हीं कूड़ा लेता है इसके चलते लोग सड़क पर कूड़ा फेंकते हैं। पार्क की हालत भी बदतर हो गई है। केडीए उपाध्यक्ष से शिकायत के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो रहा है। स्थानीय लोग परेशान हैं। घरों का सीवर अब दरवाजों के सामने आ गया है।

युवाओं से पूछे अनुभव

कानपुर। सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र, फजलगंज में नेशनल एससी, एसटी हब द्वारा प्रायोजित सुगंधित तेल, सुगन्ध एवं सुरस उद्योग पर पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 29 तक होने वाले इस प्रशिक्षण में दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के नार्थ इंडिया के चेयरमैन कुंवर शशांक और स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया महाप्रबंधक एसडी कुरील शामिल हुए। दोनो अतिथियों ने प्रशिक्षण हासिल कर रहे युवाओं से उनके अनुभव पूछे। इस दौरान केंद्र प्रभारी डॉ भक्ति विजय शुक्ला ने अतिथियों को सुगंधि भेंट की।

जल्द बदल सकता शहर का मौसम

कानपुर। शहर में शुक्रवार तक मौसम में उतार-चढ़ाव की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस दौरान 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में परिवर्तन हो सकता है। सीएसए विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इसी तरह न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मकान मालिक की पिटाई से आहत युवक ने फांसी लगाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एक भाई ने पाइप से मारा और दूसरे ने बाल पकड़कर खींचा, सिर पटका
- युवक मकान मालिक की बुजुर्ग मां से कर रहा था हंसी-मजाक

अमृत विचार। कल्याणपुर में मकान मालिक की बुजुर्ग मां से हंसी-मजाक कर रहे युवक को दो भाइयों ने बेरहमी से पीटा। एक ने घर के बाहर प्लास्टिक के पाइप से मारा तो दूसरे दूसरे ने बाल पकड़कर घसीटा और दीवार से सिर लड़ाया। शर्मिंदगी में युवक ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फंदे से लटककर जान दे दी। शव लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव उतारा। जांच-पड़ताल के बाद फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

बैरी कल्याणपुर निवासी 28 वर्षीय धरम सिंह शटरिंग का काम करता था। तीन भाइयों में बड़े धरम के परिवार में मां गुड्डी, छोटे भाई रितेश, सर्वेश व बहन प्रिया है। डेकोरेशन का काम करने वाले रितेश ने बताया कि एक साल से उनका परिवार लालू कटियार के मकान में किराए पर रह रहा है। मंगलवार वह काम के सिलसिले में कन्नौज गए थे, लौटने पर घटना का पता चला। सर्वेश के अनुसार दोपहर करीब ढाई बजे धरम घर के बाहर मकान मालिक की मां व आसपास के लोगों से हंसी-मजाक कर रहा था। कोई बात खराब लगने पर वह चिल्लाने लगीं, तभी लालू का बड़ा भाई मनोज गाली-गलौज करते आया और प्लास्टिक की पाइप से उसे पीटना शुरू कर दिया।

मनोज ने करीब 12-15 डंडे मारे। यह देखकर उसे बचाया और कमरे में ले गया। इसी बीच लालू परिजनों के साथ आए और उसे बाल पकड़कर बाहर खींचा। धरम का सिर दीवार और लोहे के जाल से लड़ाते हुए जमकर पीटा। परिजनों ने बीच में पड़कर किसी तरह मकान मालिक को शांत कराया। उनके जाने पर धरम में कमरे में बैठा रहा, इसके बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा पीटने पर उसने नहीं खोला। खिड़की से देखा तो उसका शव फंदे से लटक रहा था। इस पर परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव उतारा। सर्वेश के अनुसार धरम की मौत का पता चलने पर मकान मालिक दोनों भाई भाग निकले। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार परिजनों ने मारपीट का वीडियो मोबाइल से बनाया था, जो मिला है।

धरम सिंह। अमृत विचार

माफी मांगी फिर भी नहीं छोड़ा

- सर्वेश के अनुसार पूरी मारपीट का वीडियो बनाया है। परिजन और धरम हाथ जोड़कर माफी मांग रहा था, उसके बाद भी मकान मालिक ने नहीं छोड़ा। पिटाई से वह कराहता रहा। पेट में दर्द होने पर उसने कहा कि अब नहीं बचूंगा।

गृहकर पूरा जमा होने पर भी संपत्ति कर दी सील

कानपुर। पूरा गृहकर जमा होने के बाद भी अप्रैल 2022 से गृहकर बढ़ाकर ब्याज सहित बिल भेज दिया। संशोधन के लिए लोगों ने पत्र भी दिया लेकिन बिल संशोधन करने के बजाये संपत्ति में सील लगा दी।

महापौर व नगर आयुक्त के आदेश के बाद भी बिल संशोधन करने के बजाये कार्रवाई की जा रही है। इसके चलते भवन स्वामी परेशान हो रहे है। बर्रा विश्वबैंक में स्थित शिवम गेस्ट हाउस में सील लगा दी। पूरा धन वित्तीय वर्ष 2024-25 का जमा है। इसके बाद भी पुराने साल से गृहकर बढ़ाकर बिल भेज दिया। इसको लेकर 10 अक्टूबर 2025 को भवन संख्या सी 1/14 शिवम गेस्ट हाउस पर कर ज्यादा भेज देने के लिए जोन तीन में पत्र भी दिया कि उनका बिल संशोधित कर दिया जाए। चालू वित्तीय वर्ष छोड़कर बाकी कर जमा है। इसके अलावा कोई बकाया नहीं है। 1,23,941 रुपये कर लगा कर नोटिस भेज दिया। बिल संशोधित न करके सील कर दिया। महापौर प्रमिला पांडेय ने बताया कि ऐसे मामलों की जांच करायी जाएगी। साथ ही गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। अफसरों व पार्षदों की कमेटी बनायी जाएगी।

कार की खिड़की से सिर निकाले युवक की पोल से टकराकर मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दोस्तों संग मौज-मस्ती करने निकाला था युवक, 100 की स्पीड़ में दौड़ाई कार
- कार क्षतिग्रस्त, शीशे हुए चकनाचूर, पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया

अमृत विचार। रावतपुर में 100 की स्पीड में दौड़ रही सेंट्रो कार बिजली के पोल से टकरा गई। पीछे की सीट पर शीशे से सिर बाहर निकालकर बैठे युवक का सिर पोल से टकराया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। कार के शीशे चकनाचूर हो गए और आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। मार्निंग वॉकरों के अनुसार अनुसार कार बेलगाम थी। युवक मौज-मस्ती में थे। जैसे कार पोल से टकराई और रगड़ खाते निकली, युवक का सिर पोल से सीधा भिड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भिजवाया।

मसवानपुर निवासी श्रवण कुमार सिंह का 18 वर्षीय बेटा शांतनु प्राइवेट नौकरी करता था। शांतनु तीन भाई बहनों में बड़ा था। श्रवण कुमार ने बताया कि परिवार में पत्नी रमन, छोटा बेटा हिमांशु व बेटी मानसी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम इलाके का ऋतिक, जतिन, सत्यम, बेटू उर्फ आशीष उनके घर आए और बेटे को अपने साथ ले गए थे। देर रात तक उसके न लौटने पर संपर्क किया तो मोबाइल स्विचऑफ रहा। बुधवार तड़के करीब चार बजे तेज रफ्तार कार शन्नेश्वर चौराहा के समीप बिजली के पोल से टकराने की खबर मिली। पिता के अनुसार मार्निंगवॉकरों से पता चला कि कार बेलगाम भाग रही थी। अंदर बैठे युवक म्यूजिक पर मौज-मस्ती कर रहे थे।

कार सीधा पोल से टकराई और रगड़ती हुई निकली तो पीछे किनारे की सीट पर बैठा शांतनु सिर बाहर निकाले थे और पोल से टकराकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की, परिजनों को खबर दी। कार मालिक सुशील ने बताया कि आंबेडकरपुरम में उनका पानी का प्लांट है। मंगलवार रात मसवानपुर का कर्मचारी तनु मां की तबियत खराब थी, इसलिए मां को अस्पताल पहुंचाने के लिए कार ले गया था। कार तनु ही चला रहा था। चालक की सीट के बगल में मसवानपुर का ऋतिक और पीछे सीट पर शांतनु व जतिन, सत्यम था। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। युवक नशे में भी थे।

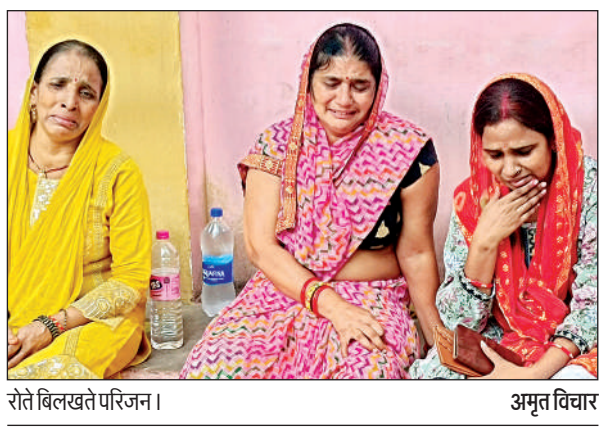

रोते बिलखते परिजन। अमृत विचार

प्रदूषण

दीपावली के एक दिन पहले से ही बिगड़ने लगी थी हवा, अब हुई और जहरीली

300 के पास पहुंचा एक्यूआई, धुंध में सांस फूल रही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीपोत्सव के बाद शहर धुंध और धुएं की चादर में लिपट गया है। हवा में बढ़ती नमी के बीच जमकर हुई आतिशबाजी ने प्रदूषण का ग्राफ बढ़ा दिया है। बुधवार शाम को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अधिकतम 254 दर्ज किया गया, जो आरेंज जोन खतरनाक स्थिति में आता है। हवा में छाई धूल, धुआं और पटाखों का असर सांसों पर भारी पड़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दीपावली के एक दिन पहले जहां एक्यूआइ 201 तक पहुंचा था, वहीं अब यह बढ़कर 254 हो गया है।

दीपावली की देर रात तक जमकर आतिशबाजी हुई। इस दौरान देर रात हवा में धुएं का धुंध छाया। देर रात तक कई जगहों का एक्यूआई 300 तक पहुंच गया। जबकि अक्टूबर की शुरुआत में शहर की हवा सामान्य थी। एक अक्टूबर को सूचकांक 41 था, लेकिन 10 अक्टूबर के बाद लगातार यह बढ़ता जा रहा है। 19 अक्टूबर को औसत 201, 20 को 202, 21 को 229 और अब 22 अक्टूबर को यह 254 दर्ज हुआ है, जो और भी खतरनाक स्तर की ओर बढ़ रहा है। नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव न करने और सफाई अभियान में लापरवाही के चलते समस्या बढ़ती जा रही है। खुले में कचरा जलाने और निर्माण स्थलों पर ग्रीन चादर से ढ़कने को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। लेकिन इसका पालन नहीं कराया जा पा रहा है।

आतिशबाजी से बढ़ा प्रदूषण। अमृत विचार

शहर पर छाई धुंध की चादर। अमृत विचार

> दीपावली के बाद स्माग बढ़ जाता है। प्रदूषण का डेटा को एकत्र करके जानकारी जुटाई जा रही है। सतर्कता बरतने के लिए नोडल एजेंसी नगर निगम को पहले ही पत्र भेजा जा चुका है। उनके द्वारा पानी का छिड़काव और निर्माण स्थलों की निगरानी की जा रही है।
>
> – अजीत कुमार सुमन, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी

किदवई नगर में सबसे ज्यादा बढ़ा वायु प्रदूषण

- आम तौर पर किदवई नगर में एक्यूआई सबसे कम दर्ज किया जाता है। लेकिन यहां सबसे ज्यादा प्रदूषण का ग्राफ बढ़ा। वायु प्रदूषण प्रदूषण मापन के लिए शहर के 3 प्रमुख निगरानी केंद्र एफटीआई किदवई नगर में 274, एनएसआई कल्याणपुर में 261 और नेहरू नगर में 223 का वायु गुणवत्ता का स्तर बुधवार को शाम 7 बजे तक दर्ज किया गया, जो खराब स्तर है। आतिशबाजी से निकले सूक्ष्म कण पीएम 2.5 और पीएम 10 अब हवा में घुलकर खतरनाक बना रहे हैं। ये कण फेफड़ों के अंदर तक जाकर सांस की नलियों को प्रभावित करते हैं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

समस्त जनपद वासियों को भैया दूज एवं छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
समर्थ हॉस्पिटल
हमारे यहाँ हर प्रकार के ऑपरेशन तथा हर प्रकार के मरीजों का इलाज उपलब्ध है।
डा० मिलन सचान
M.S., FAIS, FIAGES, FMAS
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
सभी इंश्योरेंस कार्ड से कैशलैस इलाज
नम्बर लगवाने के लिए सम्पर्क करें - 7081011022
3- कॉम 1/14 आवास विकास, अम्बेडकर पुरम, कानपुर
एलआईसी बिल्डिंग के सामने

सिटी ब्रीफ

पटाखा जलाने पर भिड़े पैर टूटा, सिर फटे

कानपुर। चकेरी के देवीगंज में पटाखा छुड़ाने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। देवीगंज के रहने वाले विकास पाल के अनुसार दीपावली की रात उनके पिता ओम, भाई राहुल, ललित समेत घर के लोग पटाखे छुड़ा रहे थे। तभी मोहल्ले के रहने वाले मुकेश, अन्नू, बाबू, घिसलू, अनिकेत व 8-10 अन्य लोग गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर सभी ने लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में ओमपाल का दाहिना पैर टूट गया, जबकि राहुल और ललित का सिर फट गया। पीटने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इसी तरह सनिगवां के चंद्रनगरी की चांदनी के अनुसार मंगलवार शाम उनके फूफा राजेंद्र, बुआ उर्मिला और उनका बेटा करन घर आए और उनकी बहन नैंसी को गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर तीनों ने मिलकर लाठी-डंडों से नैंसी की पिटाई कर दी। घायल नैंसी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बीमारी से परेशान युवक ने की आत्महत्या

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में बहन की ससुराल आए युवक ने बबूल के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच की। घाटमपुर के रामसारी गांव निवासी 20 वर्षीय रोहित सेन पश्चिम पारा के खड़गपुर में रहने वाली अपनी बहन चांदनी की सुसराल आया था। परिजनों ने बताया कि रोहित टीबी की बीमारी से पीड़ित था। उसका इलाज चल रहा था। बहन के अनुसार रोहित बुधवार सुबह बनपुरवा खरगपुर सोसाइटी के पीछे स्थित तालाब के किनारे पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। ग्रामीणों ने शव लटकता देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा।

सेंधमारी कर नकदी सामान ले गए चोर

कानपुर। रावतपुर स्थित गुप्ता कालोनी में बुधवार देर रात चोर ने एक घर में सेंधमारी कर नकदी, मोबाइल, कपड़े व कुर्सियां चोरी कर ले गए। संदेह होने पर परिजनों ने मोहल्ले के ही एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। उससे कुछ माल भी बरामद हुआ। गुप्ता कालोनी निवासी चंद्र भूषण व उनकी पत्नी संतारा देवी मंगलवार रात खाना खाने के बाद सो गए थे। सुबह उठने पर घर का सारा सामान बिखरा पाया। उन्होंने बताया कि चोर 10 हजार रुपये, मोबाइल, कपड़े, बैंक दस्तावेज और चार कुर्सियां ले गए हैं। पड़ोसियों ने बताया कि रात करीब तीन बजे मोहल्ले का युवक विजय उर्फ केकड़ घूम रहा था। परिजन आरोपी के घर पहुंचे तो वहां से मोबाइल और कपड़े मिले। इस पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया। रावतपुर पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

नौ के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई

कानपुर। जाजमऊ में बंटवारे को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। छबीलेपुरवा निवासी ननकी पत्नी राजू व लक्ष्मी का काफी समय से बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार दोनों पक्षों के के बीच कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हुई। एक दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया। बीच-बचाव में मोहल्ले के लोग भी घायल हुए। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

छह लाख की सुपारी देकर कराई थी ससुर की हत्या

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दामाद मोहित।

राजकुमार (मृतक)

- पत्नी के प्रेम संबंधों से आजिज दामाद ने शिकायत की तो ससुर ने दी थी धमकी
- हत्या के बाद जेके कैंसर संस्थान परिसर के गार्डनिंग एरिया में फिंकवाया था शव

> घर में आएदिन की कलह और पत्नी के कई प्रेम संबंधों से परेशान होकर किसान के दामाद ने हत्या कराई थी। उसने दो युवकों को सुपारी दी थी। हत्या के समय कुछ दूरी पर वह खुद मौजूद रहा। मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर हत्यारोपियों की तलाश की जा रही है।
>
> -श्रवण कुमार सिंह, डीसीपी सेंट्रल

अमृत विचार। औरैया के किसान की हत्या उसके दामाद ने ही छह लाख की सुपारी देकर कराई थी। जिसका खुलासा डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार ने किया। पुलिस पूछताछ में किसान के दामाद ने बताया कि उसकी पत्नी के तीन लोगों से प्रेम संबंध थे। आएदिन घर में कलह होती थी। उसने ससुर से इसकी शिकायत की तो उन्होंने जेल भिजवाने की धमकी दी थी। उसने बताया कि पत्नी को भी कार से कुचलवाने की योजना बनाई थी। लेकिन उससे पहले पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

मूलरूप से औरैया के बहादुरपुर सहार निवासी किसान राजकुमार सिंह राजावत की पत्नी अनीता देवी चेस्ट इंफेक्शन से पीड़ित हैं। वह करीब दो माह से मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती हैं। राजकुमार भी उनके साथ रहकर इलाज करा रहे थे। परिवार में बेटी नम्रता और बेटा विशाल है। नम्रता की बिधूना में ससुराल है और बेटा बिहार में नौकरी करता है। बीते की शुक्रवार रात राजकुमार पत्नी को दवा खिलाने के बाद खुद खाना खाने की बात कह कर निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। खोजबीन के बाद जब उनका कोई पता नहीं चला तो भांजे ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। स्वरूपनगर पुलिस उनकी तलाश में जुटी, इसी बीच तीसरे दिन रविवार सुबह जेके कैंसर संस्थान परिसर में राजकुमार का शव गार्डनिंग एरिया में पेड़ के नीचे मिला। राजकुमार के पेट पर चाकुओं के निशान थे। स्वरूपनगर पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम हत्या के खुलासे में लगी। एसीपी स्वरूपनगर सुमित सुधाकर रामटेके ने बताया कि टीम ने औरैया के बिधूना रतनपुर बंथरा से राजकुमार के दामाद मोहित तोमर को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ में बताया कि 11 साल पहले उसकी शादी नम्रता से हुई थी। धीरे-धीरे पता चला कि पत्नी के तीन लोगों से प्रेम संबंध हैं। जब विरोध किया तो आएदिन विवाद होने लगा। उसने ससुर राजकुमार से शिकायत की तो उल्टा उसे ही जेल भिजवाने की धमकी दी। इसके बाद ससुर 22 जून को उसके घर से जेवर भी उठा ले गए थे। इसके बाद उसने हत्या की योजना बनाई और बिधूना के ऋषभ को छह लाख रुपये में सुपारी दी। जिसके बाद ऋषभ और उसके साथी ने चाकू से गोदकर ससुर की हत्या कर दी। हत्यारोपित दामाद मोहित ने बताया कि जब दोनों हत्या कर रहे थे तब वह दूर खड़े होकर देख रहा था। अगर वह पकड़ा न जाता तो पत्नी को कार से कुचलवाकर मरवाता।

जाजमऊ में पकड़े गए तीनों हत्यारोपी। अमृत विचार

युवक की हत्या में तीन आरोपी गए जेल

कानपुर। जाजमऊ में बीती 21 जुलाई की देर रात युवक की गला रेतकर की गई हत्या में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बाजपेई नगर में ऊंचा टीला निवासी 20 वर्षीय लोडर चालक अरबाज खान 21 जुलाई की रात मोबाइल पर बात करने के बाद घर से निकला था। जिसके बाद दूसरे दिन 22 जुलाई को उसका का शव घर से 100 मीटर दूर गंगा किनारे पड़ा मिला था। जिसके बाद पुलिस ने उसके पिता रियाज की तहरीर पर इलाके के समीर, शोएब, अरमान, मुस्लिम और मुख्तार समेत उसके अन्य साथियों के खिलाफ रंजिश के चलते हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपी शोएब और समीर को आलाकत्ल के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। अन्य की तलाश की जा रही थी। थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी अरमान कटी, मुस्लिम मियां और मुख्तार को प्योंदी गांव से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

12वीं के छात्र ने फांसी लगाकर दे दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर में 12वीं के छात्र ने अपनी जिद के चलते फांसी लगाकर की आत्महत्या कर ली। कल्याणपुर कला निवासी 18 वर्षीय शशांक पांडेय क्षेत्र के राधा-कृष्ण इंटर कालेज से बारहवीं का छात्र था। उसकी मां जब वह एक साथ का था छोड़ गई थी, पिता जय नारायण की चार साल पहले मौत हो चुकी है। मूलरूप से मंधना के इटरा के रहने वाले उसके बाबा जगदीश नारायण व दादी सुमित्रा ने ही उसकी देखभाल करते थे। परिजनों के अनुसार शशांक काफी जिद्दी था। चार दिन पहले उसकी कार पर मामूली खरोंच आ गई थी। इस पर उसने जिद करके तीसरे दिन ही नई वैगनार कार निकलवाई थी। पुराना मोबाइल तोड़ दिया और 50 हजार का खरीदा था। उसके बाद भी किसी बात की जिद कर रहा था। मंगलवार को उसने खाना नहीं खाया। दादी के पूछने पर चिल्लाने लगा तो वह घर के बाहर जाकर बैठ गईं। इस पर शशांक ने कमरे में फांसी लगा ली।

शशांक पांडेय।

बंद मकान से चार लाख की चोरी

कानपुर। रावतपुर के विनायकपुर इलाके में चोरों ने एक बंद मकान के ताले तोड़कर चार लाख का माल पार कर दिया। बुधवार को बेटी के घर से लौटे पीड़ित ने पुलिस को चोरी की सूचना दी।

विनायकपुर निवासी कृष्ण बाबू सक्सेना आयकर विभाग से सेवानिवृत्त हैं। परिवार में उनके अलावा एकलौती बेटी हैं। उन्होंने बताया कि छह माह से वह आगरा निवासी बेटी के पास रह रहे थे। दीपावली के बाद बुधवार को वह घर लौटे तो मकान का ताला टूटा पाया। अंदर कमरों में जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। उन्होंने बताया कि मकान की देखरेख के लिए वह कभी-कभी आते थे।

बहुमंजिली इमारत समेत 20 से अधिक क्षेत्रों में लगी भीषण आग

साकेत नगर में दीप सिनेमा के सामने बिल्डिंग में शोले भड़के

कार्यालय संवाददाता ,कानपुर

साकेत नगर में फ्लैट में भड़क रहे शोले। अमृत विचार

- 80 फिट रोड जवाहरपुरम, श्यामनगर , बाइक गोदाम में आग

अमृत विचार। दीपावली पर छोड़े गए पटाखों के कारण शहर में 20 से अधिक आग की घटनाएं हुईं। जिसमें साकेत नगर स्थित कंजरनपुरवा में फायर ब्रिगेड की तत्परता से बहुमंजिली इमारत में बड़ा हादसा बच गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने दीपावली को देखते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में दमकल की गाड़ियों को तैनात कर रखा था। मंगलवार से बुधवार की सुबह 6 बजे तक अग्निशमन की गाड़ियों ने 17 जगह आग पर काबू पाया।

बुधवार को सुबह 10 बजे कंजरपुरवा साकेत नगर में बहुमंजिली इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लगी। इसी प्रकार शिवम इन्कलेव 769 साकेत नगर के दूसरी मंजिल पर फ्लैट नंबर 303 में आग लगी। घटना की जानकारी मिलते ही किदवई नगर, फजलगंज समेत कई फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बुधवार को देर शाम नौबस्ता हाईवे पर सीओडी की भूमि पर कूड़े में भीषण आग लगी जिसके शोले दूर तक देख गये। साकेत नगर में दीप सिनेमा के सामने बिल्डिंग में आग लगी। शुभम ए जर्नी ऑफ फूड नगर निगम मार्केट शॉप नंबर 01 रेस्टोरेंट में आग लगी। रेस्टोरेंट के बगल में स्थित शॉप नंबर 2 आशीष वाजपेयी की बैट्री की दुकान के साथ ही चाय की दुकान भी आग की चपेट में आई। मंगलवार रात 11.30 बजे ओसियन ग्रैंड होटल साकेत नगर के पास मोटर साइकिल के गोदाम में आग लगी। बुधवार दोपहर 1 बजे जूही स्थित परमपुरवा में पान की गुमटी में आग लगी। चकेरी क्षेत्र के 80 फिट रोड, जवाहर पुरम, श्याम नगर में एक मकान में आग लगी। इन सभी आग पर फायर ब्रिगेड के जवानों ने काबू पाया।

पटाखा दुकान में आग से हड़कंप

कल्याणपुर। रावतपुर के केशवपुरम पटाखा बाजार स्थित एक दुकान में मंगलवार रात आग लग जाने से वहां रखें पटाखे धू-धू कर जल उठें। दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण जलते हुए रॉकेट का दुकान के अंदर ब्लास्ट होने को बताया जा रहा है। रावतपुर के केशवपुरम स्थित पार्क में पटाखों की 29 दुकानें लगाई गई थी। मंगलवार रात योगेश दुबे की दुकान पर जलता हुआ रॉकेट गिरने से आग लग गई। देखते ही देखते पटाखे की तड़तड़ाहट से बाजार में अफरा तफरी मच गई। अन्य दुकानदारों ने आनन - फानन आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर पहुंची पलिस व दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दुकान में रखा समान खाक हो चुका था।

सड़क पर गाय और गाड़ी

लाल बंगला ओम पुरवा में बेसहारा पशुओं की भरमार है। यहां सड़क पर सैकड़ों पशु टहलते मिल जाएंगे। नियमत: तो उन्हें पकड़कर गोशालाओं में भेजा जाना चाहिए लेकिन नगर निगम की लापरवाही के कारण ही पशु पालक उन्हें दूध निकालने के बाद छोड़ दे रहे हैं। उन पर जुर्माना भी नहीं लगा रहे हैं। ● अमृत विचार

भाइयों के झगड़े में बचाने पर चाकू मारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पेट पर किए कई वार, युवक की हालत गंभीर, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार। रायपुरवा में दो भाइयों के बीच विवाद निपटाने पहुंचे युवक को आरोपियों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। चीख सुनकर पहुंचे परिजनों को देखकर आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को हैलट में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर है। एसीपी अनवरगंज ने बताया कि आरोपी भाइयों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अफीम कोठी राखी मंडी निवासी सौरभ के अनुसार मंगलवार रात करीब 10 बजे घर के समीप सगे भाई विवेक व लक्की लड़ रहे थे। दोनों के बीच मारपीट देखकर उनका बड़ा भाई शुभम उर्फ कल्लू बीच-बचाव कराने पहुंचे तो आरोपियों ने उनसे गाली-गलौज कर मारपीट की। विवेक ने भाई को पकड़ लिया और लक्की ने उनके पेट पर चाकू से एक कई वार कर दिए। जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। चीख सुनकर इलाके के लोग व परिजन मौके पर पहुंचे। सूचना पर रायपुरवा पुलिस पहुंची और शुभम को हैलट में भर्ती कराया। एसीपी अनवरगंज अभिषेक कुमार राहुल ने बताया कि तहरीर के आधार पर सगे भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

सभी फ्लाइट का शिड्यूल 26 से बदलेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दिल्ली और मुंबई की फ्लाइट डेली उड़ान रही
- हैदराबाद 4 दिन और बेंगलुरु 3 दिन फ्लाइट

अमृत विचार। सर्दी ने कानपुर में भी दस्तक दे दी है जिसके चलते कानपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइट की समयसारिणी 26 अक्टूबर 2025 से बदल जाएगी। इन सभी फ्लाइट का समय ऐसा रखा गया है कि दोपहर में ही आएंगी और कुछ समय में यहां से टेकआफ कर जाएंगी।

कानपुर एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए विमान सेवा है। दिल्ली और मुंबई के लिए प्रतिदिन उड़ान है जबकि हैदराबाद के लिए 4 दिन और बेंगलुरु के लिए 3 दिन उड़ान है। दिल्ली से उड़ान भरकर फ्लाइट दोपहर 2 बजे कानपुर आएगी और दोपहर 2.40 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। इसी प्रकार मुंबई से उड़ान भरकर दोपहर 2.35 बजे कानपुर में ये फ्लाइट लैंड करेगी और दोपहर 3.15 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरेगी। हैदराबाद की फ्लाइट प्रत्येक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को दोपहर 12.45 बजे कानपुर आएगी और दोपहर 1.25 बजे हैदराबाद के लिए उड़ान भरेगी। ऐसे ही बेंगलुरु की फ्लाइट प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को दोपहर 12.50 बजे कानपुर आएगी और दोपहर 1.25 बजे बेंगलुरु के लिए उड़ान भरेगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत, दो घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अभिषेक।

- महाराजपुर मोड़ पर सोमवार शाम हुआ हादसा, ट्रैक्टर छोड़कर चालक फरार

अमृत विचार। दीपावली की पूजन सामग्री और घरेलू सामान खरीदकर लौट रहे बाइक सवार चाचा और चचेरे भाइयों को विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर से टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि चाचा व भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया और हादसे की खबर परिजनों को दी।

महाराजपुर के सुभौली निवासी किसान चंद्रभान यादव का 18 वर्षीय एकलौता बेटा अभिषेक नौवीं का छात्र था। चंद्रभान के अनुसार परिवार में पत्नी नीतू व चार बेटियां अंजली, आकांक्षा, खुशी और सिब्बो हैं।

सोमवार देर शाम अभिषेक चचेरे भाई राज और चाचा शैलेंद्र के साथ बाइक से पूजन सामग्री व सब्जी लेने छतमरा गया था। घर लौटते समय शैलेंद्र बाइक चला रहे थे। तभी तिलसहरी से विपरीत दिशा में आ रहे ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया चालक नशे में था। शैलेंद्र ने कूदकर जान बचा ली, जबकि अभिषेक की मौके पर ही मौत हो गई। राज गंभीर रूप से घायल है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला।

महाराजपुर थाना प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि ट्रैक्टर कब्जे में लेकर चालक की तलाश में जा रही है। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

हेल्थ जोन | शहर को टीबी मुक्त बनाने के लिए शुरू होगा अभियान

दुबले-पतले और नशे का सेवन करने वालों की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मुख्य लक्षण

- तीन सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहना।
- खांसी के साथ खून या बलगम आना।
- सांस लेने या खांसने पर छाती में दर्द होना।
- अक्सर शाम के समय हल्का बुखार व ठंड लगना
- रात में बहुत पसीना आना।
- बिना किसी कारण के वजन में कमी होना।
- दिन भर थका हुआ व कमजोर महसूस करना।
- भूख न लगना।

ऐसे करें बचाव

- खांसते या छींकते समय अपने मुंह व नाक को ढकें।
- भीड़भाड़ वाली जगहों व सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनें।
- सार्वजनिक स्थानों पर खुले में न थूकें। ढक्कन वाले डिब्बे में ही थूकें।
- धूम्रपान से टीबी के संक्रमण का खतरा बढ़ता है, इसलिए इससे दूर रहें।
- संतुलित भोजन, ताजे फल, सब्जियां, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट शामिल करें।
- नियमित रूप से व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें।
- बच्चों को बीसीजी का टीका जरूर लगवाएं।
- टीबी के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

19

हजार से अधिक टीबी रोगी और पांच सौ एमडीआर ग्रस्त हैं जिले में

- समय-समय पर टीबी के रोगियों के परिजनों की जांच भी की जाएगी, दवा दी जाएगी

अमृत विचार। जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय उन्मूलन के तहत एक अभियान का संचालन किया जाएगा, जिसके तहत दुबले-पतले, नशा करने वाले और जिनको खांसी की समस्या बनी रहती हैं, ऐसे लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। वहीं, समय-समय पर टीबी ग्रस्त मरीज के परिजनों की भी जांच होगी। जांच में रिपोर्ट निगेटिव आने पर भी टीबी मरीज के साथ रहने वाले लोगों को बचाव के लिए दवा उपलब्ध कराई जाएगी।

जिले में वर्तमान में टीबी के 19 हजार से अधिक रोगी और करीब पांच सौ एमडीआर ग्रस्त लोग हैं। यह आंकड़ा इससे अधिक न हो सके, इसलिए जिला क्षय रोग अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग एक अभियान का संचालन करेगा। अभियान के तहत दुबले-पतले, नशा करने वाले, लंबे समय से बीमार, लंबे समय से खांसी की समस्या, एचआईवी व एड्स ग्रस्त मरीजों की स्क्रीनिंग की जाएगी। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि टीबी एक संक्रामक रोग है, जो खांसने, छींकने या बात करने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए बचाव बेहद जरूरी हैं। सक्रिय टीबी में बीमारी के लक्षण दिखते हैं और यह दूसरों को संक्रमित कर सकते हैं। जबकि निष्क्रिय टीबी में बैक्टीरिया शरीर में मौजूद होते हैं, लेकिन कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं। जब तक जांच न हो यह स्पष्ट नहीं होता। इसलिए लोगों की स्क्रीनिंग कराना जरूरी है। इसके लिए टीम गठित की जा चुकी है। पूर्व में चले अभियान में के तहत करीब पांच हजार टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की गई थी। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में टीबी होने का जोखिम अधिक होता है।

वेतन न मिलने पर युवक ने दी जान

कानपुर। दीपावली पर मालिक ने भुगतान नहीं किया तो पत्नी व बच्चों का चेहरा देखकर मायूस युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। महाराजपुर के तिवारीपुर निवासी 45 वर्षीय राजकुमार किसानी के साथ मजदूरी भी करते थे। परिवार में पत्नी व एक बेटा हर्षित है। बेटे ने बताया कि सोमवार शाम को पिता जहां काम करते थे, वहां मालिक से पैसे लेने गए थे, लेकिन उन्होंने भुगतान नहीं किया। इस पर वह मासूस होकर लौटे। मां ने पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। कमरे में चले गए। इस पर मां समझ गई और कुछ कहा नहीं। कुछ देर बाद पिता ने कमरे का दरवाजा बंद लिया। खिड़की से झांककर देखा तो पिता का शव फंदे से लटक रहा था। यह देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

छात्रा से छेड़छाड़ और बैड टच का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीबीए की छात्रा को सरेराह रोककर छेड़खानी और फोन करके परेशान करने के आरोपी शोहदे को गिरफ्तार कर चकेरी पुलिस ने जेल भेजा है। छात्रा का आरोप है कि आरोपियों ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर उसकी गलत फोटो अपलोड की थी। हरकतों से परेशान होकर पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छेड़खानी का एक आरोपी पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

चकेरी की रहने वाले युवती के अनुसार वह रूमा स्थित एक कॉलेज से बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा है। उसने बताया कि सनिगवां अन्ना चौराहा निवासी शशांक अपने दोस्त आकाश शर्मा के साथ कई माह से उसे परेशान कर रहा था। कॉलेज के बाहर खड़े होकर आते-जाते समय उससे छेड़खानी और बैड टच करता था। आरोपियों ने उसका मोबाइल नंबर कहीं से हासिल कर लिया था। जिससे फोन करके परेशान करते और उसके नाम से फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बना लिया था। जिस पर उसकी एडिट फोटो अपलोड की। छात्रा के अनुसार आरोपियों की हरकतों से तंग आकर उसने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी शशांक को पहले ही जेल भेजा गया है। मंगलवार को आकाश शर्मा को सनिगवां रोड से गिरफ्तार कर जेल भेजा है। युवकों का साथ देने वाली महिला सुनीता की तलाश की जा रही है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

चांद नजर नहीं आया

कानपुर। बुधवार को जमादिल अव्वल का चांद नजर नहीं आया है। कौमी रुअते हिलाल कमेटी के अध्यक्ष एवं शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी, मरकजी रुअते हिलाल कमेटी के चेयरमैन शहरकाजी मौलाना मुश्ताक अहमद मुशाहिदी ने बताया कि शुक्रवार को जमादिल अव्वल की पहली तारीख होगी।

जीआरपी ने अपराधी को पकड़ा

कानपुर। स्टेशन के जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह की टीम ने काफी दिनों से फरार चल रहे जीआरपी थाने के वांछित शातिर अपराधी कप्तान सिंह निवासी ग्राम कुसरजापुर भोगनीपुर कानपुर देहात से उसके आवास पर छापा मारकर गिरफ्तार किया।

सेंट्रल स्टेशन पर कंट्रोल रूम

कानपुर। दीपावली से साथ साथ छठ पूजा के लिए रेलवे स्टेशनों पर उमड़ी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर कंट्रोल रुम बनाया गया है। जिसके जरिये यात्रियों को ट्रेन की पूरी जानकारी दी जा रही है।

सत्यापन शुरू

कानपुर। कानपुर स्मार्ट सिटी के अंतर्गत स्लम डेवलपमेंट परियोजना के तहत कराए गए पेयजल के कार्यों का सत्यापन शुरू हो गया। नगर आयुक्त ने जलकल महाप्रबंधक को अंतिम बीजकों के सत्यापन के लिए पत्र लिखा है और जल्द ही वित्तीय मिलान करने के निर्देश दिए हैं।

रिंग रोड पैकेज-3: चकेरी, कुलगांव, उचटी, छतमरा में 11.95 हेक्टेयर जमीन चिन्हित

अतिरिक्त जमीन का होगा अधिग्रहण

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) रिंग रोड पैकेज तीन के लिए अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण करेगा। इसके लिए चकेरी, कुलगांव, उचटी और छतमरा में 11.9544 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की गई। एनएचएआई की ओर से अधिसूचना भी जारी कर दी गई। अब जल्द ही मुआवजा निर्धारण की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा आपत्तियां भी ली जाएंगी।

शहर को जाम की समस्या को दूर करने के लिए एनएचएआई की ओर से चार पैकेजों में आउटर रिंग रोड को बनाया जाना है। इसमें पैकेज नंबर तीन में रमईपुर से आटा तक के बीच रिंग रोड बनाई जानी है। इस रोड को बनाने से पहले एनएचएआई की ओर से निर्धारित एजेंसी ने सर्वे किया तो यहां पर रैंप, इंटरचेंज, सर्विस रोड सहित अन्य निर्माण की जरूरत महसूस की। इसके बाद एजेंसी ने ही चकेरी, कुलगांव, उचटी और छतमरा में सर्वे कर 11.9544 हेक्टेयर जमीन को चिन्हित किया। इसके बाद रिपोर्ट एनएचएआई निदेशालय को भेजी। वहां से इसे स्वीकृति दे दी गई है। अब इन जगहों की जमीनों को खरीदा व बेचा नहीं जा सकता है।

रिंग रोड के लिए चल रहा काम। (फाइल फोटो)

- उचटी में सिर्फ 0.0716 हेक्टेयर कृषि भूमि का होगा अधिग्रहण, एनएचएआई ने जारी की अधिसूचना
- पैकेज नंबर तीन में रमईपुर से आटा तक के बीच रिंग रोड का निर्माण होना है

8 अक्टूबर को जारी की गई अधिसूचना

- एनएचएआई के निदेशक शेख अमीनखान की ओर से आठ अक्टूबर को अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अब जिले स्तर से कमेटी गठित कर इन जमीनों का सर्किल रेट के हिसाब से मुआवजा तय किया जाएगा।

पैकेज तीन में कुछ अतिरिक्त जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है। इसको लेकर अधिसूचना जारी की गई है। अब मुआवजा के निर्धारण जिला प्रशासन की ओर से किया जाएगा।

– पंकज यादव, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

केडीए की सबसे ज्यादा जमीन का अधिग्रहण

एनएचएआई के सर्वे में छतमरा में केडीए की सबसे ज्यादा जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है। चकेरी में केंद्रीय प्रतिरक्षा विभाग की 0.0846 हेक्टेयर, जिला सड़क बोर्ड की 0.0229, केडीए की 0.1415 हेक्टेयर, इसी तरह कुलगांव में केडीए, नगर महापालिका और उचटी में सिर्फ 0.0716 हेक्टेयर जमीन का ही अधिग्रहण होगा। एनएचएआई की ओर से टू ए और टू बी के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। जबकि पैकेज एक की चार जुलाई को अधिसूचना जारी कर दी गई थी।

जोधपुर से कोलकाता के मध्य गोविंदपुरी होते हुए स्पेशल ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ पूजा पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने गोविंदपुरी (कानपुर) होते हुए जोधपुर से कोलकाता के मध्य स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि जोधपुर से प्रत्येक शुक्रवार एवं कोलकाता से प्रत्येक रविवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 08737 जोधपुर से रात 10.30 बजे रवाना होगी। मकराना रात 1.20 बजे, जयपुर रात 3.40 बजे, भरतपुर सुबह 6.28 बजे, ईदगाह (आगरा) सुबह 7.20 बजे, टूंडला सुबह 8.40 बजे, इटावा सुबह 10 बजे, गोविंदपुरी दोपहर 2.10 बजे, सूबेदारगंज (प्रयागराज) सायं 6.10 बजे, सासाराम रात 11.52 बजे, पारसनाथ रात 3.55 बजे, कोलकाता दोपहर 12.25 बजे पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 04838 कोलकाता से दोपहर 3.25 बजे रवाना होगी। सासाराम सुबह 4.52 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन सुबह 6.10 बजे, गोविंदपुरी दोपहर 1.55 बजे, इटावा दोपहर 3.25 बजे, टूंडला सायं 5.20 बजे, ईदगाह सायं 6.10 बजे, भरतपुर सायं 7.20 बजे, गांधी नगर जयपुर रात 10.55 बजे, मकराना रात 00.54 बजे, जोधपुर मंगलवार को सुबह 4 बजे पहुंचेगी।

सेंट्रल स्टेशन से आज उधना के लिए विशेष ट्रेन: त्योहारों पर उमड़ी यात्रियों की भीड़ को देखते हुए सेंट्रल स्टेशन होते हुए वाराणसी से उधना के लिए रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को केवल एक दिन के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस गाड़ी में 18 साधारण डिब्बे होंगे और 2 पार्सल कोच होंगे।

गाड़ी संख्या 05039 बनारस से बुधवार 22 अक्टूबर को रात 11.45 बजे रवाना हुई है, ये ट्रेन सुबह 11.35 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचेगी और 10 मिनट रुकने के बाद रवाना होगी। टूंडला दोपहर 2.40 बजे, ईदगाह (आगरा) सायं 4 बजे, कोटा रात 9.05 बजे, रतलाम रात 2.10 बजे, उधना शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे पहुंचेगी।

कई ट्रेनों में बर्थ उपलब्ध

दीवाली एवं छठ पर्व के चलते यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा चलाई गई कई विशेष ट्रेनों में बर्थ उपलब्ध हैं। उत्तर मध्य जोन के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि गाड़ी संख्या 02417 प्रयागराज से दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल में 31 अक्टूबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक विभिन्न तारीखों में प्रथम एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं 3 ई श्रेणियों में सीटें उपलब्ध हैं। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02275 सूबेदारगंज से दिल्ली स्पेशल में 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक सभी श्रेणियों में बर्थ उपलब्ध हैं। गाड़ी संख्या 04123 प्रयागराज से हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन में 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक एवं 02 नवंबर 2025 को थर्ड एसी, स्लीपर में बर्थ उपलब्ध हैं। यात्री इन विशेष ट्रेनों का लाभ उठाते हुए अपनी यात्रा अग्रिम रूप से सुनिश्चित करें और भीड़भाड़ से बचें।

झकरकटी बस अड्डे पर लावारिस सामान की छानबीन करती टीम अमृत विचार

बस अड्डे पर मिले लावारिस सामान की चेकिंग की गई

सतर्कता

- एक यात्री सामान छोड़कर पानी लेने चला गया था
- सेंट्रल पर भी ट्रेनों के अंदर प्लेटफार्मों पर लगेज की तलाशी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बुधवार को बम निरोधक दस्ता, डाग स्क्वायड ने सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों, प्लेटफार्मों पर छानबीन की और शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर एक लावारिस बैग की जांच की।

बुधवार को बम निरोधक दस्ता प्रभारी अवधेश कुमार त्रिपाठी की अगुवाई में टीम झकरकटी बस अड्डा पर दोपहर में पहुंची और बस अड्डा के चप्पे-चप्पे पर छानबीन शुरू की। इसी दौरान बस अड्डा के पीछे साइड में कई लगेज लावारिस मिला। बम निरोधक दस्ता की टीम ने सामान को पहले मेटल डिटेक्टर एवं डाग स्क्वायड के जरिये चेक किया और फिर यात्रियों से पूछा कि ये सामान किसका है लेकिन कोई बताने को तैयार नहीं था। तभी एक यात्री दौड़ता हुआ आया और बताया कि ये सामान उसका है, वह पानी लेने के लिए दुकान पर गया था। इसी प्रकार बुधवार को सेंट्रल स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों की टीम ने छानबीन की। कई संदिग्ध लगेज की तलाशी ली और मेटल डिटेक्टर से चेक किया। स्टेशन के सभी प्लेटफार्म के अतिरिक्त सिटी साइड व कैंट साइड में पार्सलघर में भी मेटल डिटेक्टर एवं डाग स्क्वायड ने चप्पे चप्पे में छानबीन की।

गुरुचरण पादुका यात्रा का होगा भव्य स्वागत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिख समाज की आस्था और श्रद्धा से जुड़ी गुरुचरण पादुका यात्रा 28 अक्टूबर को शहर पहुंचेगी। भाजपा यात्रा का भव्य स्वागत जाजमऊ से लेकर फतेहपुर तक करेगी। मार्ग में जगह-जगह तोरण द्वार बनाए जाएंगे जिसमें भाजपा कार्यकर्ता उत्साह एवं श्रद्धा के साथ यात्रा में सम्मिलित होंगे। बुधवार को यात्रा के स्वागत एवं अभिनंदन की तैयारियों को लेकर भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि गुरु गोविंद सिंह जी महाराज एवं माता साहिब कौर के पावन चरण कानपुर की धरती पर आ रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता पूरे क्षेत्र में यात्रा के स्वागत में तन, मन और धन से सहभागी होंगे। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यात्रा के पड़ावों पर सिख समाज के साथ मिलकर स्वागत की तैयारियां करें। कानपुर उत्तर, कानपुर दक्षिण, फतेहपुर एवं कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के जिन-जिन जिलों से यह यात्रा गुज़रेगी, वहां भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता श्रद्धापूर्वक स्वागत-अभिनंदन करें। बैठक में जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार अजीत सिंह छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खतरे की डगर पर ट्रेन में सफर

यात्रियों का दर्द बयां कर रही विचलित करतीं तस्वीरें। छठपूजा का त्योहार मनाने विभिन्न प्रांतों से अपने-अपने घरों को जाने वाले यात्रियों को ट्रेन में जगह मुहैया नहीं हो पा रही। यात्रियों को कठिनाई, पीड़ादायी मुश्किलों भरा ट्रेन में सफर करना पड़ रहा। डिब्बे में यात्रियों के सिर के ऊपर कपड़े का झूला बनाकर बैठा यात्री। ट्रेन की सीढ़ियों पर बच्चे को लेकर लटकी महिला तथा शौचालय के अंदर परिवार के साथ बैठकर सफर करने को यात्री मजबूर हैं।

– मनोज तिवारी

लइया गट्टा पार्टी में भाजपाई इकट्ठा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दीपावली की परेवा पर बुधवार को विधायक महेश त्रिवेदी के आवास पर दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। पारंपरिक लईया-गट्टा पार्टी के रूप में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, सांसद, साधु-संत समेत भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दीपावली मिलन समारोह में अतिथियों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं, साथ ही चाट बतासे मटर पापड़ी का भी लुत्फ लिया। चैतन्य अरुण पुरी महाराज, गोविंददास जी महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं ने दीपावली की समृद्धि, सुख-शांति के लिए आशीर्वाद दिया। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, शिवराम सिंह, महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता, अनूप अवस्थी, मोनू पांडेय, नीरज गुप्ता, रीता शास्त्री समेत अन्य लोग रहे।

भाजपाइयों ने दीपावली मिलन समारोह मनाया। अमृत विचार

स्वतंत्रता सेनानियों के किस्से बच्चों को जरूर सुनाएं

कानपुर। महान क्रांतिकारी शहीद अशफाक उल्ला खान ने काकोरी में अपने साथियों के साथ अंग्रेजों का खजाना लूट लिया था जिससे अंग्रेज बौखला गये थे। क्रांतिकारी ने अपने मुल्क को आजाद कराने के लिए अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिये थे और हंसते हुए फांसी के फंदे को चूमा था।

बुधवार को कुलहिंद जमीअतुल अवाम द्वारा कुलीबाजार में महान क्रांतिकारी शहीद अशफाक उल्लाह खान की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता नायब सदर कारी आरिफ रजा कादरी ने की। संस्था के महामंत्री महबूब आलम खान ने कहा कि क्रांतिकारी शहीद अशफाक उल्ला खान ने इस देश को अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से छुड़ाने के लिए लड़ाई लड़ी जिसमें चर्चित मामला अपने साथियों के साथ काकोरी खजाना लूटना था जिससे अंग्रेज बौखला गए थे। जमीअतुल आवाम के नायब सदर कारी आरिफ रजा कादरी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें इन महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के किस्से अपने बच्चों को जरूर सुनाना चाहिए जिससे वह यह समझ सकें कि हमें इस मुल्क की आजादी कितने बलिदान के बाद मिली। मोहम्मद शाहिद खान, मोहम्मद फैजान खान, हाफिज दानिश बरकाती, अच्छे कानपुरी, शारिक सिद्दीकी, वसीम खान, मोहम्मद सरताज, मौलाना जाकिर हुसैन, इस्लाम खां आजाद, मोहम्मद शफीक, तारिक, गुड्डू, सलाउद्दीन, मोहम्मद उस्मान आदि मौजूद रहे।

डीसीपी ट्रैफिक के साथ निरीक्षण करते व्यापारी। अमृत विचार

थोक बाजारों को जाम से राहत दिलाने का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर की थोक बाजारों के जाम को दूर करने का प्रयास शुरू हो गया है। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस और व्यापारियों ने परेड से लेकर घंटाघर तक सर्वे किया। इसके अलावा झकरकटी बस अड्डे तक जाम की वजह जानी गई। इस दौरान व्यापारियों की मांग पर बादशाहीनाका कट को खोले जाने के लिए भी व्यापारियों से सुझाव दिए।

ट्रैफिक पुलिस और व्यापारियों के सर्वे के दौरान मुख्य रूप से बादशाहीनाका कट पर मौके पर ही चर्चा हुई। इस दौरान फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल और कानपुर युवा उद्योग व्यापार के अध्यक्ष आयुष द्विवेदी ने अधिकारियों को कट के बंद होने से थोक बाजारों की समस्याएं बताईं। कहा कि पूर्व में भी बादशाहीनाका चौराहे का कट बंद है। इस कट के बंद होने से कपड़ा बाजार, लोहा बाजार, बान बाजार, बरतन बाज़ार, मनी राम बगिया, इलेक्ट्रिक बाज़ार, खोया बाज़ार सीधेतौर पर प्रभावित है। कट के बंद होने से हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। लगभग 5 हजार व्यापारी हैं जो इस कट के बंद होने से सीधेतौर पर प्रभावित हैं। कट के बंद होने से दुकानों पर माल आगे से घुमा कर लाना पड़ता है जिससे सड़क पर कई जगहों पर जाम लगता है। डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने रोड का सर्वे कर कट की समस्या समझी। इस दौरान रोहित अरोड़ा, करण राज जैन वोहरा, असीम गुप्ता मौजूद रहे।

घंटाघर से झकरकटी तक निरीक्षण

सर्वे के दौरान ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों ने घंटाघर से झकरकटी बस अड्डे तक निरीक्षण किया। इस दौरान व्यापारी भी उनके साथ रहे। इस निरीक्षण में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र ने सुझाव दिया कि टाट मिल से घंटाघर आने पर डिवाइडर के बीच का हिस्सा थोड़ा आगे बढ़ाकर इस रास्ते को खोलने की मांग की। कहा कि इससे जाम में राहत मिलेगी। इसके बाद टाट मिल चौराहे पर पहुंचे अधिकारियों ने जाम की समस्या को देखा और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के कहने पर झकरकटी बस अड्डे पर जाकर वहां पर पुल पर खड़ी हुई बसों को हटाने के लिए कहा। बस अड्डे के स्टेशन अधीक्षक को यह भी कहा कि भविष्य में पुल व सड़क पर बसें न लगाई जाए। इससे जीटी रोड पर जाम लगता है।

कारोबार अमेरिकी टैरिफ की मार के बाद से निर्यातक नए बाजार की कर रहे तलाश

हॉलैंड और फिनलैंड में लेदर उत्पाद जाने की उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के निर्यातकों ने नए वैश्विक बाजार से कारोबार करने का सिलसिला शुरू कर दिया है। इन देशों में खासतौर पर हॉलैंड और फिनलैड जैसे देश प्रमुख हैं। यहां सैंपल मंगवाए जाने शुरू हो गए हैं।

शहर से लगभग 25 सौ करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार अमेरिका की बाजार से होता था। अमेरिका की ओर से टैरिफ व अन्य शुल्क लगाए जाने के बाद यह निर्यात बाजार लगभग 60 फीसदी प्रभावित हुआ था। इसके बाद निर्यात बाजार को संभालने के लिए शहर के निर्यातकों ने नए देशों के खरीदारों की ओर रुख किया। लगभग 4 महीनों की कवायद के बाद अब उसका परिणाम सामने आने लगा है। फिलहाल नए विदेशी खरीदार लेदर के छोटे उत्पाद जैसे बेल्ट, जूते, पर्स व फैंसी आइटम की बाजार में शहर के निर्यातकों को प्रवेश दिए जाने को तैयार हुए हैं। शहर से इन देशों के खरीदारों ने उत्पादों के सैंपल मंगवाए हैं। सना इंटरनेशनल एक्जिम के एमडी डॉ. जफर नफीस ने बताया कि नए देशों के खरीदारों की ओर से लेदर के उत्पादों का सैंपल मांगा जाना निर्यात कारोबार को बढ़ावा देने का संकेत हैं। लेदर उत्पादों के निर्यातकों को सरकार की ओर से भी नए देशों के साथ कारोबार बढ़ाने के लिए सहयोग व सुविधाएं दी जा रहीं है। हम लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही इन देशों से ऑर्डर आने के साथ ही नई जमींन पर निर्यात कारोबार को बढ़ावा मिल सकेगा।

80 करोड़ के ऑर्डर पर भेजे गए सैंपल

25 सौ करोड़ का बाजार टैरिफ से असर

06 देशों के खरीदारों के साथ चल रही बातचीत

60% निर्यात कारोबार सीधा प्रभावित

इन देशों से भी बातचीत

शहर के निर्यातक और भी कई नए देशों के खरीदारों से लेदर उत्पादों के निर्यात कारोबार बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इन देशों में फिनलैंड, आयरलैंड, पॉलैंड, आइसलैंड, सहित अन्य देश शामिल हैं। निर्यातकों की ओर से माना जा रहा है कि इन देशों से भी जल्द ही सैंपल मांगे जा सकते हैं। इन देशों के खरीदारों का सबसे अधिक रुझान शहर के लेदर के खिलौने व सिक्योरिटी आइटम की ओर हैं।

चीन से सीधा मुकाबला

- नए देशों में निर्यात कारोबार को बढ़ाए जाने में चीन के कारोबारी सबसे बड़े प्रतिद्वंदी बनकर उभर रहा है। ऐसे में बाजार बढ़ाने की मजबूरी के चलते शहर के निर्यातक चीन के कारोबारियों से बेहतर गुणवत्ता और डिजाइन के साथ अपने उत्पादों को वहां के खरीदारों के सामने प्रदर्शित कर रहे हैं। नई बाजार में प्रवेश करने के लिए शहर के निर्यातक पिछली बार से तुलना में कई विदेशी खरीदारों के सामने कम दामों पर भी अपने उत्पादों को ऑफर कर रहे हैं।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सिटी ब्रीफ

गुरुद्वारा में गुरुता गद्दी दिवस 25 व 26 को

कानपुर। गुरुद्वारा भाई बन्नो साहिब में इस बार 317 वां गुरुता गद्दी दिवस आगामी 25 व 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब प्रचार सभा द्वारा ये कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें पंथ प्रसिद्ध हजूरी रागी दरबार साहिब भाई साहब सतनाम सिंह कोहडका जी एवं कथा वाचक ज्ञानी सुरजीत सिंह (हेड ग्रंथी गुरुद्वारा शहीदगंज अमृतसर) वाले विशेष तौर पर शिरकत करेंगे। गुरुद्वारा में 25 अक्टूबर को शाम से गुरमत दीवान सजेगा जबकि 26 अक्टूबर को दीवान नितनेम के उपरांत दोपहर 2 बजे तक चलेगा। शाम का दीवान रात 11 बजे तक चलेगा।

पटाखे जलाते समय झुलसे कई लोग

कानपुर। दीपावली पर पटाखे जलाते समय अलग अलग घटनाओं में दो दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। कुछ ने निजी अस्पतालों तो कुछ ने हैलट और उर्सला में इलाज कराया। अधिकतर को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि पटाखों से किसी का हाथ, किसी का चेहरा तो किसी की आंख झुलसी। कई की आंखों में जख्म हो गए। झुलसे घायलों में बच्चों की संख्या अधिक है।

महिला कंडक्टरों का सम्मान।

बस अड्डे पर महिला कंडक्टरों का सम्मान

कानपुर। शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर महिला कंडक्टरों को सम्मानित किया गया। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक पंकज तिवारी द्वारा कंडक्टरों को संकल्प दिलाया गया कि यात्रियों हर संभव यात्रा में मदद करेंगी। इस दौरान बस अड्डा की माधुरी, ममता आदि मौजूद रहीं।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

संवरने लगे घाट

21 घाटों पर होगा छठ मइया का पूजन

05 लाख से अधिक लोग करेंगे छठ पूजन

छठ पूजा की तैयारियां तेजी से शुरू हो गई हैं। 25 अक्टूबर को नहाय खाय के साथ यह महापर्व शुरू होगा। 26 को खरना के साथ व्रत की शुरुआत होगी तो 27 अक्टूबर को व्रती महिलाएं घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर छठ मइया का पूजन करेंगी। इस व्रत का पारण 28 अक्टूबर को होगा। इस दिन उदय होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ मइया के पूजन के लिए घाटों पर वेदियां बनाने का काम शुरू हो गया है तो पानी में बेरीकेडिंग भी की जा रही है ताकि कोई श्रद्धालु डूब न जाए। कई जगह कृत्रिम तालाब भी बनाए जा रहे हैं। ● अमृत विचार

छठ पूजन में बनेगा इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर

छठ पूजा तैयारियों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, पूजन कमेटियों ने जिलाधिकारी को बताईं समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छठ पूजन की तैयारियों को देखने के लिए बुधवार को जिलाधिकारी ने छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाटों व नहर किनारे अधूरी तैयारियों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान छठ पूजन कमेटियों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को समस्याएं भी बताईं।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने पनकी नहर, अरमापुर नहर तथा सीटीआई नहर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी नगर डॉ. राजेश कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी छठ पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट व नोडल अधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि छठ पूजा के अवसर पर जनपद के सभी प्रमुख पूजा स्थलों पर इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर स्थापित किया जाए, जिसमें पुलिस, केस्को, नगर निगम, सिंचाई, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ पूजा स्थलों पर मेडिकल कैंप लगाए जाएं तथा अतिरिक्त एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आसपास के अस्पतालों को एक्टिव मोड पर रखा जाए। उन्होंने अपर नगर आयुक्त नगर निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी छठ पूजा स्थलों पर अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए तथा विद्युत बैकअप की भी व्यवस्था सुनिश्चित रहे। जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए कि सभी प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी लगाया जाए जिससे समन्वय में कोई असुविधा न हो।

घाटों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

घाटों पर हैं अभी कई समस्याएं

- छठ पूजा कमेटी भोजपुरी महासभा केंद्रीय छठ पूजा समिति के अध्यक्ष संतोष गहमरी ने जिलाधिकारी पूजन की तैयारियों के अधूरा होने की बात कही। कहा कि घाटों पर भीषण गंदगी रोड पैचवर्क लाइट की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा कृत्रिम तालाबों पर पानी की व्यवस्था नहीं है। इस दौरान बिल्लू ठाकुर, उदय सिंह, मनीष राजपूत, प्रभात पाल सहित अन्य मौजूद रहे।

एसआईआर : कागजात मुकम्मल रखें मुसलमान

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

● शहरकाजी मौलाना अब्दुल कुद्दूस ने जारी की गाइड लाइन

अमृत विचार। जमीअत उलमा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने बैनर पोस्टर में गाइड लाइन जारी कर मुसलमानों से कहा है कि अपनी शहरियत के कागजात दुरुस्त कर लें। बिहार में सर्वे चल रहा है और अब उत्तर प्रदेश का नंबर आने वाला है।

जमीअत उलमा की जानिब से सोशल मीडिया पर भी इस संबंध में गाइड लाइन जारी की गई। शहरकाजी का कहना है कि चुनाव आयोग के जरिये मतदाता सूची का एसआईएस का पहला चरण 1 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक चल रहा है। मतदाता सूची का ये पहला चरण बहुत महत्वपूर्ण है। ये राष्ट्रीय कार्य है, इसमें चुनाव आयोग की भरपूर मदद करें। इस सर्वे की विशेष बातें इस प्रकार हैं।

चुनाव आयोग द्वारा मान्य दस्तावेज

- केंद्रीय, राज्य, सार्वजनिक उपक्रम के लिए नियमित कर्मचारी, पेंशनभोगी की निर्गत कोई पहचानपत्र, पेंशन भुगतान आदेश, (पीपीआ), सरकारी, स्थानीय प्राधिकरण, बैंक, डाकघर, एलआईसी, सार्वजनिक उपक्रम द्वारा भारत में 1 जुलाई 1987 से पहले जाकी किया गया कोई भी पहचानपत्र, प्रमाणपत्र, दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड,विवि से जारी प्रमाणपत्र आदि प्रमुख हैं।

शहरकाजी बोले-इसे गौर से पढ़ें

- 2003 की वोटर लिस्ट से 2025 तक वोटर लिस्ट का मिलान होगा। जिनका नाम 2003 और 2025 की वोटर लिस्ट में होगा, उनका नाम वोटर लिस्ट में स्वत: आ जाएगा। ऐसे वोटर्स को सिर्फ एन्युमेरेशन फार्म भरना होगा। इसके अलावा वोर्टस को चार श्रेणियों में उनकी जन्मतिथि के हिसाब से बांटा गया है।
- **पहली श्रेणी :** जिनकी पैदाइश 1 जुलाई 1987 से पहले हुई है और जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में है, ऐसे वोटर्स को सिर्फ एनुमेरेशन फार्म भरकर बीएलओ को देना होगा और दस्तावेज के रूप में 2003 की वोटर लिस्ट की भाग संख्या, पोलिंग स्टेशन नंबर, अपना सीरियल नंबर एनुमेरेशन फार्म भरना होगा।
- **दूसरी श्रेणी :** जिनकी पैदाइश 1जुलाई 1987 से पहले हुई है लेकिन 2003 की वोटर लिस्ट में नाम नहीं है तो ऐसे वोटर को अपनी जन्मतिथि/ जन्मस्थान के लिए चुनाव आयोग द्वारा जारीकर्ता सूची से कोई दस्तावेज जमा करना होगा।
- **तीसरी श्रेणी :** जिनकी पैदाइश 1 जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच हुई है, ऐसे वोटर को अपनी जन्मतिथि/ जन्मस्थान और अपने मां-बाप में किसी एक की जन्मतिथि या जन्म स्थान के लिए चुनाव आयोग द्वारा जारीकर्ता सूची से कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा।
- **चौथी श्रेणी :** जिनकी पैदाइश 2 दिसंबर 2004 के बाद हुई है, ऐसे वोटर को अपनी जन्मतिथि एवं जन्म स्थान के लिए चुनाव आयोग द्वारा जीरी सूची में कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा। साथ में मां बाप दोनों की जन्मतिथि और जन्म स्थान का दस्तावेज जमा करना होगा।

गोवर्धन का हुआ पूजन, अन्नकूट का प्रसाद बांटा

भौंती गोशाला में गोवर्धन पूजा हुई। अमृत विचार

इस्कॉन मंदिर में भी पूजन हुआ। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● इस्कॉन मंदिर में 1008 भोग से बने गोवर्धन का हुआ पूजन

अमृत विचार। गोवर्धन पूजन पर्व पर बुधवार को प्रभु गोवर्धन का पूजन किया गया। पर्वत बनाने से पहले विभिन्न आकृतियां बनाई गईं। पूजन के बाद भक्तों ने आकृतियों को पर्वत का स्वरूप दिया। इस्कॉन मंदिर में 1008 भोग से गोवर्धन सजाए गए। इसी तरह कानपुर गोशाला सोसाइटी में पांच फुट ऊंचे गोवर्धन बनाकर पूजन किया गया। अन्नकूट का प्रसाद बांटा गया।

इस्कॉन मंदिर में भक्तों की ओर से प्रभु गोवर्धन का पूजन किया गया। भक्तों की ओर से यहां 1008 भोग के जरिये प्रभु गोवर्धन को बनाया गया। महोत्सव के बीच हुए हरिनाम संकीर्तन में माहौल में उत्साह भर दिया। इस्कॉन की ओर से मृदंग और शंख के बीच नृत्य कर रहे भक्तों के साथ आम भक्त भी जुड़े। इसी तरह कानपुर गौशाला सोसाइटी की ओर से भौंती में धूमधाम से गोवर्धन पर्वत गोमय से बनाकर पूजन किया गया। यहां पर पांच फिट ऊंचे गोवर्धन को जल, मौली, रोली, चावल ,फूल, दूध, दही को चढ़ाकर भक्ति प्रकट की गई। भक्तों की ओर से घी के दीपक जलाकर माहौल में भव्यत लाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपसभापति सुरेश गुप्ता ने की तथा संचालन पुरुषोत्तम लाल तोषनीवाल ने किया। कार्यक्रम में मंत्री कृष्ण गुप्ता बब्बू, शेषनारायण त्रिवेदी, श्याम कृष्ण कनोडिया सहित अन्य भक्त मौजूद रहे।

बीएनडी कॉलेज में नियुक्तियों के नाम पर घूसखोरी का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ब्रह्मानन्द महाविद्यालय (बीएनडी) में नियुक्तियों के नाम पर बड़े स्तर पर घूसखोरी और अनियमितताओं का आरोप लगा है। प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

पूर्व अस्थायी कर्मचारी शशांक शुक्ला ने खुद को पीड़ित बताते हुए आरोप लगाया है कि प्राचार्य ने उनसे स्थायी नियुक्ति दिलाने के लिए मोटी रकम ली, लेकिन बाद में वादे से मुकर गए। उनका आरोप है कि कॉलेज में 15 से 32 लाख रुपये तक लेकर कर्मचारियों की नियुक्तियां की जा रही हैं। इसके साथ ही प्राचार्य पर अपने परिवारजनों और संपर्क के लोगों को भर्ती कराने का भी गंभीर आरोप लगाया गया है। इस प्रकरण की जानकारी भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुदीप सक्सेना ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र से दी है। उन्होंने पत्र में कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग को जांच कर कार्रवाई की आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि कॉलेज में न केवल नियुक्तियों में गड़बड़ियां की गईं, बल्कि शैक्षणिक अनियमितताएं और वित्तीय भ्रष्टाचार भी खुले तौर पर हो रहा है।

नई पहल | तकनीक में होगा इजाफा, युवाओं को प्लेसमेंट के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा

एआईटीडी का दो संस्थाओं से एमओयू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डॉ अंबेडकर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलोजी फॉर दिव्यांगजन का दो संस्थाओं से एमओयू हुआ है। इस एमओयू के तहत संस्थान में तकनीकी सहायता हासिल करेगा। इसी तरह दूसरे एमओयू के जरिए संस्थान के युवाओं को रोजगार हासिल हो सकेगा।

संस्थान का पहला एमओयू एआईटीडी व मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी भोपाल के मध्य बीच हुआ है। इस एमओयू के तहत तकनीकी उत्थान के लिए दोनो संस्थान एक साथ काम करेंगे। जिससे दोनों संस्थान तकनीकी क्षेत्र में एक दूसरे का सहयोग प्राप्त कर सकेंगे। एमओयू के मुख्य उद्देश्यों में छात्र गतिविधियो को बढ़ावा देना ,शोध को बढ़ावा देना ,संयुक्त रूप से तकनीकी प्रोजेक्ट पर कार्य करना, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करना शामिल हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रों व तकनीकी पेटेंट में दोनों संस्थानों के शिक्षक सहयोग, छात्रों की इंडस्ट्रियल विज़िट व ट्रैनिंग आदि सम्मिलित है। इसके तहत दोनों संस्थानों के शिक्षक व छात्र मिलकर तकनीकी समस्याओं को हल कर सकेंगे। इसी तरह सस्टेनेबल एनर्जी, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट, अनेक प्रकार के कैमिकल व बायोकेमिकल प्रोसेस, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, समेत अन्य नवीन क्षेत्रों में शोध के लिए समझौता किया गया है। इसके साथ ही साथ उद्योगों में आ रही समस्याओं को भी दोनों संस्थान मिलकर सुलझा सकेंगे। दोनों संस्थानों के बीच एमओयू होने पर एआईटीडी कानपुर की निदेशक प्रोफ़ेसर रचना अस्थाना व एमएनएनआईटी भोपाल के निदेशक प्रो करूणेश कुमार शुक्ल ने प्रसन्नता व्यक्त की। इसी तरह दूसरा एमओयू एआईटीडी व सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फॉर इंपोवर्ड सोसाइटी (स्वदेश) के बीच हुआ है। स्वदेश, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा समर्थित भारतीय इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र कौशल परिषद का अधिकृत प्रतिनिधि है। इससे सैमसंग लिमिटेड की सीएसआर पहल के माध्यम से निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके माध्यम से संस्थान के छात्र-छात्राओं को सैमसंग कंपनी के प्रशिक्षकों द्वारा कोडिंग एन्ड प्रोग्रामिंग, एआई में छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग तथा प्लेसमेंट में भी सहायता की जाएगी। इस ट्रेनिंग के माध्यम से छात्र वर्तमान में इंडस्ट्री की आवश्यकता के अनुसार प्रोजेक्ट में कार्य करना सीखेंगे।

एमओयू के दौरान निदेशक प्रोफेसर रचना अस्थाना। अमृत विचार

होटल संचालक समेत तीन को पीटा, पथराव

कानपुर। दीपावली पर फजलगंज क्षेत्र में दबंगों ने जमकर उत्पात मचाते हुए अलग-अलग स्थानों पर मारपीट और पथराव करते हुए होटल संचालक समेत तीन लोगों को पीटा। वहीं भाई को मारपीट से बचाने के दौरान आरोपितों ने युवक को पीटकर उसकी अंगुली तोड़ दी और भाग निकले। तीन मामलों में पुलिस ने अब तक एक के खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज की है।

फजलगंज के सिकलाइन गड़रियनपुरवा निवासी अंशु पाल ने बताया कि दीपावली की रात वह अपने भाई रितिक पाल और साथी लकी पाल के साथ देर रात कार से घूमने निकला था। इस दौरान उसके चचेरे भाई मुकुल पाल का गौरव गुप्ता, अक्षय गुप्ता से विवाद हो रहा था। यह देखकर वह उसे बचाने गया तो मुहल्ले के साहिल साहू उर्फ दलाल, मुकुल पाल, रितिक गौतम, सुमित पाल गाली गलौज करते हुए आ गए। आरोपितों ने उसे वह उसके भाई मुकुल पाल को लाठी डंडों से पीट दिया। जिससे उसके हाथ की अंगुली टूट गई। पूरी घटना सीसी कैमरे में कैद हुई आरोपित धमकाते हुए भाग निकले। मामले को लेकर उसने तहरीर दी जिसके बाद पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। फजलगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मारपीट में आरोपित साहिल के साथ ही संकेत राजपूत और उसके भाई शुभम राजपूत को गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व आरोपितों ने दीपावली की रात चार खंभा कुआ स्थित एक होटल संचालक के साथ मारपीट करते हुए पथराव कर दिया।

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, BAREILLY

STAFF REQUIRED

Accountant (for Audit)
Qualification :- M.Com, B.com with good knowledge of MS Excel & Tally, Exp. 1 Year

Sr. OT Technician
Qualification:- BOT/DOT, Exp. 3 years (ortho)

CSSD Technician
Qualification:- BOT/DOT

Computer Operators
Qualification: Graduation with good Computer Knowledge & good Typing Speed (Hindi & English) (Exp. Min. one year)

Salesman (For Medical Stores)
Qualification: Min. D.Pharma (Exp. Min. One year)

PRO
Qualification: Graduation

Salary No Bar for Deserving Candidates

How to apply : Mail your CV at hrrmch@gmail.com or hard copy to the address given below.

HR OFFICE, RMCH Hospital Building, Pilibhit Bypass Road, Bareilly
Contact : 9548624286

न्यूज ब्रीफ

पवई में रामलीला व विशाल धनुषभंग आज

उन्नाव, अमृत विचार। बिछिया विकासखंड क्षेत्र के गांव पवई में मां कनाशी देवी नव युवक रामलीला कमेटी द्वारा प्रत्येक वर्षों की भांति इस बार भी रामलीला व विशाल धनुष भंग लीला का आयोजन गुरुवार शाम 7 बजे से आयोजित किया जाएगा। कमेटी सदस्यों ने आमजन व सभी क्षेत्रीय लोगों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

सब स्टेशन में खराबी आने से बिजली गुल

फतेहपुर चौरासी। दीपावली के दिन सुबह फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के सब स्टेशन के 11 केवीए में खराबी आ गई। जिसके कारण सब स्टेशन से संबंधित क्षेत्र की बिजली बंद हो गई। सूचना पर पहुंचे कर्मचारियों ने देखा तो 11 केवीए में फाल्ट थी। इसके बाद फाल्ट सही करने का कार्य शुरू किया गया। इस बीच करीब 3 घंटे बिजली गुल रही। जिससे क्षेत्र के लोगों को त्यौहार के दिन दिक्कत झेलनी पड़ी। जेई राजेश तिवारी ने बताया कि जो फाल्ट हुई थी जिसे सही करा दिया गया है।

फंदे से लटककर युवक ने की खुदकुशी

बिछिया। टीकरगढ़ी गांव निवासी राहुल (32) पुत्र शिवपाल का शव मंगलवार रात उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। काफी समय बाद उसके बाहर न निकलने पर परिजनों को इसकी जानकारी हुई। चर्चा रही कि राहुल जुआ खेलने का लती था। इससे उस पर कर्ज हो गया था। आर्थिक तंगी व कर्ज से वह मानसिक तनाव में था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। उसके चार बच्चों में दो बेटे व दो बेटियां है।

जुए के फड़ पर हुए विवाद में नौ लोग घायल

परियर। सफीपुर कोतवाली अंतर्गत परियर चौकी क्षेत्र के मरौंदा सूचित गांव में सोमवार रात दो पक्षों में जुएं के फड़ पर रुपये के लेनदेन में कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर, डंडे व रॉड चलने से 9 लोग घायल हुए। प्रेमपाल, सुबोध उर्फ राम सकल, जुग्गीलाल पुत्र रजेपाल व हर्ष पुत्र प्रेमपाल, दूसरी ओर से कल्याण, मनोज, संतोष, मुलायम पुत्र विजय शंकर घायल हो गए। चौकी प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया सभी घायलों का मेडिकल कराकर मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है।

मुआशरा 24 को

बांगरमऊ। कस्बा गंजमुरादाबाद स्थित नूरी मस्जिद के पास आगामी 24 अक्टूबर दिन शुक्रवार को बाद नमाजे इशा "अजमते मुस्तफा कॉन्फ्रेंस व इसलाहे मुआशरा" का आयोजन होगा। जिसमें देश-प्रदेश के कई मशहूर खतीब खिताब करेंगे। आयोजक मौलाना मिफ्ताहुल हक ने लोगों से कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की।

बाइक की टक्कर से किसान की मौत

उन्नाव। औरास के साल्ही नैनपुर गांव निवासी शमशाद (54) पुत्र घसीटे खेती करता था। वह संडीला-चकलवंशी मार्ग पार कर अपने मवेशियों को चारा डालने जा रहा था। तभी थानाक्षेत्र के प्रताप खेड़ा गांव निवासी विनय पुत्र विनोद की बाइक की टक्कर से शमशाद गंभीर घायल हो गया। इसमें विनोद को भी चोटें आ गईं। परिजनों ने उसे पास में हरदोई जिला के संडीला कस्बा स्थित सीएचसी पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस सूचना पर पहुंची थी। लेकिन परिजन उससे पहले उसे अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। हरदोई पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

महिला ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

पाटन। बिहार थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पड़ोसी पर घर में घुसकर दुकान में तोड़फोड़ करने व बुरी नीयत से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा प्रार्थनापत्र दिया है। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाने में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया कि उसका पड़ोसी मुकेश पुत्र कैलाश यादव 20 अक्टूबर की शाम 7 बजे मेरे घर पर में दरवाजा खोलकर घुस गया। घर में संचालित दुकान में तोड़फोड़ की। उसकी नियत खराब होने पर उसने उससे छेड़छाड़ की। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया कि महिला के प्रार्थनापत्र पर मुकेश के विरुद्ध छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है।

ऋषि आश्रम में मिला घायल मोर

शुक्लागंज। नगर स्थित ऋषि आश्रम परिसर में बुधवार सुबह करीब ग्यारह बजे एक घायल मोर मिलने से लोगों में चिंता का माहौल बन गया। मोर आश्रम प्रांगण में तड़पता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारी माली नन्हक्के मौके पर पहुंचे और मोर को अपने साथ लेकर उपचार के लिए भेजा।

विधि-विधान से घरों में हुई गोवर्धन पूजा

महिलाएं और श्रद्धालु गोबर से गोवर्धन की प्रतिमा बनाकर अलौकिक सजावट में जुटे रहे

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। दीपावली के दूसरे दिन नगर में परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ गोवर्धन पूजा तथा अन्नकूट किया गया। सुबह से ही घर-घर में महिलाएं व श्रद्धालु गोबर से गोवर्धन भगवान की प्रतिमा बनाकर उनकी अलौकिक सजावट में जुटे रहे। लोगों ने प्रतिमा को फूलों, पत्तियों और लताओं से सुसज्जित कर यज्ञोपवीत पहनाया। इसके बाद विधि विधान से रोली, चावल, जल, दूध, खीर, बताशे व दीपक से पूजा अर्चना कर गिरिराज महाराज का आह्वान किया गया।

पूजा से पूर्व राजधानी मार्ग की सब्जी मंडी, क्रॉसिंग ढाल और रेलवे पुल के नीचे लगने वाली अस्थायी मंडी में सब्जी खरीदने के लिए सुबह से ही भीड़ उमड़ी रही। परिवारों ने विभिन्न प्रकार की सब्जियां, दूध और पूजन सामग्री खरीदकर अन्नकूट प्रसाद की तैयारी की। श्रद्धालुओं ने मान्यता के अनुसार गिरिराज भगवान को 56 भोग अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार का नाश कर गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश दिया था। तभी से यह परंपरा अनवरत रूप से चली आ रही है। माना जाता है कि श्रद्धापूर्वक गोवर्धन की पूजा करने से घर में सुख-संपत्ति, संतान वृद्धि और गौ-धन की कृपा बनी रहती है। पूजन उपरांत श्रद्धालुओं में अन्नकूट का प्रसाद बांटा गया और दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा।

गौशाला में गोवंश की पूजा-अर्चना करतीं पालिकाध्यक्ष। अमृत विचार

पालिकाध्यक्ष ने गौशाला में की गोवंश की पूजा

शुक्लागंज। बुधवार को गोवर्धन पूजा पर नगर पालिका की ओर से गगनीखेड़ा स्थित कान्हा गौशाला में विधिवत रूप से गोवंश का पूजन किया गया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे व पालिका कर्मियों के साथ गौशाला पहुंचे, जहां सबसे पहले उन्होंने गायों को फूल-मालाएं पहनाईं। इसके बाद पारंपरिक रूप से रोचना कर गौ पूजन संपन्न कराया गया। पूजन के उपरांत सभी गोवंश को गुड़ खिलाया गया।

पालिकाध्यक्ष ने कहा कि सनातन परंपरा में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है और गोवर्धन पूजा के दिन गोवंश की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर इंद्र के अहंकार का अंत किया था, जिसके बाद से यह परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान गौशाला परिसर में श्रद्धा व भक्ति का वातावरण बना रहा तथा पालिका की ओर से गोसेवा और संरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

गौशाला में पूजन करते सदर विधायक पंकज गुप्ता व उनकी पत्नी। अमृत विचार

सदर विधायक ने सपत्नी गौशाला में की पूजा

उन्नाव। गोवर्धन पूजा के दिन सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पत्नी रश्मि गुप्ता के साथ विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी के गांव थाना स्थित गोशाला पहुंचकर गौमाता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। विधायक व उनकी पत्नी ने गौमाता को तिलक लगाकर, पुष्प अर्पित किए और उन्हें चारा खिलाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों व गौवंश के कल्याण की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद विधायक ने मौजूद लोगों को बताया कि यह पर्व हमें प्रकृति की महत्ता, पर्यावरण संरक्षण व गौसेवा के प्रति हमारे कर्तव्यों का स्मरण कराता है। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र का अहंकार तोड़कर गोवर्धन पर्वत की पूजा शुरू करवाई थी।

आज मनाया जाएगा भाईदूज

दीपावली के तीसरे दिन बुधवार को विधिविधान से गोवर्धन पूजा हुई। महिलाओं ने घर के आंगन, छत व बाहर गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजन किया। वहीं, भाई-बहन के प्यार का त्योहार भाई दूज आज मनाया जाएगा। पारंपरिक रूप से हर साल दीपावली के दूसरे ही दिन कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा (परेवा) को गोवर्धन पूजा होती है। इस बार दीपावली सोमवार को मनाई गई। जबकि तिथि वृद्धि के चलते बुधवार सुबह प्रतिपदा लगी। इसके चलते इस बार दीपावली और गोवर्धन पूजन में एक दिन का अंतर रहा।

वाहन की टक्कर से अधेड़ की गई जान

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। धार्मिक आयोजन से लौटते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

अखिलेश (फाइल फोटो)।

बिहार थानाक्षेत्र के भगवंतनगर कस्बा के वार्ड-1 निवासी अखिलेश चंद्र शुक्ला उर्फ छुन्ना पुत्र स्व. उमाशंकर आचार्य थे। मंगलवार देररात कस्बा निवासी डॉ. भगौती के यहां से सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर लौट रहे थे। तभी पॉवर हाउस के सामने ही पहुंचे थे तभी अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट आ गई। जब तक उन्हें अस्पताल पहुंचाया जाता तब तक अधिक रक्तस्राव होने से उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा।

बता दें कि अखिलेश के इकलौते बेटे सागर की करीब दो माह पहले पंखा में उतरे करंट की चपेट में आकर जान चली गई थी। सदमे से उबरने का प्रयास कर रहा परिवार अखिलेश की मौत से टूट गया। पत्नी रानू व मां शशि रो-रोकर बेहाल है। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई होगी।

बाइक अनियंत्रित होने से युवक गंभीर घायल

गंगाघाट। कोतवाली क्षेत्र के गंगानगर निवासी अमन साहू (18) मंगलवार शाम बैराज मार्ग से लौटते समय हादसे का शिकार हो गया। ट्रांस गंगा सिटी के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। लोगों की मदद से उसको कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इसी तरह मंगलवार रात नवीन पुल मोड़ के पास एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार तरुण गुप्ता को टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गया। हालांकि हेलमेट पहनने की वजह से उसकी जान बच गई।

हादसे में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

सफीपुर, उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के सराय सकहन गांव के पास साइकिल सवार अधेड़ को बाइक ने टक्कर मार दी। इसमें अधेड़ गंभीर घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान कानपुर के हैलेट अस्पताल में मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर मिली बाइक को पुलिस ने कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू की है।

सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के सराय सकहन गांव के मजरे रउहा डीह निवासी 55 वर्षीय टोडे पुत्र भोला रविवार शाम खेत से लौट रहा था। तभी प्राथमिक विद्यालय सराय सकहन गांव के मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी और सवार बाइक छोड़कर भाग गया। गंभीर घायल टोडे को पहले सीएचसी सफीपुर फिर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां स्थिति नाजुक देख डाक्टर ने उसे कानपुर के हैलेट अस्पताल भेज दिया। जहां इलाज के दौरान बीती रात उसकी मौत हो गई। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। बेटे पप्पू, सोनू, सर्वेश व पत्नी, दो शादीशुदा बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसओ एसएन त्रिपाठी ने बताया कि केस दर्ज कर बाइक कब्जे में लेकर आरोपी बाइक चालक की तलाश की जा रही है।

सड़क किनारे पड़ा मिला युवक का शव

उन्नाव। मौरावां के पश्चिम गांव कटरा के किनारे युवक का शव पड़ा देख लोगों में सनसनी फैल गई। परिजनों ने ससुरालियों पर आरोप लगा हंगामा किया। पुलिस शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज पाई। बता दें कि धर्मेन्द्र (28) पुत्र छंगालाल निवासी उदोतपुर मौरावां करनाल में मजदूरी करता था। मां मुन्नी देवी ने बताया कि धर्मेंद्र से उसके साले सुनील पुत्र राम औतार निवासी देवान बक्स खेड़ा ने अपनी शादी के लिए डेढ़ लाख रुपये उधार लिए थे। धर्मेंद्र कई बार सुनील से पैसे मांग चुका था लेकिन वह टालमटोल करता रहा। बताया कि बेटा 13 अक्टूबर को करनाल से सीधे अपनी ससुराल देवान बक्स खेड़ा गया था। उसने मौखिक आरोप लगाया कि रुपये मांगने पर उसे ससुरालियों ने जमकर पीटा। एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

किशोर ने जहरीला पदार्थ निगलकर दी जान

- परिजनों ने गांव के दबंगों पर लगाए गंभीर आरोप

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के हिन्दूखेड़ा गांव में कुत्ते के भौंकने पर हुई कहासुनी के बाद युवक ने साथियों के साथ मिलकर किशोर छात्र को प्रताड़ित किया था। प्रताड़ना से क्षुब्ध किशोर की जहरीला पदार्थ निगलने से सोमवार रात मौत हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज की है।

मदाऊखेड़ा गांव निवासी संजू का 14 वर्षीय बेटा ऋतिक कक्षा 9 का छात्र था। गांव निवासी चाचा श्रवण पुत्र राम दुलारे ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ऋतिक 17 अक्टूबर को हिन्दूखेड़ा गांव से निकल रहा था। तभी उसी गांव निवासी विशंभर के घर के सामने निकलते समय उसका कुत्ता ऋतिक पर भौंकने लगा। इसे लेकर विशंभर व ऋतिक में कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी खुन्नस को लेकर 18 अक्टूबर को विशंभर अपने दो साथियों अमन व अभिषेक के साथ पहुंचकर ऋतिक को प्रताड़ित किया। प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर 19 अक्टूबर को उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया। जानकारी पर परिजन ऋतिक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां से उसे कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया। लेकिन परिजन उसे एक निजी अस्पताल लाए। जहां हालत में सुधार न होने पर वे हैलट जा रहे थे। तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। शव लेकर लौटे परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मंगलवार को पोस्टमार्टम कराया। लेकिन बुधवार को परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। सीओ दीपक यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ऋतिक (फाइल फोटो)

सपा जिलाध्यक्ष ने लगाए आरोप

ऋतिक की मौत पर सपा जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि ऋतिक के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। जिसका वीडियो भी गांव के कई लोगों के पास है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाए कि उसी के डर से कोई वीडियो सामने नहीं आ रहा है। सपा अध्यक्ष ने एक आरोपी के पुत्र पर भी आरोप लगाए। वहीं मामले के आरोपी के बेटे आशुतोष त्रिपाठी 'विजय' ने बताया कि गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। उनके परिवार पर प्रधानी के चुनाव की रंजिश में आरोप लगाया गया है।

छठ को लेकर तैयारियां शुरू

घाट का निरीक्षण करते ईओ और पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। आगामी छठ महापर्व को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने घाटों की साफ-सफाई और समतलीकरण का कार्य तेज कर दिया है। मंगलवार को पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे, ईओ तथा एसबीएम प्रभारी ने मिश्रा कॉलोनी से लेकर नमामि गंगे घाट तक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों पर फैली गंदगी और ऊबड़-खाबड़ सतह को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल सफाई और समतलीकरण कराने के निर्देश दिए।

निर्देशों के बाद से मंगलवार और बुधवार को पालिका कर्मी युद्धस्तर पर सफाई अभियान चला रहे हैं। घाटों पर झाड़ू लगाकर कूड़ा-करकट हटाया जा रहा है, साथ ही जेसीबी मशीन से मिट्टी बराबर कर मार्ग समतल किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। गंगा तट तक पहुंचने के लिए अस्थायी रास्तों को भी सुगम बनाया जा रहा है। ईओ ने बताया कि छठ पूजा के दौरान गंगा विशुन घाट से लेकर नमामि गंगे घाट तक अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही साफ पेयजल, अस्थायी शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अलग-अलग टीमें बनाई जा रही हैं। पालिका प्रशासन का कहना है कि सभी तैयारियां छठ महापर्व से पहले पूरी कर ली जाएंगी, ताकि व्रती और श्रद्धालु निर्बाध रूप से पूजा-अर्चना कर सकें।

ऋषि आश्रम परिसर में मिला युवक का शव

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी चौकी अंतर्गत नारदानंद ऋषि आश्रम परिसर में बुधवार सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने आश्रम परिसर में नीम के पेड़ के नीचे युवक को मृत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल कर शव को कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त ऋषि नगर निवासी सत्यवीर सिंह उर्फ राधे (35) पुत्र स्व. गणेश सिंह के रूप में हुई। मृतक के भाई सुरेंद्र व मां मुन्नी देवी ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। परिजनों के अनुसार सत्यवीर मंगलवार रात करीब आठ बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। सुबह शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक नशे का आदी था और अक्सर देर रात तक घर से बाहर रहता था।

झालर में करंट आने से चिपक कर बच्चे की मौत

बांगरमऊ। दीपावली पर लगाई गई विद्युत झालर मासूम बच्चे के लिए जानलेवा साबित हुई। मासूम के झालर को पकड़ते ही वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

अभियान (फाइल फोटो)।

बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव गंभीरपुर खंभौली निवासी अमन का 1 वर्षीय पुत्र अभियान बुधवार सुबह घर में खेल रहा था। तभी खेलते हुए वह मुख्य दरवाजे के पास जा पहुंचा और उसने गेट पर लटक रही विद्युत झालर पकड़ ली। इससे वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन आनन-फानन बच्चे को सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई और त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं। बेटे की अचानक मौत से मां नीतू बिलखने लगी। मृतक का एक 4 वर्षीय बड़ा भाई है।

सिटी डायरी

चोर ने उड़ाई नकदी और मोबाइल, प्लाट पर सोते हुए पकड़ा गया

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के अवस्थी फार्म हाउस के पास स्थित एक मकान में बुधवार देर रात चोरी की घटना हुई। अवस्थी फार्म हाउस निवासी राजेंद्र कुमार साहू के घर में रात में एक युवक चुपके से घुसा और कमरे में रखे तीन मोबाइल फोन तथा लगभग आठ हजार रुपये नकद उठा ले गया। चोरी करने के बाद वह कुछ दूर बने एक खाली प्लाट में जाकर सो गया। सुबह जब गृहस्वामी की नींद खुली तो सामान बिखरा देख वह चौकन्ना हो गया और पड़ोसियों को सूचना दी। तलाश के दौरान मोहल्ले के लोगों ने संदिग्ध युवक को प्लाट में सोते पाया और पकड़ लिया। सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम अहमद नगर मकइया तालाब निवासी सुहेल बताया। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल और नकदी बरामद कर ली है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट भेज दिया गया।

चोरों ने कृषि यंत्र की दुकान से पार किया नगदी व सामान

बांगरमऊ। नगर निवासी गिरीश गुप्ता की अंजलि स्टील कृषि यंत्र नाम की दुकान उन्नाव मार्ग पर कोतवाली से 500 मीटर दूर है। दुकान मालिक ने बताया कि उसने रोज की तरह बीती सोमवार शाम दुकान बंद कर दी थी। तभी देररात अज्ञात चोर शटर का ताला तोड़कर दुकान में दाखिल हो गए। चोरों ने काउंटर व आलमारी में रखे 40 हजार रुपये चोरी कर लिये। बाद में चोर दुकान में रखा हजारों का सामान चोरी कर भाग निकले। मालिक को घटना की जानकारी बुधवार सुबह दुकान पहुंचने पर हो सकी। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि तीन चोरों ने लोहे की रॉड से शटर का ताला तोड़ा है। वे अपने चेहरे कपड़े से ढके थे। दुकान मालिक ने घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को सौंपी। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर चोरों का सुराग लगाने में जुट गई है।

मुठभेड़ में फरार लुटेरा चढ़ा पुलिस के हत्थे

नवाबगंज। टहलने निकली महिला के झाले लूटकर भागे बदमाशों में एक पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में पकड़ा गया था और उसका साथी मौके से भाग निकला था। पुलिस ने उसे भी दबोच लिया है। बता दें कि नवाबगंज कस्बे के दुर्गागंज मोहल्ला निवासी रामरती (65) पत्नी दिनेश रोज सुबह कस्बे से जैतीपुर मार्ग पर सोमवार सुबह टहलने गई थीं। नटवा बाबा मंदिर के पास पीछे से पहुंचे बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोककर तमंचा लगा दिया और सोने के झाले लूटकर भाग गए थे। जिन्हें एसओजी व अजगैन पुलिस ने सर्विलांस की मदद से देररात कानपुर-लखनऊ हाईवे से जगदीशपुर लिंक मार्ग पर ट्रैक कर पकड़ने का प्रयास किया। इस पर बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लगने से वह गिर गया। जबकि उसका साथी भाग निकला। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि जिस बदमाश के पैर में गोली लगी थी वह कोतवाली क्षेत्र के जालिम खेड़ा गांव निवासी राहुल उर्फ गोलू लोध (26) है। उसका साथी सोहरामऊ थानाक्षेत्र के हिम्मतगढ़ गांव निवासी गोविंद अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया था। बताया कि घायल बदमाश ने सुबह महिला से लूट की घटना को कबूल की है। उसके पास लूटे गए झाले भी मिले थे। वहीं पुलिस टीम से हुई मुठभेड़ के दौरान भागे गोविंद पुत्र राम स्वरूप निवासी हिम्मतगढ़ थाना सोहरामऊ मंगलवार को अजगैन-मोहान तिराहे के पास पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दोनों बदमाशों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेजा गया।

शव वाहन की टक्कर से टूटे तीन पोल डेढ़ सौ घरों की आपूर्ति बाधित

शुक्लागंज। बुधवार दोपहर मिश्रा कॉलोनी में एक शव वाहन की टक्कर से तीन विद्युत पोल टूट जाने से कॉलोनी की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। हादसा उस समय हुआ जब शव वाहन श्मशान घाट की ओर जा रहा था। मुख्य मार्ग पर जाम लगने के कारण चालक ने वाहन को गायत्री स्कूल वाली गली से निकालने की कोशिश की। गली में नीचे लटक रहे तार वाहन के ऊपरी हिस्से में फंस गए, जिससे संतुलन बिगड़ गया और एक सीमेंटेड व दो लोहे के पोल धराशायी हो गए। पोल टूटने के बाद मोहल्ले के करीब डेढ़ सौ घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना बिजली विभाग को दी। सूचना पर विभागीय कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पोल बदलने व लाइनों की मरम्मत का कार्य शुरू कराया। एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि क्षतिग्रस्त पोलों की मरम्मत और तारों के पुन: संयोजन में समय लगेगा, ऐसे में रात करीब आठ बजे के बाद ही आपूर्ति बहाल हो सकेगी। घटना के बाद क्षेत्रवासियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा और शाम तक मोहल्ला अंधेरे में डूबा रहा।

स्मृति दिवस पर याद किए गए बलिदानी पुलिस कर्मी

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी जाती श्रद्धांजलि।

उन्नाव। पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन हुआ। फर्ज की खातिर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी पुलिस कर्मियों को नमन किया गया। कार्यक्रम में एसपी जय प्रकाश सिंह ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों के बलिदान को याद किया। दो मिनट का मौन रखकर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद अन्य अधिकारियों ने भी पुष्प अर्पित किए। एसपी ने बताया कि अनेक पुलिस जन प्रतिवर्ष कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। ऐसे शहीद जवान हमारे प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान सीओ सिटी दीपक यादव, सीओ सफीपुर सोनम सिंह, सीओ बांगरमऊ संतोष सिंह, सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

हर्षोल्लास | बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने आतिशबाजी का आनंद लिया

दीपावली की रात पटाखों से गूंजा आसमान

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में रोशनी का पर्व दीपावली बड़े ही उत्साह व धूमधाम से मना। घरों में लक्ष्मी-गणेश पूजन के बाद रात होते ही पूरा शहर पटाखों की गूंज और आतिशबाजी की सतरंगी रोशनी से जगमगा उठा।

शहर के प्रमुख इलाकों में देररात तक ज़ोरदार आतिशबाजी होती रही। ऊंचाई पर जाकर फूटने वाले रंगीन रॉकेटों व तेज़ आवाज वाले बमों ने आसमान को अद्भुत छटा से भर दिया। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने आतिशबाजी का आनंद लिया। पटाखों की गूंज और धूम-धड़ाके ने त्योहार का जोश और बढ़ा दिया। प्रशासन की सतर्कता के बीच लोगों ने दीपावली का पर्व शांति व उल्लास के साथ मनाया गया। जिससे चारों ओर खुशियों व सकारात्मकता का माहौल रहा।

दीपावली पर फुलझड़ी जलाते बच्चे। अमृत विचार

बच्चों के साथ मनाई दीपावली

मुस्कान घर व भूख संस्था की ओर से सोमवार को शहर के विभिन्न झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के साथ दीपावली मनाई। संस्था के सदस्यों ने स्टेशन रोड़, बड़े चौराहा, मोती नगर, हनुमान मन्दिर किनारे झोपड़ियों में जाकर बच्चों को मिठाई, दीये, मोमबत्ती व दीपावली की अन्य सामग्री बांटी। इस दौरान संस्था के प्रभात सिन्हा, नवीन कुमार मीरा आदि रहे।

अमृत विचार

गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

किसी से प्यार किया जाता है, क्योंकि उससे प्यार किया जाता है। प्यार करने के लिए किसी कारण की आवश्यकता नहीं होती।

–**पाउलो कोएल्हो**, ब्राजीलियन लेखक

अविस्मरणीय असरानी

सुदीर्घ फिल्मी जीवन जीने वाले असरानी ने अभिनय को महज मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जीवन की साधना के रूप में जिया। असरानी अभिनय को कला के साथ विज्ञान भी मानते थे। कला, जहां भावनाओं, संवेदनाओं और अनुभवों की अभिव्यक्ति है, वहीं विज्ञान वह अनुशासन और तर्क है जो इन भावनाओं को नियंत्रित, नाप-तौल और सटीकता में ढालता है। असरानी ने यह सिद्ध किया कि अभिनय केवल सहजता या प्रतिभा का खेल नहीं, बल्कि अध्ययन, अभ्यास और अनुशासन की सतत प्रक्रिया है। वे मानते थे कि अभिनेता के लिए 'बाहरी मेकअप' यानी चेहरे और वेशभूषा के बनाव से कहीं अधिक 'भीतरी मेकअप', चरित्र को आत्मसात कर उसे भीतर से जीना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनके लिए मेकअप केवल चेहरे पर रंग नहीं, बल्कि आत्मा पर भावों की परत था, जब अभिनेता अपने भीतर उस किरदार की अनुभूति पैदा कर लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में जीवंत अभिनय कर पाता है।

यह विचार आज के उस दौर में विशेष प्रासंगिक है, जहां अभिनेता समय रहते शीघ्रातिशीघ्र ज्यादा से ज्यादा फिल्में कर के पैसा कमाने के चक्कर में चरित्र को आत्मसात कर गहन अभिनय पर ध्यान नहीं देते और अक्सर उनका अभिनय कैमरे और ग्लैमर की सीमाओं में सिमटने लगता है, सतही और सीमित हो जाता है। बहुतों की नजर में असरानी एक कॉमेडियन रहे, उनकी कॉमिक टाइमिंग, संवादों की लय और भावों की सटीक अभिव्यक्ति, उन्हें हास्य कलाकारों की भीड़ में एक अलग पहचान दिलाती रही, लेकिन उनका अभिनय केवल हास्य तक सीमित नहीं था। 'कटी पतंग' और 'गृह प्रवेश' जैसी फिल्मों की गंभीर भूमिकाएं आज भी अविस्मरणीय हैं। 'आँधी', 'अभिमान', 'नमक हराम', 'छोटी सी बात' और 'शोले' जैसी फिल्मों में उनके किरदारों की विविधता उनके अभिनय की व्यापकता का प्रमाण है। उनका 'अंग्रेजों के जमाने का जेलर' वाला किरदार अमर हो गया।

असरानी का फिल्मी सफर संघर्ष, जिद और जुनून का मिश्रण रहा है। रंगमंच से शुरुआत करने वाले असरानी ने पुणे फिल्म संस्थान से अभिनय की विधिवत शिक्षा ली और मुंबई के फिल्मी संसार में कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच विषम परिस्थितियों में भी अपने काम के प्रति समर्पण नहीं छोड़ा। गुजराती फिल्मों और नाट्य जगत के अलावा निर्देशन के क्षेत्र में भी असरानी ने अपनी सृजनात्मक दृष्टि का परिचय दिया। उनकी यह निरंतरता आज के युवाओं के लिए एक सबक है कि प्रतिभा तभी टिकती है, जब उसके पीछे दृढ़ इच्छा शक्ति और साधना की निष्ठा हो, क्योंकि अभिनय केवल मंच पर निभाया जाने वाला किरदार नहीं, बल्कि जीवन का निरंतर प्रयोग है। कलाकार वह नहीं जो केवल भावनाएं दिखाता है, बल्कि वह जो दर्शक के भीतर भावनाएं जगा सके। अभिनय को विज्ञान कहने वाले असरानी यह याद दिलाते हैं कि कला तभी महान बनती है, जब उसमें सटीकता, संवेदना और सच्चाई तीनों का संगम हो। यही असरानी की विरासत है। अभिनय की एक ऐसी पाठशाला, जहां हर कलाकार सीख सकता है कि कैसे भाव और तर्क मिलकर कला को अमर बना देते हैं।

प्रसंगवश

एआई के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते भारत के कदम

एआई के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक एआई परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर रहा है। भारत सरकार की रणनीतिक पहलों, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और कौशल विकास पर जोर ने इस प्रगति को गति दी है। अगर यह कहा जाए कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है, तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। असल में यह आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का एलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे।

संतोष कुमार भार्गव

स्वतंत्र पत्रकार

गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की पांच एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।

भारत में अदानी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए पांच साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतर्राष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब आठ अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को 'साइबर सिटी' का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है।

सवाल है कि क्या भारत का विकास और उसकी बढ़ोतरी भी गूगल के अनुपात में ही होगी? इस मौके पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर यह लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और विशाखापट्टनम में पहले गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना बताई थी। पिचाई के मुताबिक, इस एआई केंद्र में गीगावॉट स्केल कंप्यूट क्षमता, अंतर्राष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े ऊर्जा आधारभूत ढांचे का गेटवे शामिल होंगे। इससे भारत में उपयोगकर्ता और उद्यमियों को उद्योग संबंधी प्रौद्योगिकी मिल सकेगी, जिससे देश में एआई नवाचार बढ़ेगा।

दीपावली से आया अर्थव्यवस्था में उजियारा

विवेक शुक्ला

पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूपीई एंबेसी

देश ने बीते सोमवार को दिवाली का पर्व मनाया। भाई दूज का पर्व मनाए जाने के साथ ही प्रकाश पर्व का पटाक्षेप हो जाएगा। दिवाली का उत्सव एक राष्ट्रीय घटना की तरह है। सरकारी अवकाश घोषित होने से लेकर बाजारों की चमक तक, यह अर्थव्यवस्था को भी गति देता है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली सीजन में खुदरा बिक्री में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होती है। आर्थिक दृष्टि से दिवाली सबके लिए फायदेमंद है। फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां दिवाली सेल में अरबों का कारोबार करती हैं, जिसमें सभी समुदाय के उपभोक्ता शामिल हैं। ग्रामीण भारत में भी दिवाली एकता का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के गांवों में मुस्लिम और हिंदू मिलकर दिये बनाते हैं। हर साल अक्टूबर-नवंबर में मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है, जिसमें उपभोक्ता खर्च में वृद्धि, रोजगार सृजन और विभिन्न क्षेत्रों में बूम देखने को मिलता है।

ये जान लें कि दिवाली उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देती है। लोग घर की सजावट, नए कपड़े, मिठाइयां, उपहार और पटाखे खरीदते हैं, जिससे खुदरा व्यापार में जबरदस्त उछाल आता है। माना जा रहा है कि इस बार दिवाली पर 4.25 खरब रुपये तक की खरीददारी पहुंची है। ये सच में बहुत बड़ा आंकड़ा है। इससे रिटेल, ई-कॉमर्स और छोटे व्यवसायों को लाभ पहुंचा।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट पर सेल्स रिकॉर्ड तोड़ती हैं, क्योंकि डिस्काउंट और ऑफर्स ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। इससे डिजिटल इकोसिस्टम को भी बल मिलता है, जैसे यूपीआई ट्रांजेक्शन में रिकॉर्ड वृद्धि। दूसरा प्रमुख प्रभाव रोजगार सृजन पर है। त्योहार की तैयारी में मांग बढ़ने से अस्थायी नौकरियां पैदा होती हैं। मिठाई दुकानें, सजावट सामग्री बनाने वाले कारखाने और डिलीवरी सर्विसेज में लाखों लोग काम पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रभाव और गहरा है। छोटे उद्यमियों को भी फायदा होता है, क्योंकि वे लोकल उत्पाद जैसे दिये, रंगोली और हस्तशिल्प बेचते हैं।

तीसरा, दिवाली स्टॉक मार्केट और निवेश को प्रोत्साहित करती है। मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में लोग नए निवेश शुरू करते हैं, जो बाजार में सकारात्मक भावना लाता है। सोने और चांदी की खरीदारी बढ़ती है, जो ज्वेलरी और फाइनेंशियल सेक्टर को बूस्ट देती है। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग भी लाभान्वित होता है, क्योंकि लोग परिवार के साथ यात्रा करते हैं, होटल बुकिंग बढ़ती है। दिवाली न केवल आर्थिक विकास को गति देता है, बल्कि सामाजिक समृद्धि भी बढ़ाता है।

क्या दिवाली सिर्फ हिंदुओं तक सीमित है? बिल्कुल नहीं। मुस्लिम, ईसाई, सिख और जैन भी इसमें शामिल होते हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सिविल लाइंस में ब्रदरहुड हाउस मिलता है। अपनी ईसाई पृष्ठभूमि के बावजूद, ब्रदरहुड हाउस को दिवाली पर रोशन किया जाता है। यहां से जुड़े ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं, "दिवाली, ईद और क्रिसमस जैसे त्योहार अब धार्मिक सीमाओं से परे हो गए हैं। इन्हें सभी मनाते हैं।"

एसेंडेड क्राइस्ट ब्रदरहुड 1877 में भारत में स्थापित हुआ, जिसके कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से मजबूत संबंध हैं। अब इसे दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) कहा जाता है। इसने दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज, सेंट स्टीफंस अस्पताल और हरियाणा की दिल्ली-सोनीपत सीमा पर सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल की स्थापना की है। राजधानी दिल्ली के बिशप हाउस पर दिवाली पर आलोक सज्जा की गई। यह ही है भारत की विशेषता। बिशप हाउस देश के प्रोटेस्टेंट ईसाई समाज के प्रमुख बिशप का मुख्यालय है।

सिख दिवाली को बंदी छोड़ दिवस से जोड़कर देखते हैं। उस दिन 1619 में मुगल सम्राट जहांगीर की कैद से छठे सिख गुरु हरगोबिंद जी की रिहाई हुई थी। देश भर में सिख दिवाली पर अपने घर रोशन करते हैं। जैन दिवाली को अपने 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 527 ईसा पूर्व निर्वाण प्राप्त करने के दिन के रूप में मनाते हैं। उनके लिए यह आत्ममंथन, उपवास और ज्ञान की शाश्वत रोशनी का प्रतीक दिये जलाने का समय है।

जोतिषि और वास्तुशास्त्र के विद्वान डॉ. जयप्रकाश शर्मा लालधागेवाले कहते हैं कि दिवाली का अर्थ बहुत व्यापक है। यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। अंधकार जीवन के हर कोने में फैलता है, जबकि प्रकाश सीमित है। दिन से पहले और बाद में रात आती है, जो अंधकार की प्रधानता दिखाती है। ऐसे गहन संदेशों वाले इस त्योहार को हर कोई मनाना चाहता है। यह प्रकाश का पर्व हमें भारत के पवित्र मूल्यों की याद दिलाता है। जरूरतमंदों की मदद करना, अंधकार पर प्रकाश चुनना, ज्ञान और बुद्धि का पीछा करना तथा सद्भावना और करुणा का स्रोत बने रहना।

दिवाली की वैश्विक अपील भी उल्लेखनीय है। अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय इसे मनाते हैं और गैर-भारतीय भी शामिल होते हैं, लेकिन भारत में यह सबसे शानदार है। क्या दिवाली वाकई सारे भारत को एकजुट करती है? हां, क्योंकि यह खुशी, समृद्धि और प्रकाश का त्योहार है, जो धर्म से ऊपर है। सांस्कृतिक रूप से, दिवाली भारतीय सिनेमा और संगीत में भी छाई रहती है। बॉलीवुड फिल्में जैसे 'कभी खुशी कभी गम' में दिवाली दृश्य दिखाए जाते हैं, जो सभी दर्शकों को आकर्षित करते हैं। टेलीविजन पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। इस तरह पूरे देश में न सिर्फ उल्लास का माहौल बनता है, बल्कि यह उल्लास ही खरीदारी के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में दिवाली का यह त्योहार आर्थिक क्षेत्र को ऊर्जा प्रदान करता है।

आर्थिक दृष्टि से दिवाली सबके लिए फायदेमंद है। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली सीजन में खुदरा बिक्री में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

आमने

हमारी सरकार बनने पर हर जीविका दीदी (कम्युनिटी मोबिलाइजर) को कम से कम 30 हजार रुपये प्रतिमाह की स्थायी आय सुनिश्चित की जाएगी। यह सिर्फ वादा नहीं, बिहार की महिलाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। बिहार ने बदलाव का मन बना लिया है।

–**तेजस्वी यादव**, नेता, राजद

सामने

पहले कहा कि 2.70 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। 15 साल तक उनके माता-पिता ने बिहार के लोगों को लूटा। ये लोग सिर्फ सपना दिखा सकते हैं। ये लोग सिर्फ लूटने और बिहार को बर्बाद करने के लिए जाने जाते हैं। –**सम्राट चौधरी**, भाजपा के नेता

दिल्ली-एनसीआर में बिगड़ी हवा की सेहत

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन गई है। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली-एनसीआर के साथ लखनऊ, पटना, भोपाल, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, जयपुर और चंडीगढ़ में धुंध की मोटी परत छाई रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, कई शहरों में एक्यूआई 400 के पार हो गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में है। विशेषज्ञों ने कहा कि ठंडी हवाओं और आतिशबाजी के कारण प्रदूषक तत्व ऊपर नहीं उठ पाए, जिससे पूरे उत्तर भारत पर धुएं की चादर फैल गई।

सर्दियों में वायु प्रदूषण में वृद्धि कई कारणों से होती है। इस मौसम में धूप कम और तापमान ठंडा होने के कारण हवा स्थिर हो जाती है, जिससे धुआं और प्रदूषक कण हवा में फैल नहीं पाते और नीचे जमे रहते हैं। इसके अलावा, इस मौसम में लोग हीटर, कोयला और लकड़ी का अधिक उपयोग करते हैं, जिससे वातावरण में कणीय प्रदूषण बढ़ता है। उत्तर भारत में पराली जलाना भी सर्दियों में वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बनता है। सड़क पर धूल और वाहनों से निकलने वाला धुआं भी हवा को और प्रदूषित करता है। धुंध और स्मॉग के कारण दृश्यता कम हो जाती है और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

हर साल दीपावली के बाद धुआं, धूल और पराली जलाने से हवा जहरीली हो जाती है। लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इसके लिए सरकार और जनता दोनों को मिलकर समाधान के प्रयास करने चाहिए, क्योंकि स्वच्छ हवा ही स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी जरूरत है। 20 अक्टूबर 2025 को दिवाली के बाद दिल्ली देश में सबसे प्रदूषित राजधानी हो गई। खबरों से पता चला कि दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई शहर 'गैस चैंबर' बन गए हैं।

एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार नई दिल्ली में 21 अक्टूबर को (मंगलवार) को प्रदूषण के कारण सिग्नेचर ब्रिज भी धुंध में डूब गया। दिवाली के तुरंत बाद, सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों व विश्लेषणों के अनुसार, शहर में 24-घंटे के औसत पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन या उससे छोटे कण) का मान लगभग 488 माइक्रोग्राम/घनमीटर रहा। दिवाली की रात के दौरान कुछ स्थानों पर पीएम 2.5 ने 675 g/m तक पहुंचने का रिकॉर्ड दिखाया गया। एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में अधिकांश इलाकों में 'बहुत खराब' (एक्यूआई 300 से अधिक) श्रेणी में हवा थी।

दिवाली के दौरान पटाखों का इस्तेमाल प्रमुख कारण माना गया है। इस वर्ष स्टबल-बर्निंग (खेती की अवशेष जलाना) में लगभग 77% कमी के बावजूद (पंजाब-हरियाणा में) हवा काफी बिगड़ी। इसके अलावा, रात में हवा धीमी थी, 'इन्वर्शन' की स्थिति बनी रही, जिससे प्रदूषक नीचे ही फंसे रहे। कहना गलत नहीं होगा कि दिवाली के उत्सव के बाद दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई राज्यों की हवा फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। हवा के प्रदूषित (जहरीली होने) से लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक सोमवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' व 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

राजधानी का एयर क्वालिटी इंडेक्स 531 तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत खतरनाक माना जाता है। हरियाणा में सोमवार रात, दिवाली वाले रोज, रात 12 बजे तक 15 जिलों में एक्यूआई 500 तक पहुंच गया था। मुंबई के कई इलाकों में दिवाली के दिन एक्यूआई 375 तक पहुंच गया। हालांकि, लोगों को मंगलवार को सुबह कुछ राहत मिली। राजस्थान में मंगलवार सुबह आठ बजे तक एक्यूआई 243 रहा। भिवाडी में राज्य में सबसे ज्यादा एक्यूआई 318 रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में मंगलवार को औसत एक्यूआई 316 दर्ज किया गया, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। इतना ही नहीं, लखनऊ में 222 और कानपुर में 203 एक्यूआई दर्ज किया गया।

क्या यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील बात नहीं है कि नई दिल्ली में सीपीसीबी के 38 निगरानी केंद्रों में से 34 ने 'रेड जोन' यानी 'बहुत खराब' या 'गंभीर' स्तर दर्ज किया गया। नरेला में एक्यूआई 551 दर्ज हुआ, जो सबसे अधिक रहा। अशोक विहार में एक्यूआई 493 और आनंद विहार में 394 पर पहुंच गया। वहीं यूपी के नोएडा में 369 और गाजियाबाद में 402 का स्तर रेकॉर्ड किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान ग्रैप-2 के नियम पहले से लागू है। इसके बावजूद हवा में जहरीले कणों की मात्रा बढ़ गई।

पटाखों से निकलने वाला धुआं और हानिकारक गैसें हवा में मिलकर सांस लेना मुश्किल बना देती हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जलने वाली पराली प्रदूषण को कई गुना बढ़ा देती है। इन दोनों कारणों से वातावरण में धूल, धुआं और सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और रोगियों को सांस से जुड़ी बीमारियां घेर लेती हैं।

दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन गई है। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है।

सोशल फोरम

नफरत के इस दौर में प्रेम की आवाज प्रेमानंद जी महाराज

आज जब समाज में नफरत, अविश्वास और तनाव का शोर बढ़ता जा रहा है, तब एक चेहरा लोगों को सुकून दे रहा है और वह चेहरा हैं- प्रेमानंद जी महाराज। उनकी मुस्कान और सरल वाणी हर धर्म, वर्ग और उम्र के लोगों के दिल को छू रही है। सवाल उठता है कि इस विभाजन भरे समय में आखिर क्यों लगभग हर कोई उनसे प्रभावित है? यहां तक कि अरब में बैठा एक मुसलमान भी इस भगवा वस्त्रधारी संत के लिए श्रद्धा क्यों रखता है?

उपेंद्र चौधरी

वरिष्ठ पत्रकार

प्रेमानंद जी धर्म को किसी राजनीति या प्रचार का साधन नहीं, बल्कि 'मानवता की भाषा' मानते हैं। उनके प्रवचन में विवाद नहीं, आत्म-चिंतन होता है। वे किसी को बदलने की बात नहीं करते, बल्कि खुद को समझने की दिशा दिखाते हैं। यही सरलता और सच्चाई लोगों को अपनी ओर खींच लेती है। समाज आज दिखावे से, झूठे आदर्शों से, और डर से बुरी तरह थक चुका है। ऐसे समय में प्रेमानंद जी का संदेश यह याद दिलाता है कि धर्म का असली अर्थ प्रेम है, डर नहीं।

उनकी मुस्कान सिर्फ चेहरे के भाव नहीं, बल्कि आत्मिक शांति का प्रतीक है। मनोविज्ञान कहता है कि जब कोई व्यक्ति भीतर से शांत होता है, तो उसका चेहरा भी वही भाव दूसरों तक पहुंचा देता है। प्रेमानंद जी की शांत मुस्कान में वही आकर्षण है, जो किसी धर्म या जाति की सीमा नहीं मानता। उनके श्रोताओं में हिंदू ही नहीं, मुसलमान, ईसाई और विदेशों में रहने वाले लोग भी शामिल हैं। यह दिखाता है कि सच्ची आध्यात्मिकता सीमाओं से परे होती है।

प्रेमानंद जी की लोकप्रियता दरअसल समाज की एक गहरी जरूरत, यानी शांति और अर्थ की तलाश को दर्शाती है। लोग अब ऊंचे वादों से नहीं, सच्ची भावनाओं से जुड़ना चाहते हैं। इस दृष्टि से प्रेमानंद जी कोई चमत्कारी गुरु नहीं, बल्कि आधुनिक समाज का आईना हैं, जो हमें दिखाते हैं कि इंसान अब भी प्रेम की ओर ही लौटना चाहता है।

प्रेमानंद जी महाराज हमें यह याद दिलाते हैं कि जब दुनिया में नफरत और डर हावी हो, तब मुस्कान ही सबसे बड़ी क्रांति बन सकती है। उनकी उपस्थिति यह संदेश देती है, 'धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है और प्रेम ही सबसे सच्ची पूजा है।'

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

अपराधः घर में भी बच्चे नहीं हैं सुरक्षित

'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' के मुताबिक वर्ष-2023-24 में छोटे बच्चों के विरुद्ध देशभर में 1,77,335 आपराधिक मामले दर्ज हुए। ये मामले हिंदी पट्टी वाले क्षेत्रों में ज्यादा रहे, जिनमें उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तराखंड जैसे राज्य कतार में सबसे उपर हैं। एनसीआरबी की मानें तो हैदराबाद, देहरादून, लखनऊ, बरेली व चंडीगढ़ में कुछ ऐसे केस रिपोर्ट हुए हैं, जहां अपनों ने ही अपने बच्चों को फोन में एडल्ट फिल्में दिखाकर उनका शोषण किया। इन हरकतों को देखकर ही लगता है कि बच्चों पर डिजिटल खतरे अब ज्यादा मंडराने लगे हैं। बचाव के लिए बच्चों पर निगरानी ही समाधान का पहला रास्ता है। बच्चे किसी भी क्राइम जैसे हिंसा, शोषण, बलात्कार, अपहरण और यौन अपराधों की भेंट न चढ़ें उसके लिए हमें बच्चों के प्रति चौकन्ना रहना होगा। एनसीआरबी के आंकड़े न सिर्फ सोचने पर मजबूर कर रहे हैं, बल्कि शर्मसार भी? पिछले वर्ष दर्ज पॉक्सो मामलों में इस बार एक तिहाई बच्चियों का रेप उनके अपनों ने ही किया। 3569 मामलों में 3,224 में परिवार के सदस्य ही आरोपी रहे। कम उम्र की बच्चियों से उम्रदराज लोगों द्वारा जबरन विवाह करना, अपहरण, मानव तस्करी, जबरन भीख मंगवाना, बच्चों को बेचना या उनका यौन शोषण करने का सिलसिला तो बदस्तूर जारी ही है।

डॉ. रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

दरअसल, ये मामले सामान्य नहीं, असामान्य हैं? असामान्य का मतलब, ऑनलाइन शोषण और साइबर ग्रूमिंग? इन तकनीकों ने नए सिरे से नए अपराध को जन्म दे डाला है। तस्करों के चंगुल में नौनिहाल ऑनलाइन या ग्रूमिंग के जरिए आसानी से फंस रहे हैं। चाइल्ड क्राइम की इस नई तकनीक को कानून ने 'डिजिटल क्राइम' का नाम दिया है। बाल अपराधों में 'डिजिटल खतरों' का बढ़ना निसंदेह चिंताजनक कहा जाएगा। इन बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने को सरकारी तंत्र भी हांफने लगा है। केंद्र सरकार की पहल पर विभिन्न राज्यों में अलग से साइबर थानों को स्थापित करना, डिजिटल क्राइम प्रोटेक्शन विंग का बनाना, पुलिसकर्मियों की अलग से तैनाती के अलावा विदेशी तकनीकों का इस्तेमाल करने के बावजूद भी आशातीत सफलता नहीं मिल रही।

साल-दर-साल चाइल्ड क्राइम घटने के बजाय बढ़ रहे हैं। इन नाकामियों पर हम सिर्फ शासन-प्रशासन को ही दोषी नहीं ठहरा सकते, बल्कि समाज की सामूहिक असफलता भी बड़ा कारण है। ऐसे अपराधों को रोकने में सामाजिक चेतनाएं शांत हैं, अब उनका जगना बेहद जरूरी हो गया है। क्राइम होते देखकर भी लोग मुंह फेर लेते हैं, लेकिन इतना ध्यान रहे, नए जमाने का ये नया अपराध कभी भी, कहीं भी, किसी के चौखट पर दस्तक दे सकता है? इसलिए सबों को मिलकर इस लड़ाई से लड़ना होगा। बाल तस्करी देश के कोने-कोने में हो रही है। वैसे, देखा जाए तो बाल अपराध सर्वाधिक घरों से ज्यादा पनप रहे हैं। मौजूदा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट भी इसी ओर इशारा करती है। चाइल्ड क्राइम में तकरीबन नब्बे फीसदी भागीदारी अपनों की बताई गई है। छोटे बच्चों से जबरदस्ती करना और बलात्कार के मामलों में चाचा, मामा, पिता या अन्य किसी करीबी का होना ही बताया गया है।

ये ऐसा विषय बन चुका है जिस पर विमर्श लंबे वक्त से जारी है। अब तक के विमर्श से जो निष्कर्ष निकला, उसमें मुकम्मल रूप से दो कारण तेजी से उभरे। अव्वल, एकल परिवार के संस्कारों में तेजी से होता बिखराव? वहीं, दूसरा पारिवारिक एकता के मूल्यों में आई गिरावट? इन अपराधों का ज्यादा हौसला बढ़ाया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

स्टूडेंट स्ट्रेस मैनेजमेंट से लाइफ को बनाएं कूल

एक दिन वार्डन को बिन बताए हॉस्टल से बाहर नाइट आउट के लिए गया था। इसकी सूचना मां को फोन पर दी थी। मां ने गलती से इसे वार्डन को बता दिया। इसके बाद वार्डन ने मुझे हॉस्टल से रेस्टिकेट कर दिया। मैंने माफी भी मांगी पर एक नहीं सुनी। मुझे क्लास से भी रेस्टिकेट कर दिया गया। यह सुसाइड नोट का हिस्सा है, जिसे मौत को गले लगाने से पहले लखनऊ के एमिटी विश्वविद्यालय के छात्र ने लिखा था। सोते हैं, तो सिरहाने तनाव, घबराहट, आत्मसम्मान और करियर की चिंता होती है। जागते हैं, तो प्रतिस्पर्धा, मां-बाप की अपेक्षाएं युवाओं को चैन से नहीं जीने नहीं दे रहे हैं। आगे क्या होगा और अब क्या होगा की उधेड़बुन में युवा नशे की गिरफ्त में आ जाते हैं या मौत को गले लगा लेना ही अंतिम समाधान मान लेते हैं। राजधानी लखनऊ हो या देश के अन्य महानगर, युवाओं के आत्महत्या या इसके प्रयास के आंकड़े डराने वाले हैं। जेईडी फाउंडेशन के आंकड़ों के अनुसार 2024 में 18 से 25 वर्ष की आयु के 1.25 करोड़ लोगों ने मानसिक, व्यावहारिक या भावनात्मक स्वास्थ्य समस्या का अनुभव किया। यह संख्या 3 में से 1 (33.8 प्रतिशत) युवा वयस्कों के बराबर हैं, जो कि 2016 में 22.1 प्रतिशत थी। 12 से 17 वर्ष की आयु के 18.1 प्रतिशत किशोर 2024 में गंभीर अवसादग्रस्त हुए। कुल मिलाकर पिछले वर्ष के दौरान 40 प्रतिशत हाई स्कूल के छात्रों ने उदासी या निराशा की भावनाओं से भरे मिले, जिनमें 53 प्रतिशत छात्राएं और 28 प्रतिशत छात्र थे।

प्रस्तुति -मार्कण्डेय पांडेय
लखनऊ

वर्तमान समय में जो आगे रहने की होड़ लगी है, उसने युवाओं को एक ऐसी प्रतिस्पर्धा और अंधी दौड़ का हिस्सा बना दिया है, जहां उनकी मौलिकता और रचनात्मकता लगभग खत्म होती जा रही है। शिक्षा का उद्देश्य महज नौकरी पाना रह गया है। वर्तमान शिक्षा उन्हें परीक्षाओं में तो पास होना सीखा देती है, लेकिन जिंदगी की परीक्षाओं में वो फेल हो रहे हैं। शिक्षा का उद्देश्य सर्वांगीण विकास होना चाहिए। एक ऐसी मूल्योन्मुख शिक्षा प्रणाली पर बल देना चाहिए, जो उन्हें सफलताओं के साथ-साथ असफलताओं से भी सकारात्मक सीख लेने के काबिल बनाए। समाज और परिवार के दबाव में युवा कई बार अवसाद का शिकार हो जाते हैं।

योग से कम करें तनाव

यदि समय रहते तनाव को सही दिशा में नियंत्रित न किया जाए तो यह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। प्राणायाम और ध्यान करने से आपकी सोच सकारात्मक, तनाव और चिंता दूर होगी। साथ ही आप में कार्य को लेकर नई ऊर्जा आएगी। स्वस्थ जीवनशैली अपनाना होगा। तनाव और अवसाद, उदासी दूर करने के लिए निम्न योगासनों का प्रयोग करें।

- **बालासन**- यह मन को शांत करने वाला आसन है।
- **शवासन**- गहरा रिलेक्शेसन और स्ट्रेस मुक्ति के लिए सर्वोत्तम।
- **सेतुबंध आसन**- नर्वस सिस्टम को शांत करता है।
- **सुखासन**- मानसिक शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ाता है।
- **अनुलोम-विलोम**- यह प्राणायाम मन को संतुलित और शांत करता है।
- **भ्रामरी**- चिंता और गुस्से को कम करता है।
- **ध्यान**- प्रतिदिन 15 से 20 मिनट ध्यान करने से मन की अशांति और तनाव दूर होने लगता है। ध्यान हमें वर्तमान में जीना सिखाता है और नकारात्मक विचार को दूर करता है।

डॉ. अमरजीत यादव, कोआर्डिनेटर, फैकल्टी ऑफ योग और अल्टरनेटिव मेडिसिन, लखनऊ विश्वविद्यालय

अभिभावकों का दायित्व है कि वे बच्चों का समाजीकरण इस प्रकार से करें कि वह ऐसे तनावों को झेल सकें। सामाजिक दबाव और तनाव में युवाओं का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य तो खराब होता ही है कई बार वो असामाजिक बर्ताव भी करने लगते हैं। युवाओं को एक बेहतर शिक्षा प्रदान कर, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर बल होना चाहिए। फिर वह आत्मनिर्भरता कोई सरकारी नौकरी दे या उसके स्वयं के प्रयासों से खड़ा किया हुआ उद्योग।

-डॉ. सुप्रिया सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशात्र विभाग, खुनखुनजी पीजी कॉलेज

सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है, जब हर कोई तुलना करता है। घर वाले, रिश्तेदार, दोस्त सब बस रिजल्ट देखकर जज करते हैं। मेहनत को कोई नहीं देखता। दोनों बराबर हैं। घर से उम्मीदें हैं, बाहर मौका कम। कभी लगता है कि बस एक गलती हुई तो सब खत्म। कॉलेज में अगर "मेंटल हेल्थ" पर वर्कशॉप्स हों या किसी काउंसलर से बात करने का मौका मिले तो बहुत फर्क पड़ेगा।

-अपूर्व द्विवेदी, स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय

छात्रों से बातचीत

आज के तेजी से बदलते समाज में युवा अक्सर 'लर्नर' नहीं, बल्कि 'परफार्मर' के रूप में जीते हैं। युवाओं पर दबाव सीमाओं से परे पहुंच गया है, जहां बर्नआउट और चिंता सामान्य होते जा रहे हैं। आज की दुनिया में सफलता अक्सर मानसिक और सामाजिक कल्याण की कीमत पर ही मिलती है। इस समस्या की जिम्मेदारी पारिवारिक और संस्थागत शक्तियों पर है, जो 'निरंतर उपलब्धि' की विचारधारा को पुनः उत्पन्न करती हैं, जिससे तनाव केवल एक मनोवैज्ञानिक स्थिति नहीं, बल्कि एक सामाजिक वास्तविकता बन गया है।

-**ऐशना वर्मा**, शोध छात्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय

मेरे जीवन में सबसे ज्यादा परेशानी घर के दबाव और बाहरी प्रतियोगिता दोनों से होती है। घर पर माता-पिता की उम्मीदें बहुत बड़ी होती हैं और वे चाहते हैं कि मैं हर क्षेत्र में सफल रहूं। जबकि बाहर की दुनिया में प्रतियोगिता इतनी कठिन है कि कुछ समझ नहीं आता क्या करूं। इन सबके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव बढ़ जाता है और मन अशांत हो जाता है। हमें एक ऐसा वातावरण चाहिए, जहां मेहनत के साथ मानसिक शांति और आत्मविश्वास को भी महत्व दिया जाए।

-**सत्या सिंह**, बीए द्वितीय वर्ष, खूनखूनजी गर्ल्स डिग्री कॉलेज, लखनऊ

विद्यार्थी जीवन में तनाव आम समस्या बन गई है। विद्यार्थियों को सबसे अधिक परेशानी तब होती है, जब घर और बाहर दोनों ओर से अपेक्षाओं का दबाव एक साथ महसूस होता है। घर में माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और "सफल" बनने की जिद मानसिक तनाव को बढ़ा देती है। कई बार विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे नहीं बढ़ पाते, क्योंकि समाज तय कर देता है कि क्या सही है।

-**सोनल मिश्रा**, शोध छात्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय

कभी घर का दबाव, तो कभी कंपटीशन हम बस भाग रहे हैं। क्लास, कोचिंग, असाइनमेंट और करियर की चिंता। यही आज के छात्र की दिनचर्या है। सुबह की शुरुआत किताबों से होती है और रात का अंत किसी न किसी टेंशन के साथ। कभी लगता है कि घर वालों की उम्मीदें बहुत ऊंची हैं, तो कभी डर रहता है कि कहीं कंपटीशन की रेस में पीछे न रह जाऊं।

-**अंकित दूबे**, बीटेक छात्र, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय

युवाओं के लिए विश्वविद्यालय जीवन के साथ भविष्य की जिम्मेदारियां आती हैं, जिन्हें संभालना कुछ छात्रों के लिए मुश्किल होता है। आत्मनियमन और क्रोध प्रबंधन से तनाव दूर हो सकता है। सबसे जरूरी बात कि आप भविष्य में किस दिशा में जाना चाहते हैं। अपने शौक को, कार्य करने के तरीके का भी उसी अनुरूप बनाएं। पढ़ाई के बीच-बीच में अपने पसंदीदा काम करें, जैसे संगीत सुनना, पेंटिंग, खेल आदि। अपनी भावनाएं, परेशानियां और दबाव किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा करें। अकेले सब कुछ सहने की कोशिश न करें। दोस्तों और परिवार में खुलकर बातचीत करें। छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं और उन्हें पूरा करें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और तनाव कम होता है।

-**प्रो. अर्चना शुक्ला**, मनोविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

जॉब अलर्ट

राजकोट नागरिक सहकारी बैंक (आरएनएसबी)

- पोस्ट- कनिष्ठ कार्यकारी
- योग्यता- पदानुसार
- आयु सीमा- 30 वर्ष
- अंतिम तिथि- 23-10-2025
- वेबसाइट-rnsbindia.com

भारतीय सेना

- पोस्ट - ऑफिसर
- पद -90
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि - 13-11-2025
- वेबसाइट-joinindianarmy.nic.in

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ)

- पोस्ट- एमएसडब्ल्यू, वाहन मैकेनिक
- पदों -542
- वेतन मैट्रिक्स- 18000-63200 रु.
- योग्यता- आईटीआई, 10 वीं
- आयु सीमा-18 से 25 वर्ष
- अंतिम तिथि-24-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट-bro.gov.in

करियर की अच्छी शुरुआत के लिए उपयोगी कंप्यूटर कोर्स

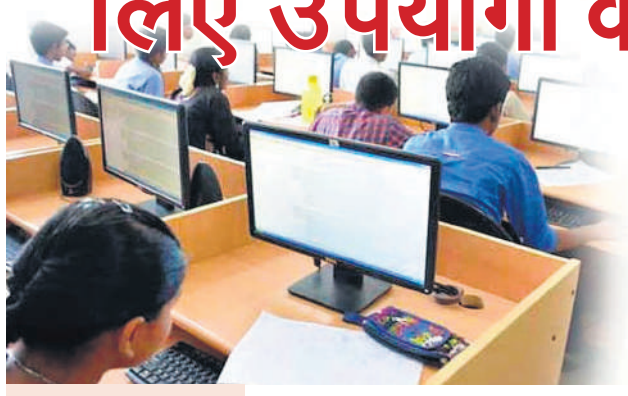

आज के डिजिटल युग में हर काम कंप्यूटर से जुड़ा है। बैंकिंग हो, ऑफिस वर्क या बिजनेस, कंप्यूटर का ज्ञान अब सिर्फ जरूरी नहीं, बल्कि एक अहम स्किल बन चुका है। अगर आपने 12 वीं पास कर ली है और कम बजट में ऐसा कोर्स करना चाहते हैं, जिससे अच्छी कमाई हो सके, तो ये पांच कंप्यूटर कोर्स आपके लिए परफेक्ट हैं।

डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन

डीसीए एक बेसिक, लेकिन बेहद उपयोगी कोर्स है। यह आपको कंप्यूटर की मूलभूत जानकारी देता है। यह कोर्स 6 महीने से 1 साल में पूरा हो जाता है। इसमें आपको एमएस ऑफिस, एमएस वर्ड, एक्सल, पॉवर प्वाइंट और इंटरनेट का सही इस्तेमाल सिखाया जाता है। इसकी फीस भी कम होती है, इसलिए यह शुरुआती छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त है। इस कोर्स को करने के बाद आप ऑफिस असिस्टेंट, डेटा एंट्री ऑपरेटर या कंप्यूटर टीचर के रूप में काम शुरू कर सकते हैं।

टैली ईआरपी 9

अगर आपकी रुचि अकाउंटिंग और फाइनेंस में है, तो टैली ईआरपी 9 सबसे अच्छा विकल्प है। यह कोर्स बुककीपिंग, जीएसटी, बिलिंग, इन्वेंटरी और अकाउंट मैनेजमेंट जैसी स्किल्स सिखाता है। इस कोर्स की मदद से आप किसी कंपनी के अकाउंट सेक्शन में नौकरी कर सकते हैं या अपनी बुककीपिंग सर्विस शुरू कर सकते हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट कोर्स

कंप्यूटर नेटवर्किंग और इंटरनेट कोर्स कम फीस में उपलब्ध है। यह कोर्स आपको नेटवर्क सेटअप, ईमेल मार्केटिंग, इंटरनेट सिक्योरिटी और ब्राउजिंग जैसी जरूरी चीजें सिखाता है। इससे आप डिजिटल मार्केटिंग, नेटवर्क एडमिन या फ्रीलांसर के रूप में काम कर सकते हैं।

ई-बिजनेस और इंटरनेट सिक्योरिटी कोर्स

आज डिजिटल युग में ई-बिजनेस और इंटरनेट सिक्योरिटी की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। यह कोर्स आपको ऑनलाइन बिजनेस चलाना, वेबसाइट मैनेज करना, पेमेंट सिस्टम और साइबर सिक्योरिटी जैसी स्किल्स सिखाता है। कोर्स पूरा होने के बाद आप ऑनलाइन स्टोर मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी या साइबर सिक्योरिटी कंसल्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं।

C++ और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का कोर्स

अगर आप टेक्नोलॉजी में गहरी रुचि रखते हैं, तो C++ या सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग का शॉर्ट-टर्म कोर्स करें। इसमें प्रोग्रामिंग की बेसिक जानकारी दी जाती है। थोड़ी मेहनत और प्रैक्टिस के बाद आप सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट या एप्लीकेशन डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं।

वो कॉलेज के दिन

कक्षा आठ से पहले सुनते थे कि कॉलेज में एक-दो किताबें लेकर ही जाना होता है। मुझे गणित विषय में रूचि नहीं थी, उसको जबरदस्ती पढ़ना होता था। मैंने सुना था कि कक्षा नौ में अपनी मर्जी से विषय चुन सकते हैं। कक्षा आठ में परीक्षा से पहले जब आखिरी गणित की क्लास हुई, तो मैं खुशी से चहक उठा। कक्षा नौ में एडमिशन लेने का वक्त आया, तो मेरे जीजाजी ने मेरा फॉर्म भरा और उन्होंने फिर साइंस विषय दिला दिया। मुझे फिर से मैथ्स विषय पढ़ना पढ़ा। मैंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया दिल्ली से ग्रेजुएशन किया। मैं इस बात को लेकर उत्साहित था कि बिना ड्रेस और भारी बैग से निजात मिलने के बाद कॉलेज का अनुभव रहेगा? क्योंकि एक आदत पड़ी हुई थी ड्रेस पहनकर जाना, कई किताबें और कॉपी भी रखना। कॉलेज में बैग हल्का जरूर है, लेकिन पढ़ाई का बोझ बढ़ जाता है। खुद से पढ़ने को लेकर सीरियस होना पड़ता है। उसकी वजह यह है कि किसी भी विषय से संबंधित पूरे सिलेबस के चैप्टर एक ही किताब में नहीं मिलते हैं। अलग-अलग किताबों से ढूंढकर सिलेबस को पूरा पढ़ना होता है। कई कॉपी की जगह एक ही रफ कॉपी में कई क्लास अटेंड की जा सकती हैं, लेकिन घर पहुंचकर सभी विषयों के अलग-अलग नोट्स बनाने होते हैं। सीनियर होने का भी अलग सुखद अनुभव होता है। यदि कोई लंबाई या उम्र में ज्यादा है, लेकिन हमसे पीछे क्लास में है, तो वह 'आप' कहकर ही बोलता है। साथ ही सीनियर होने के नाते सम्मान देता है और मार्गदर्शन प्राप्त करता है। यह देखकर बड़ी खुशी होती थी। हालांकि मैंने व्यक्तिगत रूप से अपने सीनियर होने पर घमंड नहीं दिखाया और न ही जूनियर के साथ अभद्र व्यवहार किया। कॉलेज एक वजह से और अलग है कि यदि आपको सभी शिक्षकों की क्लास नहीं लेनी, तो आप बाद में भी कॉलेज आ सकते हैं या बीच में कुछ शिक्षकों की क्लास करके भी जा सकते हैं। कॉलेज में सीखने की दो प्रमुख जगहें हैं। एक कैंटीन, जहां चाय पर सहपाठी किसी भी विषय पर वाद-विवाद करने लगते हैं और दूसरा लाइब्रेरी है, जहां छात्र क्लास से भी ज्यादा समय देकर सेल्फ स्टडी करते हैं। यही छात्र अपने फील्ड में नाम रोशन और लक्ष्य को पाते हैं। ग्रेजुएशन में एडमिशन लेने के बाद दो साल तक यूनिवर्सिटी बंद रही। यूनिवर्सिटी खुलवाने के प्रदर्शन में मैं कई बार अपने घर से 100 किमी दूर प्रदर्शन में शामिल होने गया था। मुझे आज भी अफसोस रहता है कि काश उन दो सालों को मैं यूनिवर्सिटी में बिताता तो अपने ज्ञान में और वृद्धि का पाता साथ ही मेरे लिए और भी अवसर खुलते। मास्टर्स पूरा होने के बाद कॉलेज का कैंपस याद आता है और मन करता है कि यदि जिंदगी में कोई और जिम्मेदारी न हो, तो किसी और कोर्स में एडमिशन लेकर कैंपस में समय व्यतीत किया जाए।

-**एम बिलाल मंसूरी**
डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

दिवाली पर बिजली खपत में आई कमी

नई दिल्ली। देश में दिवाली पर बिजली की अधिकतम मांग या बिजली की सबसे ज्यादा आपूर्ति इस बार पिछले साल की तुलना में कम रही, जिससे त्योहार के दौरान आम रुझान में गिरावट दिखी। सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग घटकर 180.14 गीगावाट रह गई, जो गत वर्ष 31 अक्टूबर, 2024 को दिवाली के दिन अधिकतम मांग 182.87 गीगावाट थी। दिवाली पर घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा लाइट और अन्य उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बिजली की खपत के साथ मांग भी बढ़ जाती है।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जापान का निर्यात और आयात सितंबर में बढ़ा

तोक्यो। जापान के निर्यात में सितंबर में 4.2% की वृद्धि हुई है। एशिया को मजबूत निर्यात से अमेरिका को निर्यात में आई गिरावट की भरपाई हुई है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान के वित्त मंत्रालय ने बताया कि गत माह जापान का एशिया को निर्यात सालाना आधार पर 9.2% बढ़ा। अमेरिका को निर्यात में 13.3% की गिरावट आई। अमेरिका को निर्यात में लगातार छठे महीने गिरावट आई जबकि चीन को निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 5.8% बढ़ा। जापान का आयात कुल मिलाकर सितंबर में 3.3 % बढ़ा। एशिया में 6% की वृद्धि हुई, जिसमें चीन से आयात में 9.8 % की वृद्धि शामिल है।

सेंचुरी की बिक्री बुकिंग दोगुना से अधिक

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी सेंचुरी रियल एस्टेट की बिक्री बुकिंग आवासीय परियोजनाओं की मजबूत मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में दोगुना से अधिक होकर 1,062 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 452 करोड़ की संपत्तियां बेची थीं। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग बढ़कर 1,305 करोड़ रुपये हो गई, पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 907 करोड़ थी। सेंचुरी रियल एस्टेट के सीईओ महेश प्रभु ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की अवधि निर्णायक तिमाही रही है, जिसमें हमारे पोर्टफोलियो में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई।

मोटर वाहन क्षेत्र में 4.6 अरब डॉलर के हुए सौदे

नई दिल्ली। भारत के मोटर वाहन क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.6 अरब डॉलर के 30 लेनदेन हुए। इसे टाटा मोटर्स के इवेको एसपीए के 3.8 अरब डॉलर के अधिग्रहण से बढ़ावा मिला। ग्रांट थॉर्नटन भारत ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'ग्रांट थॉर्नटन भारत क्यू3 (तीसरी तिमाही) 2025 ऑटोमोटिव डीलट्रैकर' के अनुसार, टाटा मोटर्स-इवेको सौदे को छोड़कर अप्रैल-जून तिमाही में मूल्य में 36% की गिरावट आई जो दर्शाता है कि बड़े रणनीतिक दांव समग्र सौदे की गति को परिभाषित करते रहेंगे। सौदों की मात्रा गत तिमाही के समान रही लेकिन मूल्यों में तेजी से वृद्धि हुई।

सस्ते आयात और डंपिंग से इस्पात क्षेत्र को नुकसान

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार क्षेत्र को नीतिगत समर्थन की जरूरत

● स्टील अंडर सीज: अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया शीर्षक से प्रकाशित हुआ लेख

मुंबई, एजेंसी

देश के इस्पात क्षेत्र को 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक इस्पात उत्पादकों के सस्ते आयात और डंपिंग के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

केंद्रीय बैंक के अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित लेख में कहा गया कि इस्पात आयात में वृद्धि देखी गई है जिसका मुख्य कारण आयात कीमतें कम होना है। इससे घरेलू इस्पात उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। साथ ही इसमें घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन का आह्वान किया गया है। 'स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडिया' शीर्षक वाले लेख में कहा गया कि वैश्विक उत्पादकों के सस्ते इस्पात की डंपिंग से घरेलू इस्पात उत्पादन को खतरा हो सकता है। हालांकि, इसे उपयुक्त नीतिगत उपायों के माध्यम से कम किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल आयात डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है।

भारत ने अपनी मांग को पूरा करने के लिए इस्पात उत्पादों का आयात किया। देश के लौह एवं इस्पात आयात में 2024-25 की पहली छमाही में 10.7% की वृद्धि हुई, जबकि 2024-25 की दूसरी छमाही में इसमें कमी दर्ज की गई जिसका मुख्य कारण रक्षोपाय (सेफगार्ड) शुल्क था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस्पात की कम कीमतों से भारत ने 2023-24 में अपने इस्पात आयात में 22% की वृद्धि दर्ज की। भारत 45% इस्पात का आयात दक्षिण कोरिया (14.6%), चीन (9.8%), अमेरिका (7.8%), जापान (7.1%) व ब्रिटेन (6.2%) से करता है। 2024-25 के दौरान चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और वियतनाम से इस्पात आयात में वृद्धि हुई है। इसके अलावा अप्रैल, 2022 से नवंबर, 2024 तक भारत की इस्पात खपत औसतन 12.9% (मासिक वृद्धि दर का औसत) बढ़ी है। 2022 से घरेलू खपत एवं उत्पादन के बीच का अंतर बढ़ गया है। अप्रैल, 2022 से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर इस्पात की कीमतों में कमी आई है।

चुनौतियों से घरेलू बाजार व उत्पादकों पर बढ़ा दबाव

आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग के अधिकारी अनिर्बन सान्याल और संजय सिंह द्वारा लिखे लेख में कहा गया, हाल के दिनों में भारत के इस्पात क्षेत्र को प्रमुख इस्पात उत्पादक देशों से बढ़ते आयात और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इन कारकों ने घरेलू बाजार हिस्सेदारी को प्रभावित किया है। इन्होंने क्षमता उपयोग को कम किया तथा घरेलू उत्पादकों पर दबाव बढ़ाया है। साथ ही निर्यातक देशों की मूल्य निर्धारण रणनीतियां इस्पात उद्योग के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। इन चुनौतियों से निपटने को संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत है, जिसमें नीतिगत समर्थन और नवोन्मेषण, लागत दक्षता एवं टिकाऊ व्यवहार से भारत के इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए पहल शामिल हैं। आयात में वृद्धि इस्पात की कम आयात कीमतें हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ये लेखकों के विचार हैं। ये लेख 2013-25 तक के मासिक आंकड़ों पर आधारित है।

रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार 880 टन के पार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 880 टन के स्तर को पार कर गया। इस भंडार में केंद्रीय बैंक ने सितंबर के अंतिम सप्ताह में 0.2 टन सोना जोड़ा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर, 2025 तक सोने का कुल मूल्य 95 अरब डॉलर था। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, हाल के महीनों में सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की मांग में वृद्धि हुई है। सितंबर में समाप्त छमाही में, रिजर्व बैंक ने 0.6 टन (600 किलोग्राम) सोना खरीदा। रिजर्व बैंक के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, सितंबर और जून में क्रमशः कुल 0.2 टन (200 किलोग्राम) और 0.4 टन (400 किलोग्राम) सोना खरीदा गया। रिजर्व बैंक के पास कुल स्वर्ण भंडार सितंबर के अंत तक बढ़कर 880.18 टन हो गया, जो 2024-25 के अंत तक 879.58 टन था। 2024-25 के दौरान, रिजर्व बैंक ने 54.13 टन सोना जोड़ा था। बुलेटिन में कहा गया कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ने से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतों में वृद्धि हुई है, जिसने सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी को प्रोत्साहित किया और केंद्रीय बैंकों और निवेशकों द्वारा वित्तीय परिसंपत्ति के रूप में सोने की निरंतर मांग ने घरेलू कीमतों में वृद्धि को बढ़ावा दिया। वैश्विक स्तर पर, केंद्रीय बैंकों ने आधिकारिक भंडार में 166 टन सोना जोड़ा, जिससे इसकी मांग में और वृद्धि हुई।

वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ ग्लोबल साउथ साथ आए

नई दिल्ली, एजेंसी

अंकटाड के 16वें सत्र को केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने किया संबोधित

भारत ने बुधवार को विकासशील और अल्प विकसित देशों से शुल्क बाधाएं, एकतरफा पर्यावरणीय प्रतिबंध और सेवा क्षेत्र में आने वाली रुकावटें जैसी वैश्विक व्यापार से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) के 16वें सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अब समय आ गया है कि 'ग्लोबल साउथ' अपनी साझा चिंताओं पर एकजुट होकर आवाज उठाए।

उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया अस्थिर स्थिति में है, जहां वैश्विक व्यापार प्रणाली कई तरह की अनिश्चितताओं, चुनौतियों और अस्पष्टताओं से घिरी हुई है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां बहुपक्षीय संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और देशों के बीच विश्वास की भारी कमी है। हमें हर दिन कई गंभीर और जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। नियम-आधारित व्यापार प्रणाली में लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है। बाजार से इतर प्रथाएं बढ़ रही हैं। मुक्त व्यापार में शुल्क और गैर-शुल्क अड़चनें आ रही हैं। साथ ही आपूर्ति श्रृंखला का अत्यधिक केंद्रीकरण भी एक बड़ी समस्या बन गई है। चाहे वह उत्पादन स्तर पर हो या कभी-कभी मांग के स्तर

● बोले- नियम-आधारित व्यापार प्रणाली में लोगों का भरोसा हो रहा कमजोर

पर। गोयल ने बताया कि जब विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई थी, तब विकासशील और अल्प विकसित देशों को जो विशेष और अलग तरह की सुविधाएं दी गई थीं, उनमें अब ढील दी जा रही है।

मंत्री ने कुछ देशों और भौगोलिक क्षेत्रों द्वारा लगाए जा रहे एकतरफा पर्यावरणीय प्रतिबंधों, दुनिया को विभाजित करने वाली प्रौद्योगिकियों और सेवा क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक नीतियों जैसी बाधाओं पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ये मुद्दे हमारे सामने खुले तौर पर मौजूद हैं और हमें इन्हें देखने तथा इनका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां विशेष रूप से कम विकसित और विकासशील देशों को सबसे ज्यादा प्रभावित करती हैं, क्योंकि उनके सामने विकास का एजेंडा है।

आपूर्ति श्रृंखला में जुझारूपन लाने को अतिरिक्त खर्च करने को तैयार

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों की आपूर्ति श्रृंखला को जुझारू बनाने के लिए काम कर रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त खर्च करने को भी तैयार है। गोयल ने अंकटाड की बैठक में 'जुझारू, टिकाऊ और समावेशी आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार लॉजिस्टिक' पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश की खुदरा और औद्योगिक क्षमता बढ़ाने के इरादे से आत्मनिर्भर भारत पहल शुरू की है। गोयल ने कहा कि हम प्रत्येक आपूर्ति श्रृंखला को उद्योग के हिसाब से देख रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हम कहां कमजोर हैं और हमें कहां क्षमता विस्तार की जरूरत है। हम अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में जुझारू बनाने के लिए अतिरिक्त खर्च करने को तैयार हैं। सरकार ने 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना और सेमीकंडक्टर उत्पादन बढ़ाने की नीति शुरू की है।

बॉण्ड वाले एमएफ से 1.02 लाख करोड़ की निकासी

नई दिल्ली, एजेंसी

● नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा

निश्चित आय वाले बॉण्ड आधारित म्यूचुअल फंड (एमएफ) योजनाओं से सितंबर महीने में 1.02 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई। बड़े संस्थागत निवेशकों की निकासी इसकी प्रमुख वजह रही। म्यूचुअल फंड उद्योग के निकाय एम्फी की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

अगस्त में इन फंड योजनाओं से 7,980 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई थी जबकि जुलाई में 1.07 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया था। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने ऋण या बॉण्ड में निवेश करने वाली 16 में से 12 एमएफ श्रेणियों में शुद्ध निकासी दर्ज की गई। इनमें लिक्विड फंड योजनाओं से 66,042 करोड़, मनी मार्केट फंड से 17,900 करोड़ रुपये और बेहद कम अवधि वाले फंड से 13,606 करोड़ रुपये की निकासी शामिल है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में विश्लेषक नेहाल मेश्राम ने कहा कि यह निकासी मुख्यतः सितंबर तिमाही के अंत की नकदी जरूरतों और अग्रिम कर भुगतान से जुड़ी संस्थागत निकासी का नतीजा है। बड़े पैमाने पर निकासी से ऋण आधारित फंड योजनाओं की प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) सितंबर अंत तक घटकर 17.8 लाख करोड़ रह गईं, जो अगस्त में 18.71 लाख करोड़ थीं। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में सितंबर में 30,421 करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है।

भारत के स्मार्टफोन बाजार में तीन प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

● ओमडिया के अनुसार, लाभ एक मजबूत वर्ष के अंत तक बरकरार रहने की संभावना नहीं

भारत का स्मार्टफोन बाजार कैलेंडर वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 3% बढ़कर 4.8 करोड़ इकाई तक पहुंच गया। ओमडिया के अनुसार, शुरुआती गति के बावजूद, लाभ एक मजबूत वर्ष के अंत तक बरकरार रहने की संभावना नहीं है।

ओमडिया के अनुसार, यह मामूली वृद्धि मुख्य रूप से जुलाई और अगस्त में नए स्मार्टफोन के बाजार में आने, खुदरा विक्रेताओं को दिए गए प्रोत्साहन और त्योहारी सीजन जल्दी शुरू होने से हुई, जिससे कंपनियों ने पहले ही माल भेजना शुरू कर दिया। ओमडिया के प्रमुख विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा कि चूंकि बाजार में स्वाभाविक मांग कम थी, इसलिए तीसरी तिमाही की बिक्री मुख्य रूप से दुकानों और वितरकों को दिए प्रोत्साहनों के जरिये बढ़ी, न कि ग्राहकों की सामान्य खरीदारी से। विवो (आईक्यूओओ को छोड़कर) ने 97 लाख इकाई (20% बाजार हिस्सेदारी) के साथ बाजार में अपनी बढ़त बढ़ा दी, जबकि सैमसंग 68 लाख इकाई (14% बाजार हिस्सेदारी) के साथ दूसरे स्थान पर रहा। शाओमी तीसरे स्थान पर रही, जिसने ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) को थोड़े से अंतर से पीछे छोड़ा, दोनों ने 65 लाख इकाई की बिक्री की।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन सट्टेबाजी : कोर्ट ने केंद्र से मांगी मदद

याचिका के अनुसार, देश की करीब आधी आबादी ऑनलाइन खेलने में संलिप्त, सालाना 1.8 लाख करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका की एक प्रति केन्द्र सरकार के वकील को देने के लिए कहा

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल और ई-स्पोर्ट्स खेलों की आड़ में चल रहे ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी करने से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार से सहायता मांगी है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह जनहित याचिका की एक प्रति केन्द्र सरकार के वकील को सौंपें।

पीठ ने शुक्रवार को कहा कि हम वीसी भारती से अनुरोध करते हैं कि वह याचिका पर गौर करें और अगली सुनवाई में हमारी सहायता करें। सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए सूचीबद्ध की जाए। शीर्ष अदालत 'सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टमिक चेंज' (सीएएससी) थिंक टैंक की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि ये प्लेटफार्म कथित तौर पर सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में संचालित होते हैं। जनहित याचिका में दावा किया गया, ''भारत के अधिकतर राज्यों में सट्टेबाजी और जुए को गैरकानूनी गतिविधियां माना जाता है। उच्च न्यायालयों में कई मामलों पर सुनवाई हुई, जिनमें सरकार और गेमिंग प्लेटफार्म ने हलफनामे दायर किए। इनका विश्लेषण करने पर पता चला है कि 65 करोड़ से अधिक लोग ऐसे खेल खेल रहे हैं। इससे भारत में 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वार्षिक कारोबार होता है। याचिका के अनुसार ''भारत की लगभग आधी आबादी ऑनलाइन गेम खेलने में संलिप्त है, जिससे समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

23 साल चले मुकदमे के बाद महिला को मिलेगा मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में रेल हादसे में अपने पति को खो चुकी महिला को वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे से उचित मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की। सायनोक्ता देवी के पति विजय सिंह के पास 21 मार्च 2002 को बख्तियारपुर स्टेशन से भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से पटना जाने के लिए वैध रेलवे टिकट था, लेकिन डिब्बे में भारी भीड़ से वह दुर्घटनावश बख्तियारपुर स्टेशन पर ही चलती ट्रेन से गिर गए और उनकी मौत हो गई। सायनोक्ता देवी ने इसके बाद पति की मौत का मुआवजा पाने के लिए करीब दो साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनके दावे को रेलवे दावा न्यायाधिकरण और पटना उच्च न्यायालय ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। सायनोक्ता देवी ने उच्च न्यायालय द्वारा उनके दावे को खारिज करने के आदेश के खिलाफ वकील फौजिया शकील के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में रेलवे दावा न्यायाधिकरण और पटना हाईकोर्ट की दलीलों को खारिज करते हुए आदेशों को बेतुका, काल्पनिक और रिकॉर्ड पर निर्विवाद तथ्यों के विपरीत करार देते हुए रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत ने 2 फरवरी, 2023 के आदेश में कहा था, अपीलकर्ता के दावे को न्यायाधिकरण और हाईकोर्ट दोनों ने इस आधार पर स्वीकार नहीं किया कि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और वह अज्ञात ट्रेन ने गिरा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती तो वह वैध रेलवे टिकट खरीदना और ट्रेन में चढ़ने की कोशिश नहीं करता। शीर्ष अदालत ने रेलवे को निर्देश दिया कि वह मृतक की पत्नी को दावा की तारीख से 6% वार्षिक ब्याज के साथ दो माह में चार लाख रुपये का मुआवजा दे।

वाराणसी में इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग, यात्री सुरक्षित

वाराणसी। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी।

अनुमति पर विमान को शाम 4:10 बजे रनवे पर सुरक्षित उतारा गया। गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित रूप से आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी हुई है। स्थिति पूर्णतः सामान्य और नियंत्रण में है।

निर्देशों की अवहेलना पर 1000 बीएलओ को नोटिस

कोलकाता, एजेंसी

● अनुरोध पर भी ईआरओ-नेट पोर्टल पर बीएलओ ने अपना नाम नहीं किया पंजीकृत

प. बंगाल में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत चुनावी निर्देशों की अवहेलना पर लगभग एक हजार बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को जारी नोटिस का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के बार-बार अनुरोध के बावजूद अधिकारी ईआरओ-नेट पोर्टल पर बीएलओ के रूप में अपना नाम पंजीकृत करने में कथित रूप से विफल रहे हैं।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नोटिस के अनुसार, ऐसी विफलताएं जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत जानबूझकर की लापरवाही और कर्तव्य की उपेक्षा के बराबर हैं, जिसमें यह अनिवार्य है कि चुनावी कार्य के लिए नियुक्त सभी अधिकारी भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नोटिस में कहा गया कि चुनाव ड्यूटी के दौरान बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माना जाएगा और वे उसके पर्यवेक्षण एवं अनुशासनात्मक नियंत्रण के अधीन होंगे। बीएलओ को तीन दिन में यह बताने को कहा गया है कि जानबूझकर लापरवाही बरतने और सरकारी आदेश की अवहेलना पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। तय समयसीमा में जवाब न देने पर यह माना जाएगा कि उनके पास कोई वैध औचित्य नहीं है और कानून एवं विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नहीं रहे अंग्रेजों के जमाने के जेलर

मुंबई, एजेंसी

● हास्य अभिनेता असरानी का 84 वर्ष की उम्र में निधन

फिल्म शोले में सनकी जेलर की भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले व हास्य भूमिकाओं के लिए दिग्गज अभिनेता असरानी का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री मोदी सहित फिल्म जगत और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

पांच दशकों से अधिक समय तक कई फिल्मों में काम करने वाले गोवर्धन असरानी, जिन्हें असरानी के नाम से जाना जाता है, को शोले, नमक हराम और गुड्डी में उनके किरदारों के लिए याद किया जाता है। उनका निधन सोमवार को अपराह्न तीन बजे हुआ। चार दिन पहले उन्हें उपनगरीय जुहू स्थित भारतीय आरोग्य निधि अस्पताल में भर्ती किया गया था। असरानी के प्रबंधक बाबूभाई थिबा ने बताया कि वह थोड़े अस्वस्थ थे। सांस लेने में तकलीफ थी। चिकित्सकों ने हमें बताया कि उनके फेफड़ों में पानी जमा हो गया था। असरानी ने 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। वह बेजोड़ हास्य टाइमिंग से दर्शकों में लोकप्रिय रहे। उनका संवाद, हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं आज भी लोकप्रिय है। उनकी लोकप्रिय फिल्मों में बावर्ची, गोलमाल, हेरा फेरी, चुप चुप के, हलचल, दीवाने हुए पागल, वेलकम शामिल हैं। असरानी के परिवार में उनकी पत्नी हैं।

लोकपाल अब 'शौक पाल' बन गया : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को भ्रष्टाचार विरोधी संस्था लोकपाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह अब लोकपाल नहीं, बल्कि 'शौक पाल' बन गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने लोकपाल द्वारा सात लग्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए निविदा जारी किए जाने को लेकर इस संस्था पर तंज कसा।

रमेश ने कहा कि लोकपाल अब शौक पाल बन गया है। अन्ना हजारे, अरविंद केजरीवाल, इंडिया अगेंस्ट करप्शन और आरएसएस द्वारा दुष्प्रचार करके मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ झूठी कहानी गढ़ी गई और अब लोकपाल की सच्चाई लोगों के सामने है। रमेश ने कहा कि लोकपाल ने क्या जांच की है और किन लोगों को गिरफ्तार किया है। लोकपाल ने सात लक्जरी बीएमडब्ल्यू कारों की खरीद के लिए निविदा जारी की है जिनकी कीमत पांच करोड़ रुपये है।

सरफराज के चयन में 'उपनाम' को लेकर कांग्रेस-भाजपा में रार

नई दिल्ली, एजेंसी

● शमा मोहम्मद की टिप्पणी पर भाजपा ने कहा- सांप्रदायिक एजेंडे से क्रिकेट से रखें दूर

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने बुधवार को सवाल उठाकर विवाद खड़ा कर दिया कि क्या मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को उनके उपनाम की वजह से भारतीय ए क्रिकेट टीम में नहीं चुना गया। उन्होंने गौतम गंभीर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि इस मामले में उनका क्या रुख है। भाजपा ने उनकी टिप्पणी पर कहा कि सांप्रदायिक एजेंडे से क्रिकेट को दूर रखा जाना चाहिए।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआईआई) की राष्ट्रीय चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों के लिए भारतीय टीम का चयन किया है। खान को ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दो टीमों में स्थान नहीं मिला। भारतीय ए टीम में उन्हें शामिल न किए जाने पर सोशल मीडिया पर लोगों ने पूछा कि टीम में जगह पाने के लिए वह और क्या कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, क्या सरफ़राज़ खान को उनके उपनाम की वजह से नहीं चुना गया है? बस पूछ रही हूं। गौतम गंभीर इस मामले में क्या सोचते हैं। उन पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह महिला और उनकी पार्टी बीमार हैं। रोहित शर्मा को मोटा कहने के बाद, वह और उनकी पार्टी क्रिकेट टीम को भी सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहती है? देश का बंटवारा करके मन नहीं भरा क्या? उसी टीम में मोहम्मद सिराज और खलील अहमद खेलेंगे।

दिल्ली की फिजा में तीसरे दिन भी 'जहर'

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में मान सिंह रोड पर छाया घना धुंध।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी तथा हवा की गति कम होना इसकी बड़ी वजह रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी दैनिक बुलेटिन के अनुसार, बुधवार शाम चार बजे शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 353 रहा। यह इस मौसम में अब तक का सबसे अधिक दर्ज किया गया एक्यूआई है। एक्यूआई मंगलवार को 351 और सोमवार को 345 था। दिन के समय दिल्ली में धुंध छाई रही और हवा की गति सात किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक नहीं रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आने वाले दिनों में प्रदूषण बढ़ने का अनुमान जताया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा कि हवा की दिशा पूर्व से पश्चिमी हो गई है, लेकिन गति कम बनी हुई है। रात के समय हवा धीमी बनी रही और दिन में गति केवल 5-7 किमी प्रति घंटे रहती है। 27 अक्टूबर के आसपास कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव की उम्मीद है, लेकिन इससे भारी बारिश या हवा की गति में वृद्धि की संभावना नहीं है। केंद्र की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (ईडब्ल्यूएस) के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि दिल्ली का एक्यूआई शनिवार तक बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा, जिसके बाद छह दिनों तक यह खराब और बेहद खराब के बीच रह सकता है। सीपीसीबी के अनुसार 39 केंद्रों में से 3 गंभीर, जबकि 33 बेहद खराब श्रेणी में रहे।

वर्ल्ड ब्रीफ

उत्तर कोरिया ने एपेक सम्मेलन से पहले दागी कई मिसाइलें

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने पिछले पांच महीनों में पहली बार बुधवार को कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से पहले उत्तर कोरिया के इस कृत्य से इस क्षेत्र में फिर से तनाव बढ़ने लगा है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, मिसाइलें स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8:10 बजे प्योंगयांग के दक्षिण में एक क्षेत्र से दागी गई और लगभग 350 किलोमीटर (217 मील) की दूरी तय करने के बाद जमीन पर गिरीं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस ने कहा, "हमारी सेना ने अतिरिक्त प्रक्षेपणों की आशंका में निगरानी और तैयारी बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा कर रहे हैं।

श्रीलंका में अज्ञात बंदूकधारी ने विपक्षी नेता की हत्या की

कोलंबो। श्रीलंका में अज्ञात बंदूकधारी ने बुधवार को एक विपक्षी नेता की उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि राजधानी कोलंबो से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण में स्थित तटीय शहर वेलिगामा के परिषद प्रमुख लासांथा विक्रमसेकरा (38) अपने आधिकारिक कार्य निपटा रहे थे, तभी बंदूकधारी ने कार्यालय की इमारत में प्रवेश किया और पिस्तौल से गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि हमलावर गोलीबारी के बाद मौके से फरार हो गया। विक्रमसेकरा को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने गोलीबारी के कारणों का खुलासा नहीं किया और कहा कि संदिग्ध की पहचान के लिए जांच जारी है।

पाकिस्तानी नौसेना ने जब्त किए एक अरब डॉलर के मादक पदार्थ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नौसेना ने अरब सागर में दो नावों से लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये हैं। 47 राष्ट्रों की नौसैनिक साझेदारी वाले, संयुक्त समुद्री बल (सीएमएफ) ने यह जानकारी दी। सीएमएफ में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले 'संयुक्त कार्य बल 150' के प्रत्यक्ष समर्थन में काम कर रहे पाकिस्तानी नौसेना के पोत यारमुक ने 16 अक्टूबर को शुरू हुए अभियान के दौरान अरब सागर में 972,400,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए। सीएमएफ 47 देशों की नौसैनिक साझेदारी वाला बल है जो विश्व के महत्वपूर्ण नौवहन मार्गों को शामिल करते हुए 32 लाख वर्ग मील जलीय क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देता है।

लुव्र संग्रहालय दिनदहाड़े चोरी की घटना के तीन दिन बाद फिर खुला

- चोरी गए आभूषणों का मूल्य 10.2 करोड़ डॉलर, कोई गिरफ्तारी नहीं

पेरिस। लुव्र संग्रहालय दिनदहाड़े चोरी की वारदात के बाद बुधवार सुबह दोबारा खोला गया। तीन दिन पहले चोरों ने संग्रहालय की एक खिड़की तोड़कर करीब 10.2 करोड़ डॉलर मूल्य के फ्रांसीसी शाही आभूषण चुरा लिए थे। यह चोरी संग्रहालय में प्रदर्शित मोना लिसा की पेंटिंग से 250 मीटर दूरी पर हुई थी, इसने पूरे देश को झकझोर दिया है।

कुछ अधिकारियों ने इस चोरी की तुलना 2019 में 'नोट्रे-डेम कैथेड्रल' में लगी आग से की है। चोरी के बाद संग्रहालय में तीन दिन तक जांच चली। जिस अपोलो कक्ष में चोरी हुई थी, वह आगंतुकों के लिए बंद रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार, चोरों ने सिर्फ चार मिनट से भी कम समय में वारदात को अंजाम दिया। चोरी हुए आठ आभूषणों में 19वीं सदी की रानी मैरी-अमेलिया और हॉर्टेंस का नीलम से जड़ा मुकुट, हार और एक कान की बाली, नेपोलियन बोनापार्ट की दूसरी पत्नी महारानी मैरी-लुईज़ का पन्ना जड़ित हार और बालियां, एक कीमती ब्रोच, महारानी यूजनी का हीरे जड़ा मुकुट और हीरे-पन्ने का ब्रोच शामिल हैं। इनमें महारानी यूजनी का पन्ना जड़ा मुकुट जिसमें 1300 से ज्यादा हीरे हैं, बाद में संग्रहालय के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा मिला। पेरिस की अभियोजक लॉरे बेकुआ ने बताया चुराए गए शाही आभूषणों की कीमत 10.2 करोड़ डॉलर आंकी गई है। अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बड़े फैसलों का अभी इंतजार

लोकपाल को चाहिए विदेशी कार

लोकपाल का गठन वैसे तो भ्रष्टाचार रोकने और संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों के खिलाफ जांच करने के उद्देश्य से किया गया था लेकिन अपने गठन के पांच साल बाद यह संस्था अगर किसी वजह से सर्वाधिक चर्चा में है तो वह उसका कोई फैसला नहीं है, बल्कि लोकपाल के सदस्यों के लिए करीब 70-70 लाख कीमत की सात विदेशी बीएमडब्ल्यू लग्जरी कारें खरीदने के लिए टेंडर जारी करने के कारण है। सवाल उठ रहा है कि जिस संस्था की जिम्मेदारी लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है, उसके सदस्यों के लिए इतनी महंगी कारें क्यों खरीदी जा रही हैं। इस बीच लोकपाल के गठन के बाद से उससे की गई शिकायतों और उनके निस्तारण के स्तर पर भी चर्चा शुरू हो गई है। ज्यादातर शिकायतें खारिज हो जाने और काफी कम मामलों में अभियोजन की स्वीकृति देने जैसे मुद्दे इनमें शामिल हैं। रिकॉर्ड बताता है कि लोकपाल का अब तक एक भी ऐसा फैसला नहीं है जिसने उसके गठन को सार्थक साबित किया हो और देश की जनता के लिए यादगार बना हो।

लोकपाल का इतिहास

- वर्ष 1966 में एलएम सिंहवी समिति ने पहली बार लोकपाल जैसे तंत्र के गठन का सुझाव दिया था।
- इसके बाद 1968 से 2011 के बीच कई बार लोकपाल बिल संसद में आया पर पारित नहीं हो सका।
- वर्ष 2011 में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन ने लोकपाल के गठन के लिए दबाव बढ़ाया।
- वर्ष 2013 में लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम पारित हुआ लेकिन नियुक्ति प्रक्रिया अटकी रही।
- वर्ष 2019 में छह साल बाद जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष भारत के पहले लोकपाल नियुक्त किए गए।

उद्देश्य/ नियुक्ति

- उच्च पदस्थ लोकसेवक जैसे प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद और केंद्रीय कर्मियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच।
- सीबीआई और इन्फोर्समेंट एजेंसियों पर सीधी निर्भरता के बजाय अलग अर्ध-स्वायत्त जांच ढांचे के गठन के लिए।
- शासन में जनविश्वास बनाए रखने के साथ प्रशासन की जवाबदेही और समस्याओं के निस्तारण को सुनिश्चित करना।
- चयन समिति में प्रधानमंत्री अध्यक्ष, लोकसभा स्पीकर, राज्यसभा में विपक्ष के नेता, सीजेआई और एक नामित सदस्य।
- एक समिति लोकपाल के लिए उपयुक्त नामों का सुझाव देती है। अधिकतम कार्यकाल पांच वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक।

शिकायतों का निस्तारण

- पांच साल में लोकपाल ने 24 मामलों में जांच के आदेश दिए, इनमें से छह में अभियोजन की मंजूरी दी गई।
- लगभग 90 प्रतिशत शिकायतों को खारिज कर दिया गया, इनका सही प्रारूप में न होना कारण बताया गया।
- पांच वर्षों में लगभग 2,320 दोषरहित शिकायतें की गईं, 226 एक अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच की गईं।
- तीन प्रतिशत शिकायतें संसद सदस्य, केंद्रीय मंत्री के विरुद्ध थीं, 21 प्रतिशत केंद्र के अधिकारियों के विरुद्ध।
- 35% शिकायतें केंद्रीय निकायों के अध्यक्ष-सदस्यों, 41% शिकायतें अन्य श्रेणी के लोगों के विरुद्ध थीं।

कार्य निस्तारण में दिक्कतें

- लोकपाल अधिनियम 2013 में पारित हुआ लेकिन पहले लोकपाल को 19 मार्च, 2019 को आठ सदस्यों के साथ नियुक्त किया गया था।
- पहले लोकपाल न्यायमूर्ति घोष मई 2022 में पद से हटे। उनकी जगह सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एएम खानविलकर दो साल बाद नियुक्त हुए।
- जांच निदेशक और अभियोजन निदेशक के पदों को भरने के लिए केंद्र सरकार को कई बार भेजे गए प्रस्तावों पर अभी निर्णय नहीं।

दुनिया की कई प्रमुख हस्तियां एआई सुपर इंटेलिजेंस के खिलाफ एकजुट

प्रतिबंध की मांग करने वालों में प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन भी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी

- गूगल, ओपनएआई जैसी आईटी कंपनियों को जारी किया पत्र
- मानवता के लिए बताया खतरा, आपसी होड़ छोड़ने को कहा

प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन प्रमुख कंप्यूटर वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, कलाकारों, ईसाई धर्मगुरुओं और अमेरिकी रूढ़िवादी टिप्पणीकारों स्टीव बैनन और ग्लेन बेक के साथ मिलकर मानवता के लिए खतरा पैदा करने वाली एआई सुपर इंटेलिजेंस पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम में शामिल हो गए हैं। राजनीतिक और भौगोलिक रूप से विविध सार्वजनिक हस्तियों के एक समूह की ओर से एक पत्र सीधे तौर पर गूगल, ओपनएआई और मेटा प्लेटफॉर्म जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों के नाम बुधवार को जारी किया गया।

ये कंपनियां कई कार्यों में मनुष्यों से आगे निकलने के लिए डिज़ाइन किए गए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एक रूप को बनाने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। पत्र में कुछ शर्तें पूरी न होने तक एआई सुपर इंटेलिजेंस पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया गया है। एक बयान में कहा गया है, हम सुपर इंटेलिजेंस के विकास पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं, और इसे तब तक नहीं हटाया जाना चाहिए जब तक इस बात पर व्यापक वैज्ञानिक सहमति न बन जाए कि यह सुरक्षित और नियंत्रण योग्य तरीके से किया जाएगा। साथ ही इसे जनता की ओर से भी समर्थन प्राप्त होना चाहिए।

प्रिंस हैरी ने एक निजी नोट में कहा कि "एआई का भविष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि उसे उसकी जगह लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि प्रगति की असली परीक्षा यह नहीं होगी कि हम कितनी तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, बल्कि यह होगी कि हम कितनी समझदारी से आगे बढ़ते हैं। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' के साथ उनकी पत्नी 'डचेस ऑफ ससेक्स' मेघन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। गैर-लाभकारी संस्था 'फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट' द्वारा जारी इस पत्र से एआई पर शोध कर रहे समुदाय के बीच सुपर इंटेलिजेंस एआई की संभावना, उस तक पहुंचने के तकनीकी रास्ते और यह कितना खतरनाक हो सकता है, इस बारे में बहस छिड़ने की संभावना है।

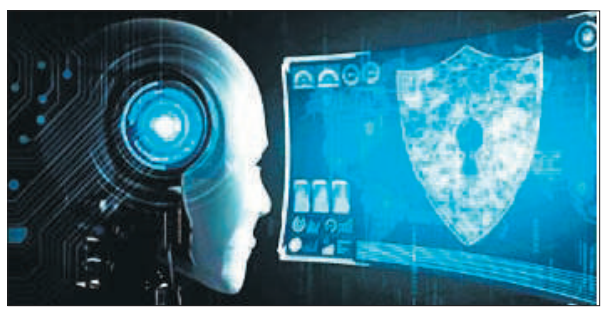

एआई के जाने-माने विशेषज्ञों ने भी गिनाए खतरे लिखा- इससे मानवता विलुप्त होने की आशंका

पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में एआई के अग्रणी विशेषज्ञ और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर स्टुअर्ट रसेल ने लिखा है, यह केवल एक प्रस्ताव है कि एक ऐसी प्रौद्योगिकी के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, जिसके निर्माताओं के अनुसार, मानव के विलुप्त होने की काफी आशंका है। कंप्यूटर विज्ञान के सर्वोच्च ट्यूरिंग पुरस्कार के सह-विजेता एआई के विशेषज्ञ योशुआ बेंगियो और जेफ्री हिंटन ने भी इसपर हस्ताक्षर किए हैं। हिंटन को पिछले साल भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। दोनों ने उस तकनीक के खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करने में अपनी भूमिका निभाई है, जिसके निर्माण में उन्होंने योगदान दिया था।

कई यूरोपीय-ब्रिटिश सांसद और अरबपति कारोबारी भी विरोध में

सूची में एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव वोज्नियाक, ब्रिटिश अरबपति कारोबारी रिचर्ड ब्रैनसन, अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के पूर्व अध्यक्ष माइक मुलेन, जो रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक प्रशासन के अधीन काम कर चुके हैं, तथा डेमोक्रेटिक विदेश नीति विशेषज्ञ सुज़ैन राइस भी शामिल हैं। आयरलैंड की पूर्व राष्ट्रपति मैरी रॉबिन्सन और कई ब्रिटिश और यूरोपीय सांसदों ने भी इस पर हस्ताक्षर किए हैं। अभिनेता स्टीफन फ्राई और जोसेफ गॉर्डन-लेविट और संगीतकार विलआई एम ने भी हस्ताक्षर किए, जिन्होंने संगीत निर्माण में एआई को अपनाया है।

पूरी दुनिया में चिंता

- इससे पहले अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस एआई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को व्हाइट हाउस में बुलाकर एआई से जुड़े संभावित खतरों को सीमित करने को कह चुकी है।
- यूरोप में भी एआई को हाई रिस्क घोषित करने की तैयारी चल रही है। ईयू इस पर पर अंकुश लगाने के लिए नया कानून बना रही है। इसने अमेरिकी टेक कंपनियों को चिंता में डाल दिया है।

अमेरिका इजराइल का संरक्षक नहीं: नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी

- वेंस के साथ बैठक से पहले कहा- अपनी सुरक्षा का फैसला इजराइल ही करेगा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ गाजा के संवेदनशील युद्धविराम समझौते की प्रगति पर चर्चा करने से पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपना रुख कड़ा करते हुए घोषणा की कि उनका देश अपनी सुरक्षा का स्वयं जिम्मेदार है और वह अमेरिका का संरक्षित देश नहीं है।

दरअसल, इजराइल जनता में चिंता है कि ट्रंप के फैसले के तहत गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की उपस्थिति, भविष्य के खतरों को विफल करने के लिए उस क्षेत्र में हमला करने की इजराइल की क्षमता को सीमित कर सकती है। नेतन्याहू की टिप्पणी को इसी चिंता को कम करने का प्रयास माना जा रहा है। वेंस के साथ बैठक में जाने से पहले नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, हम अमेरिका के संरक्षित देश नहीं हैं। अपनी सुरक्षा का फैसला इजराइल ही करेगा। बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों के साथ बाचतीत में वेंस ने माना कि शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। हालांकि उन्होंने उस उत्साहपूर्ण लहजे को बनाए रखने की कोशिश की, जो उन्होंने मंगलवार को इजराइल पहुंचने पर व्यक्त किया था।

वेंस ने कहा, हमारे सामने एक बहुत ही कठिन काम है: हमास को निरस्त्र करना और गाजा के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए गाजा का पुनर्निर्माण करना। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना कि हमास अब हमारे इजराइली दोस्तों के लिए खतरा न रहे। यह आसान नहीं है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, अभी बहुत काम करना बाकी है, लेकिन मैं अपनी स्थिति को लेकर बहुत आशावादी हूं। वेंस बुधवार को इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्ज़ोग से भी मुलाकात करेंगे। उनके साथ पश्चिम एशिया के लिये अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर भी हैं।

इस बीच, इज़राइल ने कहा कि उसने दो और बंधकों के शवों की पहचान पूरी कर ली है, जिन्हें रेड क्रॉस ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सेना को सौंप दिया था। युद्धविराम शुरू होने के बाद से, 15 बंधकों के अवशेष इज़राइल को लौटा दिए गए हैं। तेरह अन्य बंधकों को अब भी गाजा में बरामद करके उन्हें सौंपना बाकी है, जो युद्धविराम समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

युगांडा : हाईवे पर आपस में टकराए कई वाहन, 46 लोगों की मौत, तमाम घायल

कंपाला। पश्चिमी युगांडा में बुधवार को एक राजमार्ग पर दो बसें और दो अन्य वाहन आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह देश में हाल के वर्षों में हुई सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है।

पुलिस ने शुरू में मृतकों की संख्या 63 बताई थी लेकिन बाद में इसे संशोधित कर 46 कर दिया। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना स्थल पर बेहोश पाए गए कुछ लोग अब भी जीवित हैं। उत्तरी युगांडा के एक प्रमुख शहर गुलु के राजमार्ग पर मध्यरात्रि के बाद हुई इस दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, किरयांडोंगो कस्बे के पास विपरीत दिशाओं से आ रही दो बसें अन्य वाहनों को ओवरटेक करने की कोशिश में आपस में टकरा गईं। युगांडा और पूर्वी अफ्रीका के अन्य हिस्सों में घातक सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां सड़कें अक्सर संकरी होती हैं। पुलिस आमतौर पर ऐसी दुर्घटनाओं के लिए तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों को जिम्मेदार ठहराती है।

व्हाइट हाउस के सुरक्षा द्वार को कार से टक्कर मारने वाला गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन 'व्हाइट हाउस' के बाहर सुरक्षा द्वार को कार से टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि आरोपी व्यक्ति ने मंगलवार रात 10 बजकर 37 मिनट पर व्हाइट हाउस के सुरक्षा द्वार को अपनी कार से टक्कर मार दी। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने उस व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि जांचकर्ताओं ने उसकी कार की तलाशी ली और उसे सुरक्षित पाया।

जेल में बंद दो पत्रकारों को यूरोपीय संघ का शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संसद की अध्यक्ष रोबर्टा मेट्सोला ने बुधवार को घोषणा की कि बेलारूस और जॉर्जिया के जेल में बंद दो पत्रकारों ने यूरोपीय संघ का शीर्ष मानवाधिकार सम्मान 'सखारोव पुरस्कार' जीता है।

आंद्रेज पोकजोबुत प्रभावशाली पोलिश अखबार गजेटा विबोर्जा के संवाददाता हैं। उन्हें बेलारूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने का दोषी ठहराया गया और आठ साल की सजा सुनाई गई थी, जो वे नोवोपोलोत्स्क कॉलोनी में काट रहे हैं। जॉर्जिया के दो स्वतंत्र मीडिया संस्थानों की संस्थापक, प्रमुख पत्रकार म्जिया अमाघ्लोबेली को एक सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस प्रमुख को थप्पड़ मारने का दोषी ठहराया गया था। उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई थी, जिसकी मानवाधिकार समूहों ने मीडिया की आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में निंदा की थी। मेट्सोला ने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित संसद में कहा, दोनों पत्रकार वर्तमान में केवल अपना काम करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के झूठे आरोपों में जेल में हैं। उनके साहस ने उन्हें स्वतंत्रता और लोकतंत्र के संघर्ष का प्रतीक बना दिया है।

जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 सत्र में शामिल नहीं होंगे। इस समूह में विश्व की 20 सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियां शामिल हैं जो विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद का 85 प्रतिशत , अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत तथा वैश्विक जनसंख्या का दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करती हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस की भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "श्री पुतिन व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं होंगे लेकिन रूस का प्रतिनिधित्व उचित स्तर पर होगा।

पुतिन ने रूसी परमाणु बलों को दिए युद्धाभ्यास के निर्देश

मॉस्को, एजेंसी

- ट्रंप के शिखर वार्ता को टालने के बाद रूसी राष्ट्रपति का फैसला

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को देश के सामरिक परमाणु बलों को युद्धाभ्यास करने का निर्देश दिया, जिसमें मिसाइल दागना भी शामिल है। यह युद्धाभ्यास करने का निर्देश ऐसे समय में दिया गया जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेन पर उनकी प्रस्तावित शिखर वार्ता स्थगित कर दी गई है।

रूस सरकार के कार्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के परमाणु बल के सभी अंगों से जुड़े युद्धाभ्यास के एक हिस्से के रूप में, उत्तर-पश्चिमी रूस स्थित प्लेसेत्स्क प्रक्षेपण केंद्र से एक यार्स अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया गया, और बैरेंट्स सागर में एक पनडुब्बी द्वारा एक सिनेवा आईसीबीएम का प्रक्षेपण किया गया। इस युद्धाभ्यास में लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें दागने वाले टीयू-95 सामरिक बमवर्षक भी शामिल थे।

क्रेमलिन ने कहा कि इस युद्धाभ्यास में सैन्य कमान संरचनाओं के कौशल का परीक्षण किया गया। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल वालेरी गेरासिमोव ने वीडियो लिंक के जरिये पुतिन को जानकारी दी कि युद्धाभ्यास का उद्देश्य परमाणु हथियारों के उपयोग को अधिकृत करने की प्रक्रियाओं को जांचना था। पुतिन ने रेखांकित किया कि युद्धाभ्यास की योजना पहले से बना ली गई थी, लेकिन यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मंगलवार को यह कहे जाने के कुछ घंटों बाद हुआ कि बुडापेस्ट में पुतिन के साथ शीघ्र बैठक की उनकी योजना स्थगित कर दी गई है।

रूस के खिलाफ समर्थन जुटाने में जुटे जेलेंस्की बुधवार को नॉर्वे पहुंचे।

रूस के हमले में यूक्रेन में छह लोगों की मौत

कीव। रूस ने बुधवार को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइल से व्यापक हमले किए जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रात भर बड़े पैमाने पर हमले किए गए जो बुधवार तड़के तक जारी रहे। यह सर्दियों से पहले देश की ऊर्जा प्रणाली को तबाह करने की कोशिश का हिस्सा है। कीव प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने बताया कि हमले में 18 लोग घायल हो गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 22.46 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

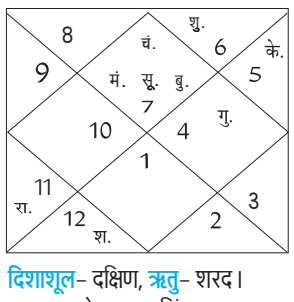

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- विशाखा 24 अक्टूबर 04.51 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष आज बैंकिंग और फाइनेंस से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आप सकारात्मक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी। जीवनसाथी से सहयोग की अपेक्षा रख सकते हैं। विवाह योग्य जातकों का विवाह तय हो सकता है।

वृष आज अपने मन को शांत रखें। आपके व्यवहार की प्रशंसा होगी। व्यस्तता के चलते कुछ आवश्यक कार्य बाधित होंगे। आपको किसी प्रियजन की सहायता करनी पड़ेगी। युवा लोगों को अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

मिथुन आज दिनचर्या अत्यंत अव्यवस्थित रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का आनंद ले सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर घर में तनाव हो सकता है। विदेश यात्रा को लेकर असमंजस में रहेंगे।

कर्क आज आपको धैर्य और शांति से कार्य करना चाहिए। स्वस्थ रहने के लिए अनुलोम-विलोम और कपालभाति अवश्य करें। विवाह आदि कार्यक्रम किसी कारण टल सकते हैं। थकान की वजह से कमजोरी और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह आज आर्थिक परेशानियां काफी हद तक दूर हो जाएंगी। बुद्धिमान लोगों की सलाह पर विचार अवश्य करें। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है। आप चतुराई पूर्वक कठिन समझे जाने वाले कार्यों को आसानी से कर लेंगे।

कन्या आज कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों को अत्यंत उपयुक्त माना जाएगा। लोगों के बीच आप सम्मान के पात्र बने रहेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा में बाधा आएगी। दूसरों की कमियों के बजाय स्वयं पर ध्यान दें। घर के सदस्यों के बीच तालमेल कुछ कम रहेगा।

तुला आज कार्यक्षेत्र में नए लोगों से आपका संपर्क हो सकता है। आप अत्यंत अनुशासित होकर घर के सभी लोगों का ध्यान रखेंगे। आप किसी महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी कर सकते हैं। शांति और धैर्य के साथ अपने काम करें।

वृश्चिक आज अधीनस्थ कर्मचारियों से मनमुटाव हो सकता है। बिना विचार किये आप बड़े आर्थिक सौदे न करें। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। समय के अनुसार अपने स्वभाव में परिवर्तन कर लें। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें।

धनु आज नया करियर शुरू करने वाले लोगों को काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक मामलों से अत्यंत जुड़े हुए रहेंगे। आप दबाव में अधिक अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अपने सहयोगियों को अत्यंत संतुष्ट भी रखेंगे।

मकर आज वर्तमान परिस्थितियों के बीच आपके कार्य लोगों के लिए प्रेरणा बनेंगे। सभी कार्य आपकी योजना अनुसार ही होंगे। व्यापार व कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहेंगे।

कुंभ आज पिछले कई दिनों से आप जिस समस्या से परेशान थे, उससे आपको राहत मिलेगी। अपने संसाधनों का सार्थक उपयोग करेंगे। विवाहेतर संबंधों से आपको दूरी बनानी चाहिए। परोपकार के कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं।

मीन आज आपका व्यवहार आपसी संबंधों पर प्रभाव डालेगा। अपने खानपान को संयमित रखें। परेशान होने के बजाय आपको आराम अधिक करना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से दबाव में आ सकते हैं।

सुडोकू - 138

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		4				
	7		5					
					2			
2						8		6
	4	1			5		9	
3		8						
			9				7	
9		4			1		5	
	8	6		5		2		

सुडोकू - 137 का हल

1	6	9	5	4	8	2	7	3
2	3	5	7	1	9	4	8	6
4	8	7	2	6	3	1	9	5
8	2	1	9	5	6	3	4	7
9	7	6	3	2	4	8	5	1
3	5	4	1	8	7	9	6	2
7	1	3	8	9	5	6	2	4
6	9	2	4	7	1	5	3	8
5	4	8	6	3	2	7	1	9

मिलानो कॉर्टिना 2026 ओलंपिक मशाल रिले के लिए मशालवाहक चुने जाने पर मैं सचमुच बहुत खुश हूं। ओलंपिक मशाल का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहा है। यह सपनों, दृढ़ता और खेल द्वारा हमारी दुनिया में लाई गई एकता का प्रतीक है।

-अभिनव बिंद्रा

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फिटनेस के लिए घरेलू क्रिकेट खेलनी चाहिए

इंदौर : पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता संजय जगदाले का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिर्फ एक प्रारूप खेल रहे भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को मैच फिटनेस बरकरार रखने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। बीसीसीआई के पूर्व सचिव जगदाले ने कहा कि दोनों की 2027 विश्व कप में खेलने की उम्मीद उनके फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेंगी। जगदाले ने पीटीआई से कहा उन्होंने सिर्फ एक प्रारूप में खेलने का फैसला लिया है और यह उनके लिए कठिन है।

कैरी की वापसी, फिलिप को मौके का इंतजार

एडिलेड : भारत के खिलाफ पर्थ में अपने घरेलू मैदान पर पदार्पण मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलिप को नियमित विकेटकीपर एलेक्स कैरी की वापसी के कारण गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बाहर बैठना पड़ सकता है, लेकिन वह अगले मौके के लिए इंतजार करने के लिए तैयार हैं।

अबुधाबी टी-10 में खेलेंगे हरभजन

अबुधाबी : पूर्व भारतीय क्रिकेटरों हरभजन सिंह, श्रीसंत और पीयूष चावला के साथ वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसी ने 18 से 30 नवंबर तक यहां जायद क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले अबुधाबी टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है। इस टूर्नामेंट में इस बार कुल आठ टीम हिस्सा लेंगी जिनमें पांच नई टीम अजमान टाइटन्स, विस्टा राइडर्स, रॉयल चैंप्स, एस्पिन स्टैलियंस और क्वेटा क्वालरी शामिल हैं।

कोहली और रोहित पर फिर रहेंगी निगाहें

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मैच आज, जीत के साथ हिसाब बराबर करना चाहेगा भारत

समय पूर्वाह्न 9 बजे से

एडिलेड, एजेंसी

भारतीय टीम की आलराउंडरों पर बहुत अधिक निर्भरता की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कड़ी परीक्षा होगी। हालांकि एक बार फिर से सभी की निगाहें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके श्रृंखला बराबर करने में अपना योगदान देना चाहेंगे।

तीन मैचों की श्रृंखला का पहला एकदिवसीय मैच में भारत के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। बारिश के लगातार व्यवधान के कारण भारतीय बल्लेबाजी प्रभावित हुई और आखिर में उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाए थे लेकिन मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल जैसे गेंदबाजों को केवल 131 रन के लक्ष्य का बचाव करना था जो आसान काम नहीं था। एडिलेड ओवल में भी चुनौतियां अलग नहीं होंगी, क्योंकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। आस्ट्रेलियाई ग्रीष्म ऋतु के शुरू होने के साथ ही, देश की नई पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच के हीरो बाएं हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमैन को रिलीज कर दिया है और अनुभवी लेग-ब्रेक गेंदबाज एडम ज़म्पा अपने बच्चे के जन्म के बाद वापस आ गए हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी हुई है। यशस्वी जायसवाल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी के बेंच पर बैठे रहने से रोहित शर्मा पर अच्छा प्रदर्शन करने का भारी दबाव है। यह पूर्व कप्तान इससे अच्छी तरह वाकिफ है और इसलिए उन्होंने मैच से पहले जमकर अभ्यास किया। वह एडिलेड ओवल के अभ्यास मैदान में कम से कम 45 मिनट पहले पहुंच गए, जबकि कुछ अन्य सदस्य वैकल्पिक नेट सत्र के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोचिंग स्टाफ से एकमात्र व्यक्ति जो नेट्स पर मौजूद था, वह थे मुख्य कोच गौतम गंभीर। उनके साथ दो थ्रो-डाउन विशेषज्ञ दयानंद गरानी और राघवेंद्र भी थे। बाकी कोचिंग स्टाफ कुछ देर बाद आया। वास्तव में, रोहित जिस पहले नेट पर उतरे थे, वह गीला था और थ्रो-डाउन गेंदें सीधे गेंद की लम्बाई से बाहर जा रही थीं। यह भांपते हुए कि टीम का सबसे सीनियर खिलाड़ी चोटिल हो सकता है, कोच गंभीर ने उन्हें दूसरे नेट पर अभ्यास करने के लिए कहा जिस पर रोहित ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। रोहित ने जहां जमकर अभ्यास किया वहीं कोहली ने मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताने के बाद विश्राम किया।

वाशिंगटन सुंदर और नितीश रेड्डी के साथ नंबर आठ तक बल्लेबाज रखने का गंभीर का तरीका एक व्यावहारिक विकल्प है या नहीं, यह सीरीज समाप्त होने तक स्पष्ट हो जाएगा। कोटक ने कहा हार्दिक जैसे खिलाड़ी का न होना हमेशा बड़ा नुकसान होता है।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

अच्छी लय में दिख रहे हैं दोनों दिग्गज : कोटक

एडिलेड : रोहित शर्मा और विराट कोहली आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में भले ही अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक उनकी फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हैं और उनका मानना है कि ये सीनियर खिलाड़ी अच्छी लय में हैं और अगले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारत पर्थ में पहला मैच सात विकेट से हार गया था और अब वह गुरुवार को यहां श्रृंखला का दूसरा मैच खेलेगा। कोटक से जब पर्थ में रोहित के आठ रन और कोहली के शून्य पर आउट होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि रोहित और कोहली की बल्लेबाजी में किसी तरह की कमजोरी है। मुझे लगता है कि दोनों के पास काफी अनुभव है।

नीरज को सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीरज को इसके लिए बधाई दी है।

नीरज को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया के जरियें तस्वीरें शेयर करते हुये लिखा भारत के उत्कृष्ट खिलाड़ी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

नीरज चोपड़ा दृढ़ता, देशभक्ति और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की भारतीय भावना के प्रतीक हैं। उनके सभी भावी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे

पेरिस, एजेंसी : दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद कर दिया था। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ एटीपी टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

इंदौर, एजेंसी

हरफनमौला एश्ली गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड ने गेंद से आपस में पांच विकेट साझा करने के बाद बल्ले से 180 रन की आक्रामक अटूट साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर महिला वनडे विश्व कप मैच में बुधवार को छह विकेट की आसान जीत दिला दी। स्पिनरों अलाना किंग (20 रन पर एक विकेट), सोफी मोलिनक्स (52 रन पर दो विकेट), गार्डनर (39 रन पर दो विकेट) और मध्यम तेज गेंदबाज सदरलैंड (60 रन पर तीन विकेट) ने इंग्लैंड को टैमी ब्यूमोंट (78) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद नौ विकेट पर 244 रन पर रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य का पीछा करते हुए छह ओवर के अंदर 24 रन पर तीन और फिर 68 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे, लेकिन सदरलैंड ने संयम से नाबाद 98 रन की पारी खेली जबकि गार्डनर ने 73 गेंद की नाबाद आक्रामक पारी में 104 रन बनाकर टीम को 57 गेंद शेष रहते जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह टूर्नामेंट में अब तब अजेय रहते हुए तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। लॉरेन बेल (48 रन पर एक विकेट) और लिंसी स्मिथ (43 रन पर दो विकेट) ने छह ओवर के अंदर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल में डाल दिया था लेकिन सात बार के विश्व चैंपियन ने अपनी मजबूत बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए एक बार फिर साबित किया कि टूर्नामेंट में उसके और अन्य टीमों में बड़ा अंतर है।

बेथ मूनी (20) ने सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की और विकेटों के पतन को रोका जबकि गार्डनर ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख के साथ इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। गार्डनर ने अपनी पारी के दौरान मैदान के चारों ओर 16 चौके जड़े जबकि धैर्य के साथ बल्लेबाजी करने वाली सदरलैंड ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। सदरलैंड के पास भी शतक पूरा करना मौका था। उन्हें शतक पूरा करने के लिए तीन रन की जरूरत थी और टीम को जीत के लिए दो रन की। सदरलैंड ने हालांकि एक रन लेकर स्ट्राइक गार्डनर को दे दी जिन्होंने चौके के साथ टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले इंग्लैंड के लिए ब्यूमोंट ने 105 गेंद की पारी में 10 चौके और एक छक्का लगा एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद रन बनाना जारी रखा लेकिन टीम की रन गति को आखिरी ओवरों में एलिस कैप्सी (32 गेंद में 38 रन) और चार्ली डीन (27 गेंद में 26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 52 गेंद में 61 रन की साझेदारी के साथ तेज किया।

जीत का जश्न मनातीं एश्ली गार्डनर और एनाबेल सदरलैंड। एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	6	5	0	1	11	1.704
द.अफ्रीका	6	5	1	0	10	0.276
इंग्लैंड	6	4	1	1	9	1.024
भारत	5	2	3	0	4	0.526
न्यूजीलैंड	5	1	2	2	4	-0.245
श्रीलंका	6	1	3	2	4	-1.035
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578
पाकिस्तान	6	0	4	2	2	-2.651

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड को आज हराना ही होगा

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम पिछले तीन मैच में हार से सबक लेकर गुरुवार को यहां महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल जैसे मुकाबले में जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम यदि डीवाई पाटिल स्टेडियम के अपने चिर परिचित विकेट पर न्यूजीलैंड की टीम को हरा देती है तो वह सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली चौथी टीम बन जाएगी। लेकिन अगर वह पिछले तीन मैच की तरह गलतियां करती है तो फिर वह अगर मगर के भंवर में फंस जाएगी। यदि भारत न्यूजीलैंड से हार जाता है, तो उसे सेमी फाइनल में जगह बनाने के लिए इंग्लैंड की न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले मैच में जीत के लिए दुआ करनी होगी और फिर बांग्लादेश के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में भी जीत हासिल करनी होगी। न्यूजीलैंड को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने होंगे। टीम एक और मुकाबले में बारिश के खतरे के बीच उतर रही है क्योंकि शाम या रात में 'बारिश या गरज के साथ बौछारें' पड़ने की भविष्यवाणी की गई है। मैच बारिश की भेंट चढ़ने की स्थिति में चौथे सेमीफाइनलिस्ट की पहचान के लिए जब आकलन किया जाएगा तो अधिक जीत और बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत फायदे की स्थिति में होगा। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। भारत भी सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार था लेकिन लगातार तीन मैच में हार का सामना करने के कारण उसके समीकरण बिगड़ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों ने भारत की गेंदबाजी में कमजोरी को खुलकर उजागर किया लेकिन उसे सबसे बड़ा झटका इंग्लैंड के खिलाफ समय 54 गेंद पर 56 रन की जरूरत थी लेकिन वह लक्ष्य तक पहुंचने में नाकाम रहा।

समय दोपहर 3 बजे से

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

इंदौर में कप्तान हरमनप्रीत कौर।

हमारा ध्यान अपने नियंत्रण वाले चीजों पर: डिवाइन

नवी मुंबई : न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने बुधवार को कहा कि उन्हें इस बात का कोई भ्रम नहीं है कि महिला विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे मैच में भारी दबाव के बावजूद भारत प्रबल दावेदार है लेकिन उनकी टीम अपनी क्षमता के अनुसार चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बृहस्पतिवार को होने वाला मुकाबला बेहद अहम होगा क्योंकि मेजबान टीम जीत से सेमीफाइनल के लिए अपना दावा बेहद मजबूत कर लेगी। डिवाइन ने भारत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा ईमानदारी से कहूं तो, मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि भारतीय टीम किस तरह के दबाव में है।

चैंपियंस लीग में हुई गोलों की बरसात

गोल करने के बाद जश्न मनाते पीएसजी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

मैनचेस्टर, एजेंसी

चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए।

पीएसवी आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है।

- पीएसजी और बार्सिलोना ने बड़ी जीत दर्ज की

तैयारी | प्रस्ताव दस्तावेजों को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि 21 नवंबर निर्धारित की गई

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी अगले माह

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को निविदा प्रक्रिया के जरिए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आधिकारिक साझेदार अधिकार (ओपीआर) हासिल करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलिया आमंत्रित की।

बीसीसीआई ने कहा कि कोटेशन के लिए अनुरोध (आरएफक्यू) में बोली लगाने और उसके मूल्यांकन से संबंधित नियम और शर्तों की जानकारी दी गई है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा आरएफक्यू 1,00,000 रुपये की गैर-वापसी योग्य फीस और लागू वस्तु एवं सेवा कर की प्राप्ति पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा आरएफक्यू खरीदने की अंतिम तिथि 12 नवंबर है। स्पष्टीकरण 14 नवंबर तक मांगे जा सकते हैं तथा प्रस्ताव दस्तावेजों को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि 21 नवंबर निर्धारित है।

डब्ल्यूपीएल में केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना नहीं है, भले ही 90 खिलाड़ियों की नीलामी हो। हालांकि, यह एक असंभव परिदृश्य है, क्योंकि टीमों के नीलामी में काफी संख्या में रिटेन किए गए खिलाड़ियों के साथ उतरने की उम्मीद है। फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है। प्रत्येक टीम को पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति है और अगर कोई टीम सभी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपये, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपये, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपये, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपये और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपये का नुकसान होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपये है और पांच रिटेंशन पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। बीसीसीआई ने कहा है कि यह दिशानिर्देश मूल्य केवल वेतन सीमा की गणना के लिए है।

पांच आरटीएम विकल्पों को मंजूरी

बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्पों को मंजूरी दी है, लेकिन किसी फ्रेंचाइज़ी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी एक आरटीएम विकल्प खो देगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई टीम पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसके पास नीलामी में राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल करने का विकल्प नहीं होगा। दूसरी ओर, बिना किसी रिटेंशन के नीलामी में जाने वाली टीम अपने पांच खिलाड़ियों के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल कर सकती है।

आईसीसी बैठक में टकराव की संभावना

कराची, एजेंसी

- एशिया कप ट्रॉफी को लेकर बीसीसीआई और पीसीबी होंगे आमने-सामने

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है। क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं।

बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है।

नकवी ने अपने जवाब में लिखा एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता। उन्होंने कहा इसके लिए समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई नई मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए।